डाक पंजीयन नं. 99/2021—23

E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.aadhuniksamachar.com

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

PG,5

आधुनिक समाचार

PG,8

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

सिनेमाः लता मंगेशकर के गाने, मुख्यमंत्री ने ऐसे

वर्ष -07 अंक -333 प्रयागराज, सोमवार 07 फरवरी, 2022 पृष्ठ- 8 मूल्य : 2.00 रूपये

संक्षिप्त समाचार

2022: अगले हफ्ते सवालों के जवाब देंगे पीएम मोदी और वित्त मंत्री, भाजपा ने अपने सांसदों को जारी किया व्हिप

नई दिल्ली। राज्यसभा में शनिवार को बजट पर लंबी चर्चा के बाद सदन की कार्यवाई अगले हफ्ते तक स्थगित हुई। इस हफ्ते लंबे समय बाद राज्यसभा की कार्यवाही बिना किसी रुकावट के देखने को मिली। इसी के साथ भाजपा ने अपने सभी सांसदों को 8 फरवरी को सदन में मौजूद रहने के लिए व्हिप भी जारी किया है। सभी भाजपा राज्यसभा सांसदों को कहा गया है कि 8 फरवरी को राज्यसभा में चर्चा और पारित करने के लिए कुछ बहुत ही महत्वपूर्ण काम होगा। बता दें कि इस चर्चा के लिए 12 घंटे आवंटित किए गए हैं, जिसमें प्रधानमंत्री का जवाब भी शामिल है। एएनआइ के अनुसार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगले सप्ताह मंगलवार को सदन में विपक्षी नेताओं के सवालों के जवाब देंगे। जानकारी के अनुसार राज्यसभा ने वर्तमान बजट सत्र के पहले सप्ताह के दौरान उपलब्ध 15 घंटे 17 मिनट के समय का पूरा उपयोग किया है, 2 जनवरी, 2022 को सुनवाई की आभासी प्रणाली को 3 जनवरी से स्थानांतरित करने का निणाय लिया था। सुनवाई के फिजिकल और हाइब्रिड विकल्प को निलंबित करते हुए, शीर्ष अदालत ने पूरी तरह से वर्चुअल हियरिंग करने का निणाय लिया था। वहीं एक अन्य सर्कुलर के जरिए शीर्ष अदालत के न्यायाधीशों ने अपने आवासीय कार्यालयों से काम करने का फैसला किया। जिसमें सप्ताह की 100 फीसद उत्पादकता है। पहले सप्ताह के दौरान, राष्ट्रपति के अभिभाषण के बाद, राज्यसभा सांसदों ने अब तक 26 सांसदों के भाषण के साथ 7 घंटे 41 मिनट के लिए राष्ट्रपति को धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा की। केंद्रीय बजट 2022 पर अगले सप्ताह 11 घंटे चर्चा की जाएगी, जिसका वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण अगले सप्ताह शुक्रवार को जवाब देंगे। बजट सत्र के पहले सप्ताह में इन 2 प्रमुख कार्यों पर बहस करने में 23 घंटे से अधिक समय व्यतीत होगा। बता दें कि इसे सक्षम करने के लिए, अगले सप्ताह शुक्रवार को निजी सदस्यों के कार्य को समाप्त कर दिया गया है।

ICRISAT के कार्यक्रम में पीएम मोदी बोले- जलवायु परिवर्तन से निपटने में कारगर होगा 'प्रो प्लैनेट पीपल मूवमेंट', डिजिटल एग्रीकल्चर ही भविष्य

हैदराबादं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि इस साल के बजट में क्लाइमेट एक्शन पर ज्यादा जोर दिया गया है। बजट प्राकृतिक और डिजिटल कृषि पर केंद्रित है। यह 'हरित भविष्य' के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हैदराबाद के पाटनचेरु में अंतर्राष्ट्रीय फसल अनुसंधान संस्थान के स्वर्ण जयंती समारोह के उद्घाटन के अवसर पर बोल रहे थे। इंटरनेशनल क्राप्स रिसर्च इंस्टिट्यूट फार द सेमी-अरिड टापिक्स के कार्यक्रम में पीएम मोदी ने कहा कि आज बसंत पंचमी का पावन पर्व है। आज हम ज्ञान की देवी मां सरस्वती की पूजा करते हैं। आप सभी जिस क्षेत्र में हैं उसका आधार ज्ञान, विज्ञान, इनोवेशन, इंवेंशन ही है। इसलिए बसंत पंचमी के दिन इस आयोजन का एक विशेष महत्व हो जाएगा। प्रधानमंत्री ने कहा- जैसे भारत ने अगले 25 सालों के लिए नए लक्ष्य बनाए हैं, उनपर काम करना शुरू कर दिया है वैसे ही अगले 25 साल के लिए भी उतने ही अहम है। आपके पास पांच दशकों का अनुभव है। इन दशकों में आपने भारत सहित दुनिया के एक बड़े हिस्से में कृषि क्षेत्र की मदद की है। 50 साल एक बहुत बड़ा समय होता है और इस 50 साल की यात्रा में जब जब जिस जिस ने जो जो योगदान दिया है, वे सभी अभिनंदन के अधिकारी हैं। पीएम मोदी ने कहा कि इस काम को आगे बढ़ाने के लिए जिन जिन लोगों नें प्रयास किया है, मैं उनका भी अभिनंदन करता हूं। की रिसर्च, आपकी टेकनेलाजी ने मुश्किल परिस्थितियों में खेती को आसान बनाया है। आज ग्रह संरक्षण और जलवायु परिवर्तन अनुसंधान फेसिलिटी का भी उद्घाटन

किया गया है। ये शोध सुविधाएं जलवायु परिवर्तन से निपटने के साथ ही कृषि क्षेत्र की सहायता करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। पीएम मोदी बोले- जलवायु परिवर्तन के कारण उत्पनन्प्राकृतिक आपदाएं एक बड़ी चुनौती रही हैं। यह मानव और बुनियादी ढांचे दोनों को प्रभावित करती हैं। भारत ने 2070 तक अपने शून्य कार्बन लक्ष्य की घोषणा की है। हमने प्रो प्लैनेट पीपल मूवमेंट का भी आह्वान किया है। यह ऐसा आंदोलन है जो जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए महत्वपूर्ण है और प्रत्येक व्यक्ति को जलवायु से जोड़ता है। पीएम मोदी ने कहा कि प्रो प्लेनेट पीपल ऐसा आंदोलन है जो पर्यावरण संकट से लड़ने के लिए हर समुदाय को हर एक जलवायु जिम्मेदारी से जोड़ता है। बदलते हुए भारत का एक महत्वपूर्ण पक्ष है- डिजिटल एग्रीकल्चर। ये हमारा फ्यूचर है और इसमें भारत के टेलेंटेड युवा, बहुत बेहतरीन काम कर सकते हैं। डिजिटल तकनीक से कैसे हम किसान को मजबूत कर सकते हैं। इसके लिए भारत में प्रयास निरंतर बढ़ रहे हैं। उप्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि हमारा फोकस देश के उन 80 प्रतिशत से ज्यादा छोटे किसानों पर है, जिन्हें हमारी सबसे ज्यादा जरूरत है। इस बजट में भी प्राकृतिक खेती और डिजिटल एग्रीकल्चर पर काफी जोर दिया गया है। इस बजट में प्राकृतिक खेती और डिजिटल एग्रीकल्चर पर अभूतपूर्व बल दिया गया है। एक तरफ हम मोटे अनाज का दायरा बढ़ाने पर फोकस कर रहे हैं तो दूसरी ओर रसायन मुक्त खेती पर बल दे रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने आधुनिक कृषि की दिशा में कदम बढ़ाते हुए सोलर पंप से लेकर किसान ड्रोन तक आधुनिक तकनीक को प्रोत्साहित कर रही है। हम खाद्य सुरक्षा के साथ-साथ पोषण सुरक्षा पर भी ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। इस समारोह में प्रधानमंत्री मोदी ने स्मारक डाक टिकट भी लान्च की। उन्होंने 'क्लाइमेट चेंज रिसर्च फैसिलिटी आन प्लांट प्रोटेक्शन' का भी उद्घाटन किया। इस मौके पर केंद्रीय कृषि मंत्री नरेन्द्र तोमर ने कहा कि यह आजादी के अमृत महोत्सव का वर्ष है। के भी 50 वर्ष पूरे हो रहे हैं। ये हमें प्रेरणा प्रदान करने वाले अवसर हैं। हमारे संकल्प को पूर्ण करने का समय है। यह आने वाले 25 वर्षों के लिए नए संकल्प लेकर चलने का समय है। एक समय 'जय जवान, जय किसान' का नारा दिया गया था। जब अटल बिहारी वाजपेयी प्रधानमंत्री बने तो उन्होंने इसमें 'जय विज्ञान' जोड़ दिया और अब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल के साथ इसमें नया नारा 'जय अनुसंधान' जोड़ा गया है।

नीट 2021 रिजल्टः असम के चाय बेचने वाले लड़के ने पहले ही प्रयास में हासिल की सफलता, AIIMS-दिल्ली में दाखिला लेने की तैयारी

बारपेटा । कहते हैं न कि किस्मत मेहनत करने वालों की साथ कभी नहीं छोड़ती। ऐसा ही एक वाक्या पूर्वोत्तर भारत के राज्य असम से सामने आया है। जहां

एक चाय बेचने वाले लड़के अपने पहले ही प्रयास में नीट परीक्षा सफलता पूर्वक पास की है। छात्र ने सिर्फ यह परीक्षा पास नहीं की, बल्कि मेडिकल की पढ़ाई के लिए देश सर्वश्रेष्ठ संस्थानों में से एक एम्स-दिल्ली में अपना दाखिला सुनिश्चित किया है। असम के बजली जिले में रहने वाले छात्र राहुल दास ने तमाम चुनौतियों का सामना करते हुए यह सफलता हासिल की है। राहुल की मां चाय की दुकान चलाती हैं और राहुल दुकान के कामों में अपनी मां की मदद करता है, लेकिन उसने अपनी राह में किसी भी रोड़े को रुकावट का कारण नहीं बनने दिया। राहुल के पिता 11 साल पहले उनकी मां और अपने दो बच्चों को अकेला छोड़कर चले गए थे। ऐसे में राहुल की मां ने ही उनकी देखरेख की, आर्थिक तंगी के कारण राहुल को 12वीं कक्षा के बाद मजबूरन अपनी पढ़ाई छोड़नी पड़ी। लेकिन उन्होंने अपना डाक्टर बनने का सपना नहीं छोड़ा। उन्हें अपनी चाय की दुकान पर जब भी वक्त मिलता तो वो पढ़ाई करते। उनकी यही मेहनत आज रंग लाई है। गौरतलब है कि राहुल ने 2015 में हायर सेकेंडरी की परीक्षा पास की थी और पैसों के अभाव में पढ़ाई छोड़ दी थी। हालांकि, उच्च शिक्षा के लिए उनके उत्साह ने दास को प्लास्टिक इंजीनियरिंग में डिप्लोमा करने के लिए दो साल बाद सेंट्रल इंस्टीट्यूट आफ पेट्रोकेमिकल्स इंजीनियरिंग एंड टेकनेलॉजी में शामिल होने के लिए प्रेरित किया। राहुल ने तीन साल बाद डिस्टिंक्शन 85 फीसदी अंकों के साथ पास किया और गुवाहाटी में एक बहु-राष्ट्रीय कंपनी में 'क्वालिटी इंजीनियर' के रूप में अक्टूबर 2020 में 19 महामारी के बीच काम करना शुरू किया। लेकिन राहुल हमेशा से एक डाक्टर बनना चाहते थे, जिसके चलते उन्होंने नौकरी छोड़ दी और नीट परीक्षा का तैयारी करने लगे। उन्होंने बताया कि नीट में उनकी 12,068 रैंक आई थी, लेकिन अनुसूचित जाति और विकलांग प्रमाणपत्रों ने उन्हें में प्रवेश दिलाने में मदद की।

LAC पर नए हथकंडे अपना रहा चीन, इस तकनीक का उपयोग कर जमीन हथियाने की कोशिश

बीजिंग । पर चीन फिर से नए हथकंडे अपना रहा है। दूसरों के इलाकों में कजा करने के लिए वह अपने मंसूबों पर लगातार आगे बढ़ रहा है। इसके लिए चीन वास्तविक नियंत्रण रेखा के साथ यथास्थिति

को बदलने के लिए 'सलामी-स्लाइसिंग' तकनीक का उपयोग कर रहा है। सलामी स्लाइसिंग तकनीक वह रणनीति है जिसके जरिये कोई देश धमकी और समझौतों की प्रक्रिया में बांटो और जीतो का खेल खेलते हुए नए क्षेत्रों पर अपना कब्जा करने की कोशिश करता है। बता दें कि भारत जैसे अपने पड़ोसियों के साथ बढ़ते तनाव के बीच, अक्टूबर 2021 में अपनाया गया चीन भूमि सीमा कानून 1 जनवरी, 2022 को लागू हुआ था। कानून अपने आप में मुखर और उत्तेजक लगता है। नीति अनुसंधान समूह के अनुसार एलबीएल के माध्यम से, चीन ने यह दावा किया है कि वह प्रादेशिक संप्रभुता और भूमि सीमा की दृढ़ता से रक्षा करेगा। गौरतलब है कि एलबीएल 'सिविल-मिलिट्री इंटीग्रेशन रणनीति को मजबूत करता है, जो विदेश मंत्रालय, सार्वजनिक सुरक्षा, सीमा शुल्क और प्रमुख चीनी नौकरशाहों के बीच तालमेल पैदा करता है। के अनुसार भूमि और सीमा रक्षा में सीएमआई की रणनीति का भारत के लिए प्रतिकूल प्रभाव हो सकता है। उसके अनुसार चीनी सेना इससे भारत द्वारा अपनी सीमा के पास बुनियादी ढांचे के विकास को रोक सकती है। इसके अलावा, चीनी कम्युनिस्ट पार्टी तिब्बती खानाबदोशों को सीमावर्ती जिलों के गांवों में भी धकेल रही है। चीन ने 'सलामी स्लाइसिंग' तकनीक के तहत नेपाल और भूटान के सीमावर्ती इलाकों में सीमावर्ती कस्बों का विस्तार भी किया है। पॉलिसी रिसर्च ग्रुप ने कहा कि चीन, तिब्बत पर अपनी पकड़ और मजबूत करने के लिए सीएमआई की रणनीति का उपयोग करने के अलावा, एलएसी के पार अपनी बस्तियों का विस्तार करने के लिए स्थानीय निवासियों का शोषण करेगा और उन्हें खानाबदोश कवर के तहत बसने वालों के रूप में विस्थापित करेगा। इसका उद्देश्य सैन्य संरचनाओं को बढ़ाने का होगा जिसपर किसी का ध्यान नहीं जाएगा।

SC बार एसोसिएशन ने Ck को पत्र लिखकर शीर्ष अदालत में फिजिकल हियरिंग फिर से शुरू करने का किया आग्रह

नई दिल्ली। देश में वैश्विक महामारी कोरोना वायरस की तीसरी लहर के बीच, एक बार फिर देशभर में कोविड-19 प्रोटोकाल लगाया गया। लेकिन वायरस के नए मामलों में दर्ज की जा रही गिरावट को देखते हुए कई जगहों पर प्रतिबंधों में ढील दी जा रही है। कम होते मामले और कोविड-19 नियमों में दी जा रही छुट को ध्यान में रखते हुए, सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन ने शनिवार को भारत के मुख्य न्यायाधीश एनवी रमना को एक पत्र लिखा। पत्र में सुप्रीम कोर्ट की शारीरिक सुनवाई फिर से शुरू करने के लिए ने चीफ जस्टिस से आग्रह किया है। देशभर में कोविड-19 प्रोटोकाल में दी जा रही छूट के मद्देनजर, लिखकर उनसे सुप्रीम कोर्ट की शारीरिक सुनवाई फिर से शुरू करने का आग्रह किया। के अध्यक्ष और वरिष्ठ अधिवक्ता विकास सिंह ने ण्व्य् को लिखे पत्र में कोविड-19 के देश में ताजे हालात पर बात की, उन्होंने लिखा कि पिछले दो हफ्तों में देश में महामारी बहुत हद तक नियंत्रण में है, इसलिए शीर्ष अदालत को फिजिकल मोड में खोलने का अनुरोध किया जा रहा है।

राज्यसभा में लता जी को दी गई श्रद्धांजलि, एक घंटे के लिए स्थगित हुई कार्यवाही

नई दिल्ली। संसद के बजट सत्र का आज छठा दिन है। संसद के दोनों सदनों राज्यसभा और लोकसभा में आज भी राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा जारी रहेगी। राज्यसभा में भारत रत्न लता मंगेशकर जी को श्रद्धांजलि दी गई। श्रद्धांजलि के बाद कार्यवाही एक घंटे के लिए स्थगित हो गई। उधर, पीएम नरेन्द्र मोदी आज शाम लोकसभा में धन्यवाद प्रस्ताव पर जवाब दे सकते हैं। वहीं, गृह मंत्री अमित शाह राज्यसभा और लोकसभा में एआइएमआइएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी पर हमले को लेकर बयान देंगे।संविधान अनूसुचित जनजातियां आदेश विधेयक 2022 लोकसभा होगा। केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा संविधान अनूसुचित जातियां और अनूसुचित जनजातियां आदेश विधेयक 2022 राज्सभा में पेश करेंगे।

चीन ने किम जोंग उन के पक्ष में बुलंद की आवाज, कहा- उत्तर कोरिया के साथ तनाव कम करे अमेरिका

संयुक्त राष्ट्र। चीन ने अमेरिका के खिलाफ खुलकार आवाज बुलंद करनी शुरू कर दी है। इस बार उसने अपने मित्र राष्ट्र उत्तर कोरिया के पक्ष में आवाज उठाई है। चीन ने अमेरिका से उत्तर कोरिया के साथ तनाव कम करने की अपील की है। संयुक्त राष्ट्र में चीनी राजदूत झांग जून ने कहा कि उत्तर कोरिया के साथ तनाव

घटाने के लिए अमेरिका और ज्यादा व्यावहारिक नीतियां बनाए। साथ ही उसके परमाणु और बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम को लेकर टकराव और प्रतिबंधों से बचे। चीनी राजदूत ने कहा कि समाधान सीधी वार्ता में है और यदि अमेरिका का बाइडन प्रशासन उत्तर कोरिया के साथ गतिरोध दूर करना चाहता है तो उन्हें ज्यादा गंभीरता और लचीलापन दिखाना होगा। अमेरिका-उत्तर कोरिया परमाणु विवाद पर चीन की राय के बारे में पूछे जाने पर राजदूत ने कहा, 'मैं जो समझ रहा हूं वह यह कि इस मुद्दे का समाधान अमेरिका के पास मौजूद है।' उल्लेखनीय है कि चीन और रूस का उत्तर कोरिया के साथ दोस्ताना संबंध हैं। दोनों देशों ने हाल ही में उत्तर कोरिया पर अमेरिका की ओर से नए प्रतिबंध लगाने के प्रस्ताव को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में रोक दिया था। उल्लेखनीय है कि भारत, अमेरिका, ब्रिटेन, आस्ट्रेलिया और कुछ अन्य देशों के राजनयिक बहिष्कार के बीच चीन में शुक्रवार को विंटर ओलिंपिक खेल शुरू हुए हैं। गौर करने वाली बात है कि उद्घाटन समारोह में सबसे प्रमुख अतिथि के रूप में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने हिस्सा लिया। वहीं आमंत्रित अतिथियों में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान भी मौजूद थे। समारोह से निकलते ही पुतिन की चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के साथ 'पावर मीटिंग' हुई। रूसी राष्ट्रपति पुतिन के साथ बैठक में अमेरिका के खिलाफ हर सीमा से परे जाकर सहयोग का एलान हुआ। रूस और चीन ने संयुक्त बयान जारी कर कहा है कि दोनों देशों के रिश्ते किसी भी राजनीतिक और सैन्य गठबंधन से ज्यादा मजबूत हैं। दोनों देशों की दोस्ती की कोई सीमा नहीं है।

एक समान नहीं हैं कट्टरपंथी और लोकतांत्रिक विचारधाराएं, UNSC में भारत बोला- आतंकवाद के खिलाफ लागू हो जीरो टालरेंस नीति

संयुक्त राष्ट्र । भारत ने राजनीतिक सिद्धांतों और कट्टरपंथ में अंतर करने की जरूरत पर बल देते हुए कहा कि राजनीतिक सिद्धांत बहुलवादी लोकतंत्र का

हिस्सा हैं, जबकि कट्टरपंथ आतंकवाद को बढ़ावा देता है। इसलिए, दोनों को एक ही नजरिये से देखने का कोई भी प्रयास 'गलत' और 'प्रतिकूल' है। आतंकी संगठन अल-कायदा, आइएसआइएल और उनके सहयोगियों द्वारा एशिया और अफ्रीका में पैदा किए जाने वाले खतरों को चिहिन्त करके उन्हें खत्म किया जाना चाहिए। संयुक्त राष्ट्र आतंकवाद रोधी कार्यालय (यूएनओसीटी) की तरफ से आयोजित सदस्य देशों की राजदूत स्तर की वार्षिक वार्ता के दौरान यूएन में भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत टीएस तिरुमूर्ति ने कहा कि भारत का हमेशा से मानना रहा है कि देशों को 9/11 से पहले के दौर में नहीं जाना चाहिए, जब आतंकियों को 'आपका' और 'मेरा' में विभाजित किया जाता था। आतंकियों को वर्गीकृत करना आतंकवाद से निपटने के सामूहिक संकल्प को कमजोर करता है। तिरुमूर्ति ने कहा कि यह समझने की जरूरत है कि लोकतंत्र में दक्षिणपंथ व वामपंथ राजनीति का हिस्सा हैं और चुनाव के जरिये सत्ता में आते हैं। उन्होंने कहा, 'परिभाषा के अनुसार लोकतंत्र विचारधाराओं और विश्वासों का एक व्यापक संगम होता है.. हमारी लड़ाई कट्टरपंथी विचारधाराओं के खिलाफ है न कि लोकतंत्र के खिलाफ।' तिरुमूर्ति ने कहा, 'हमें दृष्टिकोण में चयनात्मक नहीं होना चाहिए, बल्कि आतंकवाद के खिलाफ जीरो टालरेंस की नीति लागू करनी चाहिए। आतंकी संगठन अल-कायदा, आइएसआइएल और उनके सहयोगियों द्वारा एशिया व अफ्रीका में पैदा किए जाने वाले खतरों को चिहिन्त करके उन्हें खत्म किया जाना चाहिए।' भारत ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से सभी मतों के खिलाफ हिंसा का संयुक्त रूप से मुकाबला करने का आह्वान किया है।

खटीक स्वराज संघ की बैठक हुई संपन्न

(आधुनिक समाचार सेवा)
सत्य प्रकाश

प्रयागराज। खटीक स्वराज संघ की कार्यकारणी व समाज के सरकारी कर्मचारी की मीटिंग डॉ भीमराव अम्बेडकर जूनियर

हाईस्कूल बाराती नगर बिंदकी फतेहपुर में सामाजिक जागरकता अभियान चलाते हुए मीटिंग संपन्न हुई , इस बीच खटीक स्वराज संघ के राष्ट्रीय महासचिव श्री रामकुमार खटीक जी, श्री बी.डी. सोनकर मंडल अभियंता लखनऊ, श्री राजू सोनकर जिला प्रभारी, श्री जितेंद्र सोनकर जिला अध्यक्ष, श्री छोटेलाल सोनकर जिला उपाध्यक्ष, श्री अजय करन सोनकर जिला महासची, श्री विकास सोनकर जिला सचिव, श्री राज सोनकर बिधानसभा अध्यक्ष बिंदकी, श्री रामभवन सोनकर नगर अध्यक्ष, श्री सौरभ सोनकर , श्री अजय सोनकर, श्री वेद.डी. सोनकर ,अध्यापक, श्री हरिश्चन्द्र सोनकर , श्री अतुल सोनकर अध्यापक, श्री पंकज सोनकर अध्यापक, श्री राजकुमार सोनकर समीक्षा अधिकारी, श्री विजय सोनकर अध्यापक, श्री महेंद्र सोनकर मैनेजर जूनियर हाईस्कूल, आदि समाज के लोग उपस्थित रहे खटीक स्वराज संघ

प्रयागराज संगम की रज में दद्दा जी शिष्य मंडल के शिविर में पहुंचे बॉलीवुड अभिनेता राजपाल यादव, कही दिल छू लेने वाली बातें

प्रयागराज। संगम की रज में दद्दा जी शिष्य मंडल के बड़े भैया अनिल शास्त्री जी के सानिध्य में बनाया गया असंख्य पार्थिव शिवलिंग शिव भक्त प्रयागराज संगम की रज से शिवलिंग बनाकर महादेव को प्रसन्न करने में लगे है। शिवलिंग निर्माण एवं अभिषेक कर उनका

पूर्णाहुति के साथ प्रयागराज संगम में महायज्ञ का हुआ समापन प्रयागराज संगम माघ मेला में पूज्य गुरुदेव पंडित देव प्रभाकर शास्त्री ठददा जीठ की स्मृति पूज्य अनिल शास्त्री के सानिध्य में संगम माघ मेला में सेक्टर 5 ओल्ड जीटी मार्ग पर 7 दिवसीय असंख्य पार्थिव शिवलिंग निर्माण महायज्ञ एवं महारुद्राभिषेक का आयोजन हवन पूर्णाहुति के साथ संपन्न हुआ गुरुजी विसर्जन यमुना नदी में किया गया। बड़ी संख्या में भक्तों ने शिवलिंगों का निर्माण महायज्ञ एवं महारुद्राभिषेक कर हवन किया। पूज्य गुरु अनिल शास्त्री जी ने कहा कि प्रयागराज संगम माघ मेला में महायज्ञ एवं महारुद्राभिषेक के सफल आयोजन पर सभी का आभार प्रकट किया पूज्य अनिल शास्त्री ने प्रयागराज महायज्ञ के सफल आयोजन के लिए दी।

(आधुनिक समाचार सेवा)
सरफराज अहमद

प्रयागराज। दिनांक 6 फरवरी 2022 को रुद्रपुर गांव में क्रिकेट क्लब देवनागरी की ओर से क्रिकेट खेल का आयोजन किया गया जिसमें कई गांव के क्रिकेट प्रतिभागियों ने हिस्सेदारी किया। कार्यक्रम का शुभारंभ अशफाक अहमद ने किया। इस अवसर पर श्री अहमद ने कहा खेल को खेल की भावना से खेलना चाहिए खेल में हार जाने का मतलब यह नहीं होता की आप में ईर्ष्या और द्वेष की भावना आ जाए। हारने के बाद प्रत्येक प्रतिभागी को और मेहनत से खेल को जीतने के लिए प्रयास करना चाहिए। सबको एक होकर खेल भावना से खेल को खेलना चाहिए इस अवसर पर एडवोकेट देवराज उपाध्याय प्रणय शुक्ला अनिल अभिषेक प्रियांशु मयंक पंकज शुभम शुभम रोहित नितिन आदि का सहयोग सराहनीय रहा।

निःशुल्क स्वास्थ शिविर का हंडिया में 200 से अधिक लोगो ने उठाया लाभ

(आधुनिक समाचार सेवा)
सरफराज अहमद

प्रयागराज। यूफोरिएल यूथ सोसाइटी एवं हुमैनिटी इंडिया ट्रस्ट के संयुक्त तत्वाधान में लक्षागृह, हंडिया में श्याम फार्मेसी एवं हंडिया केमिस्ट एंड क्लिनिक के सहयोग से निःशुल्क स्वास्थ शिविर का आयोजन किया गया। गांवों में कई बार एक अच्छे डॉक्टर न होने की वजह से कई लोगों को सही स्वास्थ सुविधाएं प्राप्त नहीं हो पाती है और कई बार ऐसा भी होता है की डॉक्टर का क्लिनिक गाँव से अधिक दूरी पर होने से कई लोग अपने काम में व्यस्त होने के कारण बीमारियों के प्रारंभिक स्तर पर इलाज करवाने मे असमर्थ रहते हैं जिस कारण से बिमारियाँ और गंभीर हो जाती है। यहाँ पूछने से यह भी पता चला की कई सारे परिवार ऐसे भी है जो आर्थिक स्थिति सही ना होने के कारण अपना इलाज करवाने में असमर्थ है और समय निकाल कर शहर भी नहीं जा सकते क्योंकी वह सब रोज कमाने रोज खाने वाले लोग है। डॉक्टरों का कहना था कि लोग असंतुलित खानपान के साथ ही दिनचर्या के कामों में तनाव लेने से इस तरह के रोगों की चपेट में आते

है। इनसे बचाव के लिए लोगों को समय-समय पर अपनी जांचें करानी चाहिए। अधिक उम्र के लोगों को विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता है। आज के इस निःशुल्क स्वास्थ शिविर में 200 से अधिक हर वर्ग के बच्चों, महिलाओं तथा आदमियों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया एवं अपना मुफ्त इलाज करवाया और मुफ्त दवियायों का लाभ उठाया। इस शिविर में डॉ. पी के मौर्या (हड्डी रोग विशेषज्ञ, एस. आर. एन), डॉ. सूर्य भान कुशवाहा (जनरल फिजिशियन, एस. आर. एन एवं अध्यक्ष, हुमैनिटी इंडिया ट्रस्ट), डॉ. अंशु मौर्या (स्त्री रोग विशेषज्ञ, एस. आर. एन एवं स्वास्थ अफसर, हुमैनिटी इंडिया ट्रस्ट), डॉ. शुभम कृष्ण तिवारी (जनरल फिजिशियन, एस. आर. एन), डॉ. संदीप राजभर (जनरल फिजिशियन, एस. आर. एन), रतनकर गुप्ता (फार्मेसिस्ट) साथ ही साथ यूफोरियल यूथ सोसाइटी के अध्यक्ष देवेश जायसवाल, उपाध्यक्ष अनीश पांडेय , मो. सुभान, अमन कुमार और हुमैनिटी इंडिया ट्रस्ट के सी. इ. ओ. अमन यादव, उपाध्यक्ष अभिषेक सिंह, आशुतोष कुमार, डेविड, योगेंद्र कुमार, सत्यम, क्षितिज, आकाश, विजय भान मौजुद रहे और इस भव्य शिविर को मिल के सफल बनाया।

नामांकन पत्र दाखिल, मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी

प्रयागराज। शहर दक्षिणी विधानसभा से बीजेपी प्रत्याशी नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी 7 फरवरी को नामांकन, मंत्री नन्दी दिन में 11 बजे बहादुरगंज स्थित अपने आवास से ललिता देवी मंदिर पहुंचेंगे। मां ललिता देवी का पूजन, अर्चन करने के बाद मंत्री नन्दी नामांकन पत्र दाखिल करने के लिए रवाना होंगें। कलेक्ट्रेट परिसर के एसीएम 2 के कार्यालय में नामांकन पत्र दाखिल करेंगे।

सिविल लाइंस में बमबाज़ी कर रहे युवक के पैर में फटा बम, घायल

(आधुनिक समाचार सेवा)
विलास गुप्ता

प्रयागराज। सिविल लाइंस थाना क्षेत्र में केसी बैंक्वे टगेस्ट हाउस के बाहर अराजक तत्व ने की बमबाजी। पर बम मारने गए बदमाश के पैर में ही एक बम फटा जिससे वह घायल हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के सूचना देने पर पुलिस ने आकर घायल युवक को भर्ती कराया और मामले की जांच पड़ताल में जुटी।

बसपा प्रत्याशी घनश्याम पांडे ने गोवा में मृत सतनारायण के परिवार को दी सांत्वना

(आधुनिक समाचार सेवा)
सरफराज अहमद

फूलपुर। कोतवाली के मैलहन में रहकर लॉन्ड्री का काम करता था। 3 दिन पूर्व हार्ट अटैक से मौत हो गई। सूचना गांव पहुंची तो परिवार में कोहराम मच गया। रिश्तेदार से लेकर राजनीतिक दलों के लोग परिवारी जन को सांत्वना देने पहुंच रहे हैं। रविवार दोपहर प्रतापपुर के बसपा प्रत्याशी घनश्याम पांडे अपने लाव लश्कर के साथ पीडित परिवार के बीच पहुंचे और ढांढस बंधाया। अभी तक मृतक का शव गांव नहीं पहुंचा है। इसलिए तमाम लोगों का आना जाना लगा है।

गांव निवासी सत्यनारायण रजक पुत्र अमरनाथ उम्र 45 वर्ष जो गोवा

लता जी के निधन से कला जगत स्तब्धःप्रियांशु श्रीवास्तव

प्रयागराज। बृहस्पतिवार कि सुबह हिंदुस्तान सहित समूचे विश्व के संगीत प्रेमियों के लिए स्वर

कोकिला पार्श्व गायिका लता मंगेशकर जी के निधन की बुरी खबर लेकर आई, खबर फैलते ही संगीत प्रेमियों की आंखों से आंसू छलक पड़े और पूरा हिंदुस्तान स्तब्ध रह गया, कलाकारों के लिए मां सरस्वती के मानव स्वरूप में जानी और पहचानी जाने वाली लता जी हर एक कलाकार की प्रेरणा थी यह बात मशहूर गायक एवं अभिनेता यमुनापार कलाकार संघ के अध्यक्ष प्रियांशु श्रीवास्तव ने कही उन्होंने बताया की यमुनापार कलाकार संघ कार्यालय में क्षेत्रीय कलाकारों के द्वारा लता जी के निधन पर शोक सभा आयोजित की गई गायक आशीष शर्मा ने बताया की तीस से अधिक भाषाओं में तीस हजार से अधिक गीतों में अपनी आवाज देने वाली लता जी ने शुरुआती दौर में अभिनय में कई फिल्मों में अपना लोहा मनवाया था एवं विश्व पटल पर भारत वर्ष का नाम संगीत के क्षेत्र में प्रकाशित किया है इस अवसर पर कई प्रसिद्ध गायक एवं गायिकाओं ने लता जी को श्रद्धांजलि सुमन अर्पित किए जिसमे मुख्य रूप से अमित मिश्रा,मिश्र बंधु, अज्जू शुक्ला,सूरज मिश्रा,तिवारी बंधु ,शिखा गुप्ता मौजूद रहे।

स्वर सामाज्ञी लता मंगेशकर के निधन शोक संवेदना

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। अपने जादुई स्वर से भारतीयों के के दिल पर राज करने वाली स्वर सामाज्ञी लता मंगेशकर के निधन पर लोगों ने अपनी हार्दिक शोक संवेदना व्यक्ति की है फिल्म जगत में अपने स्वर से बहुत सारी फिल्मों को सफल बनाने वाली लता मंगेशकर के निधन को भारतीय संगीत की एक बड़ी क्षति कही जा सकती है। उनके निधन पर बहुत सारे लोगों ने अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि दी है।उन्हें श्रद्धांजलि देने वालों में शशिकांत शुक्ल प्रधान प्रतिनिधि शिवबोझ,शैलेश कुमार प्रधान प्रतिनिधि नरायनपुर,इंद्रजीत निर्मल प्रधान आशापुर,भान सिंह लक्ष्मणपुर,साबिर अली प्रधान पतुलकी, सुभाष जायसवाल प्रधान से हन्डौर,अजीत प्रताप सिंह प्रधान प्रतिनिधि मुल्तानीपुर, कुवंर बहादुर सिंह प्रधान सँड़वा दुबान,मनोज सिंह पूर्व प्रधान देवली,राम अँजोर पाल प्रधान प्रतिनिधि तिना,संतोष जायसवाल प्रधान प्रतिनिधि कोठार मंगोलपुर ,श्यामजी जायसवाल प्रधान प्रतिनिधि सागरासुंदरपुर, नीतेश सिंह प्रधान हन्डौर, विष्णु प्रताप सिंह,मथुरा प्रसाद यादव प्रधान बासूपुर,डॉ0रामकरन यादव,अजय सोनी,ओम प्रसाद मिश्र,शैलेंद्र सिंह चंदापुर, प्रहलाद मोदनवाल,रणधीर सिंह चौहान,दिनेश तिवारी लीलापुर आदि प्रमुख है।

बिना समतलीकरण के ही प्रधान और ग्राम पंचायत अधिकारी ने लाखों का किया वारा न्यारा

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। विकास खंड लक्ष्मणपुर की रावतपुर ग्राम पंचायत की प्रधान शकुन्तला और ग्राम पंचायत अधिकारी बविता यादव ने बिना समतलीकरण करवाए ही लाखों रुपए निकाल लिए। एक दूसरे व्यक्ति संजय पाण्डेय का भी मास्टर रोल तैयार करवाकर समतलीकरण के लिए भेजा गया है।ग्रामीणों का आरोप है जिन लोगों केसमतलीकरण का रुपया खारिज किया गया है उनके पास समतलीकरण योग्य न तो भूमि है और न ही उनके खेत का समतलीकरण किया गया है।इसके बावजूद रेनू यादव के खेत के समतलीकरण का 62832 रुपए ग्राम प्रधान एवं ग्राम पंचायत अधिकारी ने खारिज कर लिया है तो राजकुमार यादव के खेत के समतलीकरण का56100 रुपए खारिज किया गया है। ग्रामीणों का आरोप है कि संजय पाण्डेय के खेत के समतलीकरण का भी मास्टर रोल भेजकर वह धन भी प्रधानजी डकारना चाहती हैं। इस तरह शासन के धन को इस ग्राम पंचायत में ग्राम प्रधान एवं ग्राम पंचायत अधिकारी द्वारा डकारा जा रहा है।ग्राम पंचायत में तमाम ऐसे काम के नाम पर फर्जी धन का आहरण करके न केवल शासन के धन पर डाका डाला जा रहा है बल्कि ग्राम पंचायत के पात्र व्यक्तियों के अधिकारों का खुलेआम हनन किया जा रहा है। ग्राम प्रधान को बार-बार फोन करने पर न तो वह फोन रिसीव करती हैं और उत्तर देने के लिए वह अपने घर पर मिलने से इंकार कर देती हैं।उनके एक प्रतिनिधि कहे जाने वाले ओमप्रकाश सरोज जो मान्धाता ब्लॉक में ग्राम पंचायत अधिकारी के पद पर तैनात हैं जो इसी तरह के कार्य करने के लिए काफी चर्चित हैंवह कक्षा पाँच पास प्रधान शकुंतला के बदले खुद ही प्रधान बन बैठे हैं।एक जगह ग्राम पंचायत अधिकारी के पद पर तैनात हैं तो दूसरी जगह सरकारी सेवा नियमावली का उल्लंघन करते हुए प्रधानी कर रहे हैं जिसे उन्होंने स्वीकार भी किया है। जिले में इस तरह के कार्य करने के लिए वह काफी चर्चित ग्राम पंचायत अधिकारी माने जाते हैं। उनका कहना है कि ग्रामीणों का आरोप सही नहीं है।फिलहाल यह जाँच का विषय है।देखना है कि जाँच में क्या सही और क्या गलत निकलता है लेकिन ग्रामीणों के अनुसार बिना समतलीकरण के ही धन का हरण किया गया है। इस बात को ग्राम पंचायत अधिकारी रावतपुर ने कुछ लोगों से फोन वार्ता पर स्वीकार किया है। इस तरह की लूट खसोट से शासन के धन का बुरी तरह दुरुपयोग हो रहा है और ऐसे अधिकारियों एवं प्रधानों के विरुद्ध कार्यवाही न होने से उनके मनोबल दिनों दिन बढ़ते जा रहे हैं।

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र, प्रयागराज

भारत सरकार की कौशल विकास योजना में अगस्त 2021 से प्रारम्भ हो रहे सत्र के लिए निम्नलिखित ट्रेडों में दाखिले के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं। ट्रेड प्रवेश योग्यता तथा प्रस्तुत विभिन्न पाठ्यक्रमों की अवधि इस प्रकार है-

क0सं0	ट्रेड का नाम	ट्रेड की अवधि	योग्यता
1.	कोपा	1 वर्ष	12वीं पास
2.	फिटर	2 वर्ष	10वीं पास
3.	बेसिक कम्प्युटिंग	6 माह	साक्षर
4.	डाटा इंट्री ऑपरेटर	6 माह	10वीं पास
5.	फायर प्रिवेन्शन एण्ड इंडस्ट्रियल सेफ्टी	6 माह	8वीं पास
6.	सेक्योरिटी सर्विस	6 माह	8वीं पास
7.	कम्प्यूटर हार्डवेयर एण्ड एसेम्बली	1 वर्ष	10वीं पास
8.	सर्टिफिकेट इन कम्प्युटर एप्लीकेशन	1 वर्ष	10वीं पास
9.	इलेक्ट्रिकल टेक्निशियन्स	1 वर्ष	8वीं पास
10.	रेफरिजरेटर एण्ड एयर कन्डिसनिंग	1 वर्ष	8वीं पास
11.	योगा असिस्टेन्ट	1 वर्ष	10वीं पास
12.	वेल्डिंग टेक्नोलॉजी	1 वर्ष	8वीं पास
13.	कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग कोर्स	1 वर्ष	10वीं पास

1.प्रमाण पत्रः- सफल प्रशिक्षणार्थियों को भारत सरकार द्वारा प्रमाणपत्र दिए जाते है, जो केंन्द्रीय सरकार एवं राज्य सरकार के अधीनस्थ पद एवं सेवा में भर्ती के लिए मान्य है। **2.चयन की प्रक्रियाः-** इस वर्ष कोविड-19 महामारी के चलते सभी सीटों पर दाखिले पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर किये जायेंगे। **3.आयु सीमाः-** उम्मीदवारों की आयु 1 अगस्त 2021 को न्यूनतम 14 वर्ष से अधिक होनी चाहिए। **4.आवेदन कैसे करेः-** आवेदन फॉर्म संस्थान की वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन भरे जा सकते हैं तथा संस्थान के कार्यालय से निःशुल्क भी प्राप्त किया जा सकता है। **5.**आवेदन फॉर्म भरते समय पंजीकरण शुल्क रूपये 2665/- का भी देय होगा। **6.कक्षायें/उपस्थितिः-** छात्रों की उपस्थिति में दो भाग शामिल है- थ्योरी क्लास और ट्रेनिंग इस वर्ष कोविड-19 स्थिति के कारण सभी छात्र संस्थान द्वारा आयोजित ऑनलाइन कक्षाओं में भाग लेंगे तथा उसके लिए संस्थान में छात्रों की भौतिक उपस्थिती की अनिवार्यता नहीं है, जब तक कोविड-19 की वर्तमान स्थिति समाप्त नहीं हो जाती है। प्रशिक्षण के लिए छात्रो को प्रधानाचार्य की अनूमति के साथ, अपने सम्बंधित मूल स्थानों पर प्रशिक्षण पूरा करने की अनुमति है। परीक्षा के समय छात्रों की उपस्थिति अनिवार्य होगी। **7.छात्रवृत्तिः-** दाखिले के उपरांत शुल्क प्रतिपूर्ति के लिए सभी ट्रेडों में आरक्षित श्रेणी के अभ्यर्थी, जिनके पास आय प्रमाण पत्र एवं सम्बन्धित दस्तावेज मौजूद हो वे सभी भारत सरकार की छात्रवृत्ति योजनाओं में आवेदन कर सकते है। **8.** अधिक जानकारी के लिए संस्थान की वेबसाइटः- **www.nainiiti.com** देखें। **9.दाखिले की अंतिम तिथिः-** 15 फरवरी 2022

सम्पर्क सूत्र :- 0532-2695959, 9415608710, 9807278552, 9415608790

यूपी चुनाव 2022 : बलिया में नामांकन करने के लिए कक्ष तक दौड़ते हुए पहुंचे मंत्री उपेंद्र तिवारी

बलिया। यूपी विधान सभा चुनाव 2022 के छठवें चरण का नामांकन शुक्रवार से शुरू हो गया। कलेक्ट्रेट परिसर में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। पहले दिन फेफना विधान सभा से भाजपा उम्मीदवार उपेंद्र तिवारी नामांकन कक्ष में प्रत्याशी के साथ सिर्फ दो लोगों के जाने की इजाजत थी। जुलूस पर पूरी तरह रोक थी, लेकिन कलेक्ट्रेट तक प्रत्याशी भीड़ लेकर ही पहुंचे थे। कोरोना गाइडलाइन का पालन कराने के क्रम में प्रशासन की ओर से कलेक्ट्रेट

और बिल्थरारोड विधान सभा से भाजपा उम्मीदवार छटू राम ने नामांकन किया। मंत्री उपेंद्र को क्षेत्र में घूमने के कारण देर हो चुकी थी। वह 2 बजकर 55 मिनट पर कलेक्ट्रेट के गेट पर पहुंचे। यहां से दौड़ते हुए नामांकन कक्ष तक पहुंचे। मंत्री उपेंद्र तिवारी के साथ सांसद वीरेंद्र सिंह मस्त और राज्य सभा सदस्य नीरज शेखर रहे, जबकि छटू राम के साथ सलेमपुर के सांसद रविंद्र कुशवाहा नामांकन कराने साथ पहुंचे। के गेट पर ही चेकिंग का इंतजाम किया गया था। बिल्थरारोड विधानसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी छटू राम ने शुक्रवार को माता-पिता का आशीर्वाद लेकर जिला मुख्यालय के लिए निकले। चौकिया मोड़ पर भाजपा नेताओं ने जय श्रीराम के नारे लगाए। सांसद रविन्द्र कुशवाहा, नगर पंचायत चेयरमैन दिनेश गुप्ता और भाजपा पदाधिकारियों के साथ चौकिया मोड़ पर बाबा साहब को माल्यार्पण किया और मालीपुरा नगरा के रास्ते बलिया के लिए रवाना हुए। फेफना विधानसभा से मंदिरों में मत्था टेक मंत्री उपेंद्र तिवारी नामांकन के लिए निकले। उजियार, भरौली, सोहांव, बसंतपुर सुरही लक्ष्मणपुर आदि जगहों पर समर्थक हाथों में माला फूल लिए उनके स्वागत को कतारबद्ध दिखाई दिए। फेफना तिराहे पर कार्यकताओं ने नारेबाजी करते हुए फुल मालाओं से स्वागत किया। फेफना विधान सभा क्षेत्र से भाजपा से नामांकन किए मंत्री उपेंद्र तिवारी के पास 2.85 करोड़ रुपये की चल व अचल संपत्ति है, वहीं 92.80 लाख रुपये की देयता है। उनकी पतने दीपिका तिवारी के पास 2.95 करोड़ की संपत्ति है जबकि उन पर 2.16 करोड़ की देयता है। मंत्री की पतने के नाम पर एक पिस्टल भी है। एक क्वालिस गाड़ी है। शपथ पत्र में मंत्री ने सभी तरह की संपत्ति का दर्शाया है। मंत्री ने अपनी शैक्षणिक योग्यता सनतकोत्तर बतायी है। बेल्थरारोड विधान सभा क्षेत्र के भाजपा से नामांकन किए छटू राम के पास 491600 संपत्ति है। इनकी पतने रीता देवी के पास 351370 रुपये की चल-अचल संपत्ति है। पतने पर 304166 रुपये की देयता है। नामांकन के दौरान छटू राम की ओर से शपथ पत्र में शिक्षा सनतकोत्तर बतायी गई है।

BHU स्थापना दिवस पर दान की नई परंपरा, 'प्रतिदान 2022: महामना वार्षिक निधि' से बीएचयू होगा समृद्ध

वाराणसी। पं. महामना मदन मोहन मालवीय की बगिया काशी हिन्दू विश्वविद्यालय की स्थापना आज से 106 वर्ष पूर्व हुई तो किसने सोचा था कि दान के बुनियाद पर शुरू होने वाला यह संस्थान एक दिन वैश्विक स्तर पर अपनी सफलता का झंडा गाड़ेगा। आज परंपरा को एक जीवंत सम्मान स्वरूप, कुलपति प्रो. सुधीर कुमार जैन ने महामना की परंपरा को गति देते हुए प्रतिदीन 202 महामना वार्षिक निधिङ्क नामक आर्थिक योगदान अभियान की शुरुआत की है। वहीं बीएचयू के स्थापना दिवस व वसंत पंचमी के अवसर पर विश्वविद्यालय के संस्थापकों एवं लोकोपकार की उनकी गौरवशाली परंपरा को एक जीवंत सम्मान स्वरूप, कुलपति प्रो. सुधीर कुमार जैन ने 106वें स्थापना दिवस पर कुलपति सुधीर कुमार जैन ने महामना वार्षिक कोष 'प्रतिदान' लांच किया। इसमें पूर्व छात्रों व समाज को योग्यता, उपलब्धि या आर्थिक स्थिति के आधार पर छात्रवृत्ति दी जाएगी। उन्होंने बीएचयू के विकास और विश्व के सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालयों की श्रेणी में शामिल कराने का संकल्प जताया। इस अभियान को संस्थापक महामना पं. मदन मोहन मालवीय की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि बताया। स्थापना दिवस पर विश्वविद्यालय के केंद्रीय कार्यालय सभागार में बताया कि किसी भी विश्वविद्यालय की वास्तविक पूंजी वहां के प्रतिभाशाली छात्र, प्राध्यापकों व छात्रों के शोध होते हैं। इन्हीं के आधार पर विश्वविद्यालय आगे बढ़ता है। बीएचयू में आने वाली प्रतिभा अर्थाभाव में कुंठित न हो, इसका पूरा ध्यान रखा जाएगा। गरीब छात्रों की भी मदद की जाएगी। सहयोग करें और अपने प्रियजनों के नाम से शोधपीठ स्थापित कराएं : कुलपति ने कहा कि जन सहयोग से उनके अथवा उनके प्रियजन के नाम पर शोध के लिए विश्वविद्यालय में पीठ स्थापित की जाएगी। इसके लिए प्रतिदान कोष में जनसहयोग का आह्वान किया जा रहा है। बीएचयू की टीम ने अब तक 70 हजार पूर्व छात्रों का ई-मेल एड्रेस एकत्र कर लिया है। उनसे व विश्वविद्यालय के अन्य शुभेच्छुओं से भी संपर्क किया जा रहा है। दानकर्ताओं के पास अपनी रुचि के कार्यक्रमों के लिए वित्तीय सहायता का विकल्प होगा। दानराशि आयकर नियमावली की धारा 80जी के तहत पूर्णतया कर मुक्त होगी। पांच रुपये तक का भी सहयोग स्वीकार्य : विश्वविद्यालय के विकास में भागीदार बनने के इच्छुक पुरा छात्रों, शुभचिंतकों व दानकर्ताओं की सहूलियत के लिए काशी हिन्दू विश्वविद्यालय ने प्रतिदान के लिए एक नया बैंक खाता खुलवाया है। इसमें कोई भी आर्थिक योगदान दे सकता है। विश्वविद्यालय पांच रुपये से लेकर पांच लाख या उससे अधिक का दान स्वीकार करेगा। लिंक पर क्लिक कर भी दान एवं योगदान कर सकते है। छात्रवृत्ति के लिए 150 करोड़ जुटाने का लक्ष्य : कुलपति एसके जैन ने बताया कि लगभग 3000 छात्रों को छात्रवृत्ति देने के लिए पांच लाख रुपये प्रति छात्र के हिसाब से न्यूनतम योगदान की आवश्यकता होगी। इस तरह से 150 करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य रखा गया है। जबकि पीठ की स्थापना के लिए 60 लाख रुपये के प्रतिदान की आवश्यकता होगी।

बीएचयू और यहां का अस्पताल देश के शीर्ष संस्थानों में अपनी पहचान दर्ज कर चुका है। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय अपनी स्थापना के 106 वर्ष पूरे कर रहा है। ऐसे में विश्वविद्यालय के संस्थापकों एवं लोकोपकार की उनकी गौरवशाली कुलपति ने स्थापना स्थल पर पूजन किया और स्थापना दिवस पर सभी को शुभकामनाएं भी दी है। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय अपनी स्थापना के 106 वर्ष पूरे कर रहा है। के हर वर्ग के लोगों से स्वेच्छया दान का आह्वान किया। कहा सर्व सहयोग से एकत्र कोष से विश्वविद्यालय प्रतिवर्ष लगभग 10 फीसद यानी करीब 3000 छात्रों

प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री पर अमर्यादित टिप्पणी हार की आशंका- रविशंकर सिंह

(आधुनिक समाचार सेवा)
देवभूषण कन्नौजिया

पिंडरा। प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री पर विवादित बयान देने के मामले में पिंडरा से कांग्रेस प्रत्याशी अजय राय के खिलाफ फूलपुर थाने में शनिवार को राजद्रोह का मुकदमा दर्ज किया गया। पिंडरा ब्लाक प्रमुख संरक्षक भाजपा नेता रविशंकर सिंह ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान बताया कि कांग्रेस प्रत्याशी पूर्व विधायक अजय राय का प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री पर अमर्यादित टिप्पणी उनके हताशा एवं हार की आशंका को दर्शाता है।विधानसभा चुनावों में कांग्रेस की हालत खराब है और इससे कांग्रेसी नेता बौखला गए है। जब भी कांग्रेस को लगता है कि वो चुनाव में जीत नहीं पाएगी तो उसके नेता इसी तरह आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल करते है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में देश और प्रदेश विकास की नई ऊंचाइयां छू रहा है। विकास के दम पर 2022 में पुनः भाजपा की सरकार बनेगी।

सेंट जेवियर्स स्कूल मे श्रद्धाभाव से पूजी गयी ज्ञान की देवी मां सरस्वती

(आधुनिक समाचार सेवा)
शीतल प्रसाद गुप्त

बलिया। जिले के सीमावर्ती मऊ-देवरिया-बलिया, बिल्थरारोड -पिपरौली-बड़ागांव स्थित सेंट जेवियर्स स्कूल मे विधि-विधान के साथ बसंत पंचमी का उत्सव आंनद से मनाया गया। स्कूल के प्रिंसिपल डा0जेआर0 मिला, सहायक प्रिंसिपल श्रीमती शीला मिश्रा सहित सभी लोगो ने माँ सरस्वती को पुष्पांजलि अर्पित कर सबके कल्याण की प्रार्थना की। स्कूल का स्टेज परिसर माँ सरस्वती के स्वागत के लिए सुरुचिपूर्ण ढंग से सजाया गया।वैदिक मंत्रों से माँ सरस्वती की मूर्ति स्थापित की गई।माँ सरस्वती का विविध अलंकरणों से सुसज्जित करके उनको अनेक भोग

सामग्री भेंट की गई। बच्चों ने मां सरस्वती की प्रतिमा के पास पेन, कापी पुस्तक रखकर पूजन अर्चन किया और मत्था टेक कर विद्या, बुद्धि, ज्ञान के लिए आशीर्वाद मांगा।

बलिया में बैरिया से भाजपा विधायक सुरेंद्र सिंह बोले - 'टिकट कटा तो क्या हुआ, लडूंगा चुनाव'

बलिया। देर रात भाजपा की ओर से टिकट के निर्णय के बाद बलिया जिले में भाजपा कार्यकर्ता दो फाड़ हो गए है। बैरिया से मंत्री आनंद को टिकट मिलने के बाद इंटरनेट मीडिया पर भाजपा कार्यकर्ताओं का विरोध शुरू हो गया है और यहां से सुरेंद्र सिंह को ही चुनाव लड़ने की अपील कर रहे है। इस लिहाज से देखा जाए तो बागी बलिया में एक बार फिर से सियासी बगावत के स्वर ऊंचे हो रहे है। भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने बैरिया में सीटिंग विधायक सुरेंद्र सिंह का टिकट काट दिया है। यहां से मंत्री आनंद स्वरूप शुक्ल को टिकट दिया है। पार्टी के इस निणय के बाद बैरिया में भाजपा कार्यकर्ता दो फाड़ होते दिख रहे है। उधर विधायक सुरेंद्र सिंह ने भी चुनाव लड़ने का एलान कर दिया है। इंटरनेट मीडिया पर उनके समर्थक इसके लिए मुहीम चलाने लगे है। इस विधान सभा में टिकट के दौड़ में और भी कई लोग शामिल थे, लेकिन पार्टी ने जातिगत समीकरण साधने के लिहाज से मंत्री व बलिया नगर सीट के विधायक आनंद स्वरूप शुक्ल

को स्थान परिवर्तन कर बैरिया से टिकट दिया। बलिया नगर सीट पर दयाशंकर सिंह के आने से भी राजनीतिक हलचल तेज हो चली है। बैरिया और बलिया नगर में अब सपा कौन सा दांव चलेगी, इस पर सभी की नजर टिकी है। 2017 के चुनाव में भाजपा के सुरेंद्र सिंह को 64868 वोट मिले थे। दूसरे नंबर पर सपा के जयप्रकाश अंचल को 47791 और बसपा के जवाहर को 27974 वोट मिले थे। बलिया में हमेशा चर्चित रहा है बैरिया : जिले के सातों विधान सभा में बैरिया हमेशा चर्चा में रहा है। सुरेंद्र सिंह के कई विवादिन बयान सुर्खियों में रहे है। सांसद वीरेंद्र मस्त से भी उनकी अनबन थी। यह विरोध मंच से भी कई बार सर्वजनिक हो चुके है। दुर्जनपुर में गोली कांड के समय भी विधायक सुरेंद्र सिंह काफी चर्चा में आए थे टकट कटने के बाद विधायक सुरेंद्र सिंह से बात करने पर उन्होंने कहा कि पार्टी ने टिकट काट दिया तो क्या हुआ। मै जनता के दिलों में रहता हूं। विधायक जनता बनाती है। आपदा की हर घड़ी में मै जनता के साथ रहा हूं। पार्टी के ही कुछ लोग मेरा विरोध कर रहे थे। इसके पीछे कारण यह था कि मै उनकी कारगुजारियों को खुले मंच पर लाने का कार्य किया। मै दमदारी से चुनाव लडूंगा और दोबारा विधायक भी बनूंगा।

होम्योपैथिक अस्पताल में निर्माण कार्य के चलते मरीजों को हो रही है असुविधा

मरीजों को हर हाल में दवा से इलाज कर मुक्त कराएंगे- वरिष्ठ चिकित्सा डॉक्टर जितेंद्र सिंह

(आधुनिक समाचार सेवा)
सर्वेश कुमार यश

हरहुआ/वाराणसी- विकास खंड के हरहुआ ग्राम पंचायत मन्सापुर में बना होम्योपैथिक

अस्पताल संचालित है। जहां प्रतिदिन दौ सौ के लगभग रोगियों का इलाज प्रतिदिन होता है। परंतु निर्माण कार्य के चलते चिकित्सालय सुचारू रूप से संचालित नहीं हो पा रहा है। होम्योपैथिक के वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी जितेंद्र सिंह ने बताया कि जल्द ही दो-तीन दिनों के अंदर चिकित्सा व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित होगी। इसके बावजूद भी समस्त चिकित्सा कर्मी जल्द से जल्द सुचारू व्यवस्था ढंग से चालू करने का प्रयास करें। आवश्यक रोगियों को दवाइयां असुविधा के चलते भी दवाइयां व इलाज चल रहा।

यूपी विधानसभा चुनाव 2022 : वाराणसी में गोमती किनारे बदलते गए विधायक लेकिन नहीं बन सकी सड़क

वाराणसी। आजादी के बाद भी कई गांवों तक पक्की सड़कों का जाल नहीं बिछ सका है। बारिश सड़क वाली डगर को डगर डगर भटक कर निराश हो चुके हैं गोमती नदी के तट पर वाराणसी -चौबेपुर

होने पर कीचड़ और जलजमाव के बीच लोगों का आवागमन काफी चुनौतीपूर्ण हो जाता है। सियासत की डगर पर वोटरों की चुपी भी इन्हीं राहों पर नजर आती है। कुछ ऐसा ही हाल वाराणसी में गोमती नदी के तट पर मौजूद गांव धौरहरा और भगवानपुर का नजर आता है। यहां गांव के लोग विकास की पक्की मार्ग के लिंक रोड पर बसे धौरहरा व भगवानपुर गांव के लोग गत 20 साल से सड़क बनने की ताक में है। इस गांव में विधायक तो बदलते गए लेकिन सैकड़ों घरों को जोड़ने वाली धौरहरा- भगवानपुर मार्ग नहीं बना जिससे इन गांव के लोगों में जनप्रतिनिधियों में आक्रोश व नाराजगी है। पूरे बनारस में चर्चित धौरहरा गांव को तीन एमएलसी देने का श्रेय भी है। इसी गांव से दिवंगत उदयभान सिंह उर्फ चुलबुल सिंह, एमएलसी बृजेश सिंह व उनकी पतने अनन्पूर्णा सिंह हैं। गांव के आशीष सिंह, गुलाब शर्मा, हरिशंकर सिंह व नन्हे सिंह कहते हैं कि गांव में आने वाले हर विधायक व जनप्रतिनिधि से धौरहरा-भगवानपुर मार्ग को बनवाने के लिए कहा गया लेकिन किसी ने सुधि नहीं ली 20 साल पहले विधायक राजनाथ यादव ने इस मार्ग को बनवाया था। भगवानपुर गांव के भगेलू पाल, कपिलदेव पाल कहते हैं कि हर बार चुनाव में इस आस में नेताओं को वोट दिया जाता है कि विधायक बनने के बाद शायद यह मार्ग बन जाए लेकिन वर्षो से केवल यह उम्मीद भर बनकर रह गई है। करीब पांच सौ मीटर की इस सड़क पर बरसात होने के साथ ही दुश्वारियों की बाढ़ आ जाती है। सड़क निर्माण को लेकर ग्रामीणों ने मांग की है। दुश्वारियों से राजनीतिक दलों के लोगों से गुहार लगा रहे है। हालांकि, लोगों के बीच पक्की सड़क भी यहां पर चुनावी मुद्दा बना नजर आता है।

वैलेंटाइन वीक पर हिंदू संगठनों की भी नजर, तोहफे भेजें संभलकर, अपना सकते हैं आनलाइन उपाय

वाराणसी। प्रेमियों का बहुप्रतीक्षित एग्जाम डेट शीट यानि वैलेंटाइन वीक आ गया है। कुल आठ दिनों के इस वैलेंटाइन वीक में क्रमशः रोज डे, प्रपोज डे, चॉकलेट डे, टेडी डे, प्रॉमिस डे, किस डे, हग डे, वैलेंटाइन डे को मनाया जाता है। प्रेमियों के बीच साल भर इस विदेशी रीति रिवाज वाले प्रेम के सप्ताह की शुरूआत सात फरवरी से होती है। संत वैलेंटाइन की याद में मनाया जाने वाला वैलेंटाइन सप्ताह अब देश में एक बड़ा आर्थिक बाजार भी बन चुका है। अब दुकानों पर प्रेमियों की भीड़ कम और आनलाइन कारोबारियों की पौ बारह अधिक नजर आ रहा है। अमूमन हिंदूवादी संगठनों की सक्रियता की वजह से भी प्रेमी प्रेमिका बेइज्जती के डर से बाहर नहीं निकलते है। प्रेमियों के बीच अब पकड़े जाने और इंटरनेट मीडिया में तस्वीर या वीडियो वायरल होने के खतरों के बीच इस दिन की दहशत भी कम नहीं है। ऐसे में प्रेमियों के मिलने और एक दूसरे को तोहफे भेजने के लिए आनलाइन प्लेटफार्म भी बेहतर विकल्प पेश कर रहे है। दूसरी ओर फूल विक्रेता भी फूलों को लेकर मांग के अनुरूप ही अपनी बुकिंग ले रहे है। कारोबारियों के अनुसार मौसम अनुकूल होने की वजह से फूलों के भावों में कोई खास बदलाव नहीं हुआ है। लाल गुलाब दस रुपये से लेकर 25 रुपये तक उपलब्ध है। जबकि अमूमन इसी के इर्द गिर्द पीले और सफेद गुलाब के भी भाव बने हुए है। गुलाब के गुलदस्ते दो सौ से लेकर दो हजार ही नहीं बल्कि 25 हजार रुपये तक आनलाइन से लेकर आफलाइन तक उपलब्ध है। हालांकि, मध्यम बजट के हिसाब से फूल और चाकलेट के साथ टेडी बियर भी पैकेज में उपलब्ध है। मांग के अनुरूप इसमें बदलाव और कार्ड को भी जोड़ने का अतिरिक्त चार्ज है। वहीं आर्चीज गैलरी में भी प्रेमी युगलों की खरीदारी शुरू हो चुकी है। यहां भी कार्ड 50 रुपये से लेकर हजार रुपये तक आसानी से उपलब्ध है। आनलाइन का बड़ा बाजार : फर्न्स एंड पेटल्स सरीखे कुछ और भी एप है जो प्रेमियों के बीच खासा लोकप्रिय है और यहां से अपने प्रेमी या प्रेमिकाओं को तोहफे भेजने पर आपको खुद जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। अपने समवन स्पेशल को तोहफे भेजने के लिए इस प्लेटफार्म पर जाकर दिन के हिसाब से तोहफे चयन करने के बाद एड्रेस और समय तय करना होगा। इसके अनुरूप ही देश भर में इस प्लेटफार्म से जुड़े आउटलेट उसी समय पर तय पते पर पेमेंट के बाद आर्डर बुक कर लेंगे। इसके बाद तय दिन और समय पर तोहफे आपके चयनित प्रेमी या प्रेमिका की चौखट पर दस्तक देगा और आप समय से तोहफे भेज और प्राप्त कर सकते हैं। ऐसे प्लेटफार्म पर फर्क यह नहीं पड़ता कि आपका समवन स्पेशल आपके शहर में है या किसी दूसरे राज्य में।

वाराणसी में विवाद के बाद पत्नी मायके गई तो वियोग में युवक ने फांसी लगा कर दे दी जान

वाराणसी। जिले में पत्नी के वियोग में पति द्वारा फांसी लगाने की घटना सामने आई है। फांसी लगाने की जानकारी होने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को

पोटमार्टम के लिए भेजने के साथ ही जांच पड़ताल शुरू कर दी। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार युवक की पत्नी विवाद करने के बाद मायके चली गई थी और इसके बाद वियोग न सह पाने की वजह से पत्नी के वियोग में युवक ने फांसी लगा ली। वहीं फंदे से लटकता शव मिलने के बाद लोगों ने पुलिस को सूचना दी तो मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल शुरू कर दी। परिजनों के अनुसार सारनाथ में पत्नी वियोग में रविवार की रात एक युवक ने फांसी लगाकर जान दे दी। वहीं सुबह मामले की जानकारी होने के बाद पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया। पूरी घटना सारनाथ के टडिया चक बीही पुराना पुल क्षेत्र की है। इस बाबत स्वजन के अनुसार युवक की शादी लगभग एक साल पूर्व ही हुई थी। बीते दिनों किसी बात को लेकर दंपती में आपस में विवाद हुआ था। विवाद के बाद दोनों में अनबन चल रही थी।

उत्तर प्रदेश में चुनावी घमासान के बीच अफसरों और कर्मचारियों की आमदनी पर शासन की नजर

वाराणसी। विधानसभा चुनाव को लेकर पूरे प्रदेश में घमासान मचा हुआ। इधर शासन ने आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने वाले अधिकारियों व कर्मचारियों की आमदनी को लेकर पूरा ब्यौरा मांगा है। हालांकि सभी ईटीआर भरते हैं बावजूद एक प्रोफार्मा जारी कर संपूर्ण ब्यौरा मांगा है। साथ ही जिलाधिकारी को यह भी निर्देश दिया है कि पिछले तीन साल में आमदनी से अधिक धन संग्रह करने वाले व जमीन क्रय करने वाले अधिकारियों व कर्मचारियों की अलग से सूची बनाकर जांच भी कराई जाए। शिक्षा व राजस्व पर सर्वाधिक नजर : की सर्वाधिक नजर है। बताया जा रहा है कि शिक्षा विभाग के कर्मचारियों को लेकर ज्यादा शिकायते भी आती हैं। इससे पूर्व भी जिले स्तर पर शिक्षा, राजस्व, पालिका , आरटीओ, आबकारी समेत दर्जनों विभाग के कर्मचारियों को सूचीबद्ध किया गया था।

कोयला लदे ट्रेलर ने साईकिल सवार को मारी जोरदार टक्कर हुई मौत

(आधुनिक समाचार सेवा)
शैलेन्द्र कुमार

बीना (सोनभद्र)। शक्तिनगर की तरफ से अनपरा की ओर कोयला लेकर जा रहे ट्रेलर ने बीना चौकी क्षेत्र अंतर्गत वाराणसी शक्तिनगर मुख्य मार्ग पर कोहरौलिया समीप एक साइकिल सवार को जोरदार टक्कर मार दिया, जिससे साइकिल सवार की मौके पर मौत हो गई और ट्रेलर चालक गाड़ी छोड़ मौके से फरार हो गया। घटना की जानकारी होते ही बीना चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर संजीवनी चिकित्सालय पहुंचाया। वहीं मौके पर पहुंचे मृतक के परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल रहा और घटना से गुस्साए ग्रामीणों ने मुख्य मार्ग पर बैठकर विरोध प्रदर्शन करते हुए जाम लगा दिया। घटना के प्रत्यक्षदर्शी जयदीप कश्यप ने बताया कि साइकिल सवार शेषमन भारती पुत्र स्वर्गीय गिरधारी भारती उम्र 65 वर्ष निवासी कोहरौलिया को ट्रेलर नंबर यूपी 64 एच 8355 ने पीछे से जोरदार टक्कर मार दिया। जिससे साईकिल सवार शेषमन भारती की मौके पर ही मौत हो गई और ट्रेलर चालक मौके से फ़रार हो गया। घटना से गुस्साए ग्रामीणों ने कोहरौलिया ग्राम प्रधान प्रतिनिधि चंदन कुमार की उपस्थिति में वाराणसी शक्तिनगर मुख्य मार्ग पर जाम लगाते हुए ट्रेलर मालिक

व चालक को मौके पर बुलाने की जिद पर अड़े रहे। मौके पर ग्रामीणों की भारी संख्या बल को नियंत्रित करने हेतु शक्तिनगर थाना प्रभारी निरीक्षक मिथिलेश कुमार मिश्रा, अनपरा थाना प्रभारी श्रीकांत राय, रेनूसागर चौकी प्रभारी राजेश प्रताप सिंह सहित भारी संख्या में पुलिस बल उपस्थित रहा। प्रशासन के समझाने बुझाने पर ग्रामीणों ने भारी जाम के बीच आम जनता को सहूलियत देते हुए यात्रा का परमिशन तो दिया लेकिन एनसीएल के विभिन्न खदानों में चलने वाली ट्रेलरों व गाडियों को रोकने पर उतारू रहे।

दर्शनार्थियों से भरी ट्राली पलटी, एक की मौत

मीरजापुर। की सुबह हीच टूट जाने से ट्रैक्टर अलग होने के बाद दर्शनार्थियों से भरी ट्राली अनियंत्रित

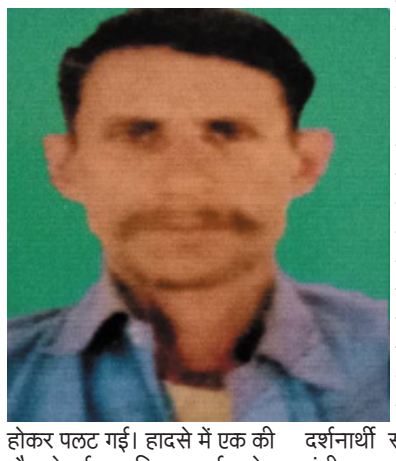

होकर पलट गई। हादसे में एक की मौत हो गई। जबकि एक दर्जन लोग घायल हो गए। घायलों को सीएचसी अहरौरा में भर्ती कराया गया है। सभी बिहार के गुप्ता धाम दर्शन-पूजन कर वापस लौट रहे थे। शुक्रवार को मलखान राम (50) पुत्र लल्लाराम पत्नी को साथ लेकर वनइमिलिया गांव से 30 लोगों के साथ ट्रैक्टर से गुप्ता धाम दर्शन-पूजन के लिए निकले थे। सभी दर्शन-पूजन कर वापस लौट रहे थे। रविवार सुबह जैसे ही ट्रैक्टर भगौतीदेइ गांव के पास पहुंचा तभी ट्राली को जोड़ने वाला हीच टूट गया, इससे ट्राली ट्रैक्टर से अलग होकर पलट गई। ट्राली पलटने के दौरान उसपर सवार अन्य दर्शनार्थी सड़क किनारे गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं मलखान राम व रामसुरेश (40) ट्राली के नीचे दब गए। चीख पुकार सुनकर आसपास के ग्रामीण पहुंचे और ट्राली को सीधा कराकर दोनों को बाहर निकालने के बाद सीएचसी अहरौरा पहुंचाया। वहीं चिकित्सकों ने माखन को मृत घोषित कर दिया जबकि रामसुरेश को वाराणसी के ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया। अन्य घायलों को उपचार के बाद भेजा गया। थानाध्यक्ष संजय सिंह ने बताया कि शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मामले की जांच की जा रही है। महज दस किलोमीटर की दूरी रह गई थी शेष चुनार के बहेरा गांव से गुप्ता धाम 150 किलोमीटर दूर है। ट्रैक्टर से 140 किलोमीटर की दूरी आसानी से तय हो गई थी। वापस लौटते समय घर से महज दस किलोमीटर पहले ही ट्रैक्टर का हीच टूट गया और ट्राली पलट गई। इससे हादसा हो गया। मृतक को पांच लड़कियां व एक लड़का है। मृतक खेती-बाड़ी कर परिवार का भरण-पोषण करता था।

बारिश ने किसानों की उम्मीदों पर फेरा पानी, आढ़तिया मालामाल

सीखड़ (मीरजापुर) । पिछले दिनों हुई बारिश ने क्षेत्र में टमाटर की फसल को नुकसान पहुंचाया है। बारिश के कारण खेतों में आई नमी से टमाटर की फलियां सड़ना शुरू हो गई हैं। अभी मौसम का मिजाज दुरुस्त होने के कोई आसार न देख टमाटर की खेती करने वाले किसान मायूस हैं। एक जनपद-एक उत्पाद के तहत चयनित टमाटर की खेती क्षेत्र में बड़े पैमाने पर की जाती है। अपने बलबूते बिना किसी सरकारी सहायता के टमाटर की खेती करने वाले किसानों को इस वर्ष नर्सरी डालने के समय से ही दुश्वारियों का सामना करना पड़ रहा है। नर्सरी डालने के बाद ही आई बाढ़ के कारण ज्यादातर पौध बर्बाद हो गए। नर्सरी बचाने की तमाम जद्दोजहद के बाद 80 फीसद नर्सरी बर्बाद हो गई। उसके बाद फिर से नर्सरी तैयार की गई। खेतों किसानों को खामियाजा भुगतना पड़ा। जब फलियों का उत्पादन अपनी राह पकड़ना शुरू किया तो बारिश ने किसानों की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। राजाराम, नौलखा निषाद, कलंदर निषाद, दशरथ आदि किसानों ने कहा कि फलियों को बचाने के लिए कीचड़ भरे खेतों में कच्ची-पक्की जैसे भी है, तोड़कर औने-पौने दाम में बेचने को विवश हैं।

ड्रमंडगंज घाटी में उजागर हो रही इंजीनियरिग खामियां

लालगंज (मीरजापुर) । यात्री व वाहन चालक कृपया सावधान हो जाएं। यह स्लोगन देश की महत्वपूर्ण फोरलेन सड़क राष्ट्रीय राजमार्ग 135 पर चलने वालों के लिए सही बैठ रही है। क्योंकि एनएचएआई की इंजीनियरिग चूक से ड्रमंडगंज घाटी मौत की घाटी में

तब्दील हो चुकी है। इसकी चर्चा ड्रमंडगंज व आसपास के चट्टी चौराहे और चाय पान की दुकानों पर जोरदार हो रही है। लोकार्पित नवनिर्मित सड़क फोरलेन हनुमना बार्डर के पहले ड्रमंडगंज घाटी में इंजीनियरिग माडल पर सवाल खड़ा होने लगा है। घाटी में हो रही आए दिन दुर्घटनाएं आधुनिक इंजीनियरिग के अवधारणा की खामियों को उजागर कर रहा है। इससे गुजरने वाले वाहन चालक व यात्री भयग्रस्त रहते है। सड़क का बनाया गया माडल सुरक्षा के स्थान पर दुर्घटना को दावत दे रहा है। हाल यह है कि लंबी रूट के यात्री दुर्घटना ग्रस्त होकर मौत की मुंह में अकारण समा जा रहे है, जिसका खामियाजा परिवार को भुगतना पड़ रहा है। ग्रामीण माडल की जांच और इसमें सुधार की मांग कर रहे है। सप्ताह भर में हुए सड़क दुर्घटनाओं की जांच करा दिया जाए तो रोड की खामिया उजागर हो जाएगी। ड्रमंडगंज घाटी की सड़क का माडल वषी पुराना है। ग्रामीणों की माने तो देश की महत्वपूर्ण सड़क का रोड माडल इंजीनियरिग चूक की जांच और पुनः सड़क निर्माण आधुनिक तरीके से बनाए जाने की जरूरत है। भारी भरकम बजट खर्च होने के बाद घाटी में अकारण आए दिन लोगों का अंग भंग होकर जान जा रही है। बोले राहगीर व ग्रामीण ड्रमंडगंज पहाड़ी पर ब्रम्ह बाबा के पास से सड़क को सीधे कर ड्रमंडगंज हनुमान मंदिर तक फ्लाईओवर ब्रिज से जोड़ दिया जाता तो घुमाव का चक्कर दूर हो जाती और मौत की घाटी न बनती। छविनाथ तिवारी ड्रमंडगंज घाटी में हो रही रोड दुर्घटना इंजीनियरिग रोड मैप पर सवाल खड़ा कर दिया है। क्योंकि घाटी की सड़क यात्रियों व वाहन चालकों के लिए जानलेवा साबित हो रही है। ड्रमंडगंज पहाड़ी की घाटी में आए दिन हो रही दुर्घटना से लोग भयभीत है। सड़क निर्माण में हुई अभियांत्रिकी चूक की लोग चर्चा कर रहे है। सड़क निर्माण के पहले सर्वे में कई तरह की हुई चूक जांच का विषय है। जितेन्द्र केशरी। ड्रमंडगंज घाटी में कराए गए फोरलेन सड़क निर्माण के पहले सर्वे में खामियां यह है कि पहाड़ी पर अधिक दूरी का चक्कर काटना पड़ रहा है। रोड मैप के समय पहाड़ी के ढलान को कम करने से दुर्घटना पर रोक लग सकती थी। राजेंद्र श्रीवास्तव। ड्रमंडगंज घाटी में सड़क पर बने तीव्र मोड़ के कारण रोड पर चलने वाले भयभीत है।

ट्रक की चपेट मे आने से दो वाहन सहित फॉर्च्यूनर हुई क्षतिग्रस्त

(आधुनिक समाचार सेवा)
शैलेन्द्र कुमार

सोनभद्र । अनपरा कोतवाली बार्डर स्थित वाराणसी शक्तिनगर मुख्य मार्ग के मकरा,मड़ईया के समीप मुख्य मार्ग पर एक अनियंत्रित ट्रक ने पहले आटो रिक्शा व बाइक सवार लोगों को अपने चपेट मे लेते हुए सवार लोगो को घायल करने के दौरान फॉर्च्यूनर वाहन पर जा पलटा इस दौरान बड़ी घटना होने से बालबाल बचे फॉर्च्यूनर सवार लोग जो की सिंगरौली मध्यप्रदेश के बताएं जा रहे है। ट्रक की चपेट में आने से तीनों वाहन हुआ क्षतिग्रस्त दुर्घटना को लेकर वाराणसी शक्तिनगर मुख्य मार्ग सड़क पर जाम की स्थिती बन गए। सुचना मिलते ही मौके पर पहुंची पिपरी पुलिस द्वारा घायलों को अस्पताल भेजकर आगे की राहत बचाव कार्य में जुटी रही।

स्वर कोकिला लता मंगेशकर को दी श्रद्धांजलि

सोनभद्र। स्वर कोकिला लता मंगेशकर के निधन पर लोगों ने शोक व्यक्त करते हुए भावभीनी

श्रद्धांजलि अर्पित की। राबर्ट्सगंज के चाचा नेहरू पार्क में संगीत प्रेमियों ने शोकसभा में दो मिनट का मौन रखा। स्वर कोकिला के चित्र पुष्प व कैंडिल जलाकर श्रद्धांजलि दी। इस दौरान गायक कलाकार अभिषेक मिश्र ने इसे देश की अपूरणीय क्षति बताया। भजन गायक प्रतीक मिश्र ने कहा कि लता दीदी हम सबकी सदा प्रेरणादायिनी रहेंगी। श्याम भजन गायक संजीव शर्मा ने कहा कि लता दीदी हम सबके हृदय में सदा जीवित रहेंगी। लोक गायक आशीष मधुर ने भी निधन पर शोक जताया सुर संगम संगीतालय के प्रबंधक विनीत नंदन,बसंत, आनंद तिवारी, गणेश पांडेय समेत अन्य मौजूद रहे। उधर मथुपुर क्षेत्र में संगीतकार दशरथ यादव की अध्यक्षता में शोकसभा कर श्रद्धांजलि दी गई।

अपने पूर्व विद्यालय की हालत देख निराश हुए आइएएस

ओबरा (सोनभद्र) । गौरवशाली अतीत को समेटे प्रतिष्ठित ओबरा इंटर कालेज की वर्तमान हालत देख पूर्व छात्र व वर्तमान में पश्चिम बंगाल कैडर के वरिष्ठ आइएएस अधिकारी

अनुराग श्रीवास्तव काफी निराश हुए। 90 की जगह मात्र आठ शिक्षकों की सूचना से वह दंग रह गए। उनकी माता मिथिलेश श्रीवास्तव भी इसी विद्यालय में शिक्षक रहीं वर्ष 1998 में हाईस्कूल की परीक्षा में अनुराग ने यूपी बोर्ड की मेरिट लिस्ट में 18 वां स्थान प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया था। बहरहाल उन्होंने वादा किया कि वह शिक्षकों की कमी सहित अन्य मूलभूत समस्याओं के समाधान का प्रयास करेंगे। आइएएस बनने के कई वर्ष बाद अनुराग रविवार को अचानक विद्यालय पहुंचे। प्रधानाचार्य विजय कुमार की अगुआई में शिक्षकों ने स्वागत किया। इस दौरान अध्यापकों ने अंगवस्त्र व गुलदस्ता देकर सम्मानित किया। इस मौके पर अध्यापक अनिल सिंह, डा. संजय कुमार, संजय गिरी, प्रकाश चंद्र त्रिपाठी, अनिल कुमार, प्रेम कुमार शर्मा आदि मौजूद रहे। अनुराग के साथ ही आए उनके मित्र व सहपाठी रहे समीर श्रीवास्तव भी स्थानीय सेक्रेड हार्ट कांवेंट स्कूल से हाईस्कूल से उत्तीर्ण हुए थे। समीर वर्तमान में इंग्लैंड के गृह विभाग में कार्यरत है। इनके पिता कृष्ण कांत श्रीवास्तव ओबरा सिचाई विभाग में अधिशासी अभियंता रहे।

दादा का शव रखकर पोते की कराई शादी

दुद्धी (सोनभद्र) । रविवार की सुबह तहसील मुख्यालय पर एक परिवार में विवाह समारोह की तैयारियां चल रहीं थीं तभी घर के मुखिया एवं दूल्हे के 82 वर्षीय दादा का निधन हो गया। सूचना मिलते ही शहनाई बजने वाले घर में मातम पसर गया। घर के बड़े बुजुर्गों ने आपस में सलाह मशविरा कर शव को पैतृक घर में रख कन्या पक्ष को राजी कर तीन-चार घंटे में पोते के विवाह का रस्म जैसे-तैसे पूरा करा दिया। नगर पंचायत चेयरमैन राजकुमार अग्रहरि के चाचा नगर निवासी सेवानिवृत्त लेखपाल मोतीलाल अग्रहरि (82) की हालत गंभीर होने पर बीते सप्ताह स्वजनों ने उन्हें वाराणसी के एक निजी चिकित्सालय में भर्ती कराया गया था। रविवार को उनके बड़े पुत्र शोभनाथ अग्रहरि के पुत्र विवेक अग्रहरि का विवाह तय था। इसके लिए कन्या पक्ष के लोग सुबह एक होटल में एवं वर पक्ष के लोग घर में मंगल गीतों की धुन पर मांगलिक कार्य को संपन्न कराने में लीन थे तभी अचानक चोपन में दादा मोतीलाल ने अंतिम सांस ली। विषम परिस्थिति में जुटे खानदान एवं प्रबुद्ध वर्ग के लोगों ने आपस में निणय लेकर दादा के शव का अंतिम संस्कार सोमवार को करने एवं सादगीपूर्ण माहौल के बीच होटल में पौत्र के वैवाहिक कार्यक्रम को संपन्न कराया।

चुनाव प्रशिक्षण में अनुपस्थित कार्मिकों पर होगी कार्रवाई

सोनभद्र । विधानसभा चुनाव की तैयारियां तेज हो गई है। मतदान कर्मियों का चार दिवसीय प्रशिक्षण रविवार से राजकीय पालिटेकिन्क कालेज में शुरू हो गया। पीठासीन व प्रथम मतदान अधिकारियों के प्रशिक्षण में पहले ही दिन 4 कार्मिक अनुपस्थित रहे। प्रशासन ने उन्हें 9 फरवरी को एक बार फिर प्रशिक्षण का मौका दिया है। चेताया है कि यदि दोबारा अनुपस्थित रहे तो संबंधितों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की जाएगा जिलाधिकारी टीके शिबू ने प्रशिक्षण प्रक्रिया का जायजा लिया। उन्होंने प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे पीठासीन अधिकारी और मतदान अधिकारी प्रथम से कहा कि वह प्रशिक्षण प्रक्रिया को पूरे मनोयोग के साथ समझें, जिससे कि मतदान प्रक्रिया के दौरान किसी भी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े। मतदान प्रक्रिया पारदर्शी ढंग से पूर्ण कराने के लिए प्रशिक्षण बेहतर ढंग से प्राप्त करना अनिवार्य है। पहले दिन प्रशिक्षण में चार कार्मिक अनुपस्थित रहें। इसमें साहब राज सिंह वरिष्ठ प्राविधिक सहायक, तेज बहादुर सिंह प्रधानाध्यापक, सविता सिंह सहायक अध्यापक आदि शामिल हैं डीएम ने अनुपस्थित कार्मिकों के संबंध में निर्देशित किया कि वह 9

फरवरी को अनिवार्य रूप से प्रशिक्षण प्राप्त करें। अन्यथा उनके खिलाफ विधिक कार्रवाई की जाएगी। इस मौके पर मुख्य विकास अधिकारी डा. अमित पाल शर्मा, जिला विकास अधिकारी रामबाबू त्रिपाठी, जिला विद्यालय निरीक्षक रविशंकर, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी हरिवंश कुमार, डीसी एनआरएलएम एके जौहरी, जिला पंचायत राज अधिकारी विशाल सिंह समेत सभी विधान सभा क्षेत्रों के रिटर्निंग आफिसर उपस्थित रहें।

शिक्षकों को प्रारूप 12 भरकर विभागाध्यक्ष से कराना होगा प्रमाणित

सोनभद्र। आल टीचर्स एंड इंप्लाइज वेलफेयर सोसाइटी (अटेवा) का प्रतिनिधिमंडल रविवार को प्रभारी जिला निर्वाचन अधिकारी से मिला। इसमें शिक्षक कर्मचारियों ने पोस्टल बैलेट वोट डालने के संबंध में आ रही समस्याओं के निस्तारण की मांग की। जिलाध्यक्ष राजकुमार मौर्या व मंडलीय मंत्री रामगोपाल यादव के अगुवाई में पहुंचे पदाधिकारियों ने जब पोस्टल बैलेट वोट से संबंधित समस्या के बारे में प्रभारी जिला निर्वाचन अधिकारी को बताया तो उन्होंने कहा कि ऐसे शिक्षक कर्मचारी जिनकी ड्यूटी निर्वाचन में लगी हुई है व उसी दिन उनके जिले में भी वोटिग है। जिस दिन यहां है तो उनके लिए पोस्टल बैलेट वोट की व्यवस्था है। इसके लिए शिक्षा के कर्मचारी को प्रारूप 12 भर कर के अपने विभागाध्यक्ष से प्रमाणित कराते हुए उसे जिला रिटर्निंग ऑफिसर के पास जमा कराना होगा। अटेवा पदाधिकारियों में राधेश्याम पाल, बीएन सिंह, मनोज पटेल, उमा सिंह आदि शामिल रहे।

सोनभद्र प्रदेश का सबसे बेहतर शूटिंग स्थल

ओबरा (सोनभद्र) । फिल्म शूटिग के लिहाज से सोनभद्र यूपी को बढ़ावा देगी। स्वर कोकिला लता मंगेशकर के निधन पर गहरा शोक

की सबसे अच्छी जगह है। अगली फिल्म सिटी सोनभद्र में ही बनेगी। भोजपुरी फिल्म कलाकंद की शूटिग के लिए अगोरी किला आए फिल्मस्टार दिनेश लाल यादव ने दैनिक जागरण से वार्ता में यह बात कहा दिनेश ने कहा कि नोएडा में फिल्म सिटी हम लोगों के लिए गर्व की बात है। यह अत्याधुनिक फिल्म सिटी प्रदेश में पर्यटन और रोजगार व्यक्त करते हुए कहा कि वह देश की आवाज थी। अब हमारे बीच नहीं रहीं पर उनके गीत युगों-युगों तक हम लोगों के बीच मौजूद रहेगी। कहा कि सोनभद्र उन्हें सदैव आकर्षित करता रहा है। वह जब भी यहां शूटिग करने आते है उन्हें काफी सुकून मिलता है।

व्यापारी से फोन पर मांगी एक करोड़ रंगदारी

घोरावल (सोनभद्र)। नगर के सराफा व्यापारी पननलाल से रविवार की सुबह एक अज्ञात व्यक्ति ने फोन पर एक करोड़ रंगदारी मांगी। न देने पर अंजाम भुगतने की चेतावनी दी। भयभीत व्यापारी ने पुलिस को सूचना देते हुए सुरक्षा की गुहार लगाई। पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है। घटना से नगर के अन्य व्यापारी भी सहमे हैं। घोरावल नगर के वार्ड नंबर 10 चांदी वाले मोड़ पर पननलाल की घर में ही सराफा की दुकान है। व्यापारी के मुताबिक रविवार की सुबह करीब सात बजे उनके मोबाइल पर एक फोन आया। फोन करने वाले ने एक करोड़ रुपये की मांग की। कहा कि रुपये शीघ्र नहीं दिए तो इसका अंजाम बहुत बुरा होगा। इतना कहते ही बदमाश ने फोन काट दिया और उसका नंबर भी बंद हो गया। रंगदारी मांगने से सहमे व्यापारी ने इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस हरकत में आई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर व्यापारी से घटना की जानकारी ली। नंबर को सर्विलांस पर लगाकर छानबीन शुरू कर दी है। फिलहाल कोई सुराग नहीं मिल पाया है।

बस से गिरकर एक घायल

डाला (सोनभद्र)। चोपन थाना क्षेत्र के तेलगुड़वा चौराहे पर रविवार की शाम बस से गिरकर असगर अली (25) निवासी बागेसोती घायल हो गए। वह रेणुकूट से घर के लिए लौट रहे थे। रोडवेज बस जब तेलगुड़वा पहुंची तो बस की धीमी गति होते ही वह बस से उतरने लगे। इस दौरान वह गिरकर घायल हो गए।

ट्रेलर के धक्के से वृद्ध की गई जान, विरोध में चक्काजाम

अनपरा (सोनभद्र)। रविवार की सुबह ट्रेलर की चपेट में आने से

एक अधेड़ की मौत हो गई। यह हादसा बीना पुलिस चौकी क्षेत्र के ग्राम कोहरौलिया के पास मुख्य मार्ग पर हुआ। घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने सुबह 11 बजे चक्का जाम कर दिया। इससे वाहनों की कतार लग गई। ग्रामीण पीड़ित परिवार को मुआवजा व आरोपित ट्रेलर चालक के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रहे थे। लगभग तीन घंटे बाद अफसरों की ओर से मिले आश्वासन के बाद जाम खत्म हुआ ग्रामीणों ने कोल परिवहन में लगे वाहनों का आवागमन पूरी तरह रोक दिया। ग्राम घरसड़ी निवासी शेषमन भारती (60) साइकिल बनवाने कोहरौल बाजार गए थे। घर लौटने के दौरान सड़क पार करते समय शक्तिनगर की ओर से आ रहे कोयला लदे ट्रेलर ने उन्हें टक्कर मार दी जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी होने पर मौके पर पहुंची बीना पुलिस शेषमन के जिदा होने कीउम्मीद में संजीवनी चिकित्सालय ले गई। घटना की जानकारी होते ही पुरूष-महिलाओं ने मुख्य मार्ग पर आकर चक्काजाम कर दिया। महिलाओं ने शव को हटाए जाने पर नाराजगी जाहिर की। कुछ युवकों ने कई वाहन चालकों की पिटाई कर दी। मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। मामला गंभीर होते देख शक्तिनगर एसओ मिथिलेश मिश्र, अनपरा एसओ श्रीकांत राय, रेणुसागर चौकी प्रभारी राजेश कुमार सिंह पूरी फोर्स के साथ मौके पर पहुंच गए और लोगों को समझाने का प्रयास करते रहे। शक्तिनगर प्रभारी निरीक्षक के समझाने पर ग्रामीणों ने करीब तीन घंटे बाद दो बजे से यात्री वाहनों को जाने दिया। ग्रामीणों का कहना था कि जब तक ट्रेलर संचालक मौके पर आकर वार्ता नही करते तब तक सड़क मार्ग जाम रहेगा। ग्रामीणों ने चक्काजाम के दौरान मृतक के स्वजन को उचित मुआवजा दिलाने की मांग की। पुलिस विवश होकर ट्रेलर संचालकों से वार्ता कराने के प्रयास में शाम तक लगी रही। इस दौरान सड़क के दोनो ओर तीन किमी तक वाहनों का जाम लगा रहा।

वर्ल्ड कप के एक सीजन में सबसे ज्यादा रन बनाने का शिखर धवन का रिकार्ड टूटा, साउथ अफ्रीकी बल्लेबाज ने मारी बाजी

नई दिल्ली । अंडर 19 वर्ल्ड कप 2022 में शिखर धवन का एक बड़ा रिकार्ड टूट गया और उन्हें पीछे छोड़ने में साउथ अफ्रीका अंडर 19 टीम के बल्लेबाज देवाल्ड ब्रेविस ने सफलता हासिल की। बेशक साउथ

अफ्रीका की टीम इस सीजन में सेमीफाइनल तक भी नहीं पहुंच पाई, लेकिन इस टीम के बल्लेबाज ब्रेविस ने जमकर कर रन बनाए और खूब सुर्खियां बटोरी। 18 साल के देवाल्ड ब्रेविस इस अंडर 19 वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में पहले नंबर पर रहे। भारतीय क्रिकेट टीम के ओपनर बल्लेबाज शिखर धवन ने साल 2004 में अंडर 19 वर्ल्ड कप में एक शानदार रिकार्ड अपने नाम किया था। इस साल वो अंडर 19 वर्ल्ड कप में भारतीय टीम का हिस्सा थे। इस सीजन में शिखर धवन ने भारत के लिए खेलते हुए 84.16 की औसत से कुल 505 रन बनाए थे। इस दौरान उन्होंने तीन शतकीय और एक अर्धशतकीय पारी खेली थी। उन्हें इस सीजन में प्लेयर आफ द सीरीज का खिताब मिला था। हालांकि इस साल पाकिस्तान की टीम ने ये खिताब अपने नाम किया था। का रिकार्ड साउथ अफ्रीका अंडर 19 क्रिकेट टीम के खिलाड़ी ब्रेविस ने तोड़ दिया और अंडर 19 वर्ल्ड कप के एक सीजन में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। अंडर 19 वर्ल्ड कप 2022 में ब्रेविस का रिकार्ड दमदार रहा और उन्होंने 6 मैचों की 6 पारियों में 84.33 की औसत से कुल 506 रन बनाए थे। इस दौरान उन्होंने 45 चौके और 18 छक्के भी लगाए। उन्होंने 2 शतक भी लगाया और उनका बेस्ट स्कोर 138 रन रहा था। 506 रन - देवाल्ड ब्रेविस, 202 505 रन - शिखर धवन, 2004 471 रन - ब्रेट विलियम्स, 1988 423 रन - कैमरून व्हाइट, 200 421 रन - डोनोवन पैगन।

भारतीय टेस्ट टीम का कप्तान बनाए जाने को लेकर पूछे गए सवाल का रोहित शर्मा ने दिया कुछ ऐसा जवाब

नई दिल्ली । भारत के फुलटाइम वनडे कप्तान के तौर पर रोहित शर्मा अपना पहला वनडे सीरीज वेस्टइंडीज के खिलाफ खेलने जा रहे हैं। दिसंबर 2021 में विराट कोहली को भारतीय वनडे

टीम की कप्तानी से हटा दिया गया था और रोहित शर्मा को ये जिम्मेदारी दी गई थी। हालांकि रोहित शर्मा ने इससे पहले 10 वनडे मैचों में भारतीय टीम की कप्तानी की है, लेकिन वो पहली बार पूर्णकालिक कप्तान के तौर पर ये जिम्मेदारी संभालने जा रहे हैं। रोहित शर्मा भारतीय वनडे और टी20 टीम के कप्तान हैं और कयास ये लगाया जा रहा है कि उन्हें टेस्ट टीम की कप्तानी भी दी जा सकती है। विराट कोहली द्वारा टेस्ट टीम की कप्तानी छोड़ने के बाद टेस्ट कप्तान के तौर पर उनका नाम सबसे पहले इस वजह से आ रहा है क्योंकि अजिंक्य रहाणे की जगह उन्हें भारतीय टेस्ट टीम का उप-कप्तान बनाया गया था। अब वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले वनडे मुकाबले से ठीक पहले हुए प्रेस कांफ्रेंस में उनसे पूछा गया कि टेस्ट की कप्तानी मिलने को लेकर उनके क्या विचार हैं। इसका जवाब देते हुए रोहित शर्मा ने कहा कि उन्हें इसके बारे में कोई जानकारी नहीं है कि भारत का अगला टेस्ट कप्तान कौन होगा और फिलहाल वो अपना ध्यान इन बातों पर केंद्रित नहीं कर रहे हैं। रोहित शर्मा ने कहा कि मेरा ध्यान इस वक्त लिमिटेड ओवर के क्रिकेट पर है और उनके लिए इन सब बातों पर सोचने का समय नहीं है। कार्यभार प्रबंधन बहुत ही अहम है। हम कुछ सीरीज गंवा सकते हैं क्योंकि हमें खिलाडियों को बदलते रहने की जरूरत है, लेकिन हम इसके लिए तैयार हैं। अभी के लिए टेस्ट की कप्तानी को भूल जाइए। इसे लेकर मेरे पास किसी भी तरह की कोई जानकारी नहीं है। अभी वेस्टइंडीज के खिलाफ क्रिकेट सीरीज और फिर श्रीलंका के खिलाफ होने वाली सीरीज पर हमें अपना ध्यान केंद्रित करना है।

रोहित को आया गुस्सा, कहा- इशान किशन और रितुराज से कराओ ओपनिंग

नई दिल्ली । भारतीय टीम साउथ अफ्रीका दौरे पर मिली हार के भुलाकर अब नई सीरीज के लिए तैयार है। टीम इंडिया की कमान रोहित शर्मा के हाथों में होगी। पहली बार फुलटाइम कप्तान के तौर पर

रोहित वनडे में उतरेंगे। रविवार को भारत और वेस्टइंडीज के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज का पहला मुकाबला खेला जाना है। शनिवार को कप्तान ने वर्चुअल प्रेस कान्फेंस के जरिए मीडिया के सवालों के जवाब दिए। रोहित चोटिल होने की वजह से साउथ अफ्रीका का दौरा नहीं कर पाए थे। अब वह फिट होकर वापसी कर चुके हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ शुरू होने जा रही वनडे सीरीज से पहले उन्होंने मीडिया से बात की। कप्तान ने एक पत्रकार के सवाल को सुनकर हैरानी जताई और जवाब में कहा कि आपका मतलब है मै और शिखर धवन अब टीम से बाहर हो जाएं जिससे युवाओं को उपर खेलने का मौका मिल जाए। वर्चुअल प्रेस कान्फ्रेंस के दौरान पत्रकार ने कहा आपको नहीं लगता है कि युवाओं को उपर खेलने का मौका दिया जाना चाहिए। रोहित ने इस पर कहा, ठमतलब आप ये कह रहे है कि मै और` हैं, इशान किशन और रितुराज गायकवाड़ को ओपन करने का मौका देते हैं। देखिए उपर के तीन जो बल्लेबाज है उन्होंने लगातार पिछले सालों से अच्छा प्रदर्शन करके दिखाया है। आगे उन्होंने कहा, ठदेखिए जो युवा बल्लेबाज है उनको मौका मिलेगा, जरूर मिलेगा। जैसे अब तक मिलते आया है, वैसे ही मिलता रहेगा। जैसा कि आपको पता है भविष्य में काफी सारे मुकाबले खेले जाने है तो उनको बराबर मौका मिलता रहेगा। जो भी अच्छा करेगा उसको मौका मिलेगा यार।

रोहित शर्मा ने किया साफ, पहले वनडे में कौन करेगा उनके साथ ओपनिंग

नई दिल्ली । भारत और वेस्टइंडीज के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज का पहला मुकाबला

6 फरवरी को खेला जाना है। अहमदाबाद में तीनों ही मैच खेले जाएंगे इस मुकाबले में टीम के ओपनिंग को लेकर सवाल सामना आ रहे थे। शिखर धवन को कोरोना पोजिटिव पाए जाने के बाद मयंक अग्रवाल को वनडे टीम में जोड़ा गया। इशान किशन पहले से बायो बबल में हैं और उनको वनडे टीम में जगह दी गई। शनिवार को टीम इंडिया के कप्तान रोहित ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले वनडे से पहले मीडिया के सवालों का जवाब दिया। इस सीरीज में वह पहली बार फुट टाइम कप्तान के तौर पर उतरेंगे। साउथ अफ्रीका सीरीज से पहले वह चोटिल हो गए थे और इस वजह से दौरा नहीं किया था। वर्चुअल प्रेस कान्फेंस में उन्होंने टीम के लिए पहले वनडे में पारी की शुरुआत कौन करेगा इस बात पर से पर्दा उठाया। रोहित ने साफ किया कि अगर इशान किशन को वनडे टीम के साथ जोड़ा गया है तो उनको मौका दिया जाएगा। रोहित ने कहा, इस वक्त इशान के तौर पर हमारे पास विकल्प मौजूद है। मयंक को टीम के साथ जोड़ा गया था लेकिन वह अब तक आइसोलेशन में हैं। वो यात्रा करके आए है और सीधा टीम के साथ नहीं जुड़ पाएंगे तो इशान ही पहले मैच में मेरे साथ पारी की शुरुआत करते नजर आएंगे। रोहित शर्मा (कप्तान), केएल राहुल (उपकप्तान), रितुराज गायकवाड़, शिखर धवन, इशान किशन, मयंक अग्रवाल, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, श्रेयस अय्यर, दीपक हुड्डा, रिषभ पंत (विकेटकीपर), दीपक चाहर, शार्दुल ठाकुर, युजवेंद्र चहल, कुलदीप यादव, वाशिंगटन सुंदर, रवि बिशनेई, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा और आवेश खान।

रोहित शर्मा ने किया साफ, पहले वनडे में कौन करेगा उनके साथ ओपनिंग

नई दिल्ली । भारत और वेस्टइंडीज के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज का पहला मुकाबला 6 फरवरी को खेला जाना है। अहमदाबाद में तीनों ही मैच खेले जाएंगे इस मुकाबले में टीम के ओपनिंग को लेकर सवाल सामना आ रहे थे। शिखर धवन को कोरोना पोजिटिव पाए जाने के बाद मयंक अग्रवाल को वनडे टीम में जोड़ा गया है। अहमदाबाद में तीनों ही मैच खेले जाएंगे इस मुकाबले में टीम के ओपनिंग को लेकर सवाल सामना आ रहे थे। शिखर धवन को कोरोना पोजिटिव पाए जाने के बाद मयंक अग्रवाल को वनडे टीम में जोड़ा गया है। इशान किशन पहले से बायो बबल में हैं और उनको वनडे टीम में जगह दी गई। शनिवार को टीम इंडिया के कप्तान रोहित ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले वनडे से पहले मीडिया के सवालों का जवाब दिया। इस सीरीज में वह पहली बार फुट टाइम कप्तान के तौर पर उतरेंगे। साउथ अफ्रीका सीरीज से पहले वह चोटिल हो गए थे और इस वजह से दौरा नहीं किया था। वर्चुअल प्रेस कान्फेंस में उन्होंने टीम के लिए पहले वनडे में पारी की शुरुआत कौन करेगा इस बात पर से पर्दा उठाया। रोहित ने साफ किया कि अगर इशान किशन को वनडे टीम के साथ जोड़ा गया है तो उनको मौका दिया जाएगा। रोहित ने कहा, इस वक्त इशान के तौर पर हमारे पास विकल्प मौजूद है। मयंक को टीम के साथ जोड़ा गया था लेकिन वह अब तक आइसोलेशन में हैं। वो यात्रा करके आए है और सीधा टीम के साथ नहीं जुड़ पाएंगे तो इशान ही पहले मैच में मेरे साथ पारी की शुरुआत करते नजर आएंगे। रोहित शर्मा (कप्तान), केएल राहुल (उपकप्तान), रितुराज गायकवाड़, शिखर धवन, इशान किशन, मयंक अग्रवाल, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, श्रेयस अय्यर, दीपक हुड्डा, रिषभ पंत (विकेटकीपर), दीपक चाहर, शार्दुल ठाकुर, युजवेंद्र चहल, कुलदीप यादव, वाशिंगटन सुंदर, रवि बिशनेई, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा और आवेश खान।

विराट कोहली और अनिल कुंबले के बीच किस बात को लेकर थी लड़ाई, पूर्व टीम मैनेजर रत्नाकर शेट्टी की खुलासा

नई दिल्ली । अनिल कुंबले ने साल 2017 में भारतीय टीम के हेड कोच का पद छोड़ दिया था। कुंबले का कार्यकाल एक साल तक चला था और कुंबले ने कहा था कि

विराट कोहली के साथ उनका रिश्ता अस्थिर हो गया था। अब अनिल कुंबले और विराट कोहली के बीच आखिर ऐसी क्या बात थी जिसे लेकर दोनों के बीच का रिश्ता बेहद खराब हो गया था। इसके बारे में भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मैनेजर रतनकर शेट्टी ने बताया रतनकर शेट्टी ने कोहली और कुंबले के संबंधों पर बात करते हुए कहा कि कुछ लोग थे जो नहीं चाहते थे कि अनिल कुंबले हेड कोच के तौर पर भारतीय टीम के साथ जुड़े रहें। शेट्टी ने साफ किया कि कोहली और कुंबले सेम पेज पर नहीं थे और इस मामले में कोहली का पलड़ा भारी था। द इंडियन एक्सप्रेस के हवाले से शेट्टी ने लिखा कि यह स्पष्ट था कि कुछ लोग नहीं चाहते थे कि अनिल कोच के रूप में बने रहें। कप्तान और कोच एक ही पैटर्न पर नहीं दिखते थे और ऐसा लग रहा था कि कप्तान का हाथ ऊपर था। रतनकर शेट्टी ने यह भी कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच 2017 चैंपियंस ट्राफी के फाइनल से पहले इंग्लैण्ड में एक बैठक हुई थी। वहां पर यह कहते हुए कि कोहली खुश नहीं थे क्योंकि कुंबले खिलाडियों के लिए खड़े नहीं थे। शेट्टी ने यह कहते हुए निष्कर्ष निकाला कि कोहली को लगा कि ड्रेसिंग रूम में तनावपूर्ण माहौल है। शेट्टी के मुताबिक उन्हें बाद में चैंपियंस ट्राफी के फाइनल से पहले लंदन में हुई एक बैठक के बारे में पता चला, जिसमें हम पाकिस्तान से हार गए थे। जाहिर है, विराट अनिल से 'खिलडियों के लिए खड़े नहीं होने और ड्रेसिंग रूम में तनावपूर्ण माहौल बनाने' के लिए खुश नहीं थे। इसके अलावा भी कुछ अन्य बातें थी जिससे दोनों के बीच तनाव था।

अंडर-19 क्रिकेट वर्ल्ड कप : इंग्लैण्ड के खिलाफ फाइनल में टीम इंडिया के इन खिलडियों पर होगी नजर

नई दिल्ली । आइसीसी अंडर-19 क्रिकेट वर्ल्ड कप 2022 में टीम इंडिया ने शानदार प्रदर्शन किया है। टीम टूर्नामेंट में कोरोना से जूझी। कप्तान और उपकप्तान समेत कई खिलाड़ी कोरोना के चपेट में आ गए। इसकी वजह से ग्यारह

खिलाड़ी उतारने में भी दिक्कत हुई, लेकिन इसका असर उसके प्रदर्शन पर नहीं पड़ा। टीम चैंपियन की तरह खेली। दक्षिण अफ्रीका, आयरलैंड, युगांडा, बांग्लादेश और आस्ट्रेलिया को हारकर फाइनल का टिकट कटाया। अब टीम और पांचवीं बार खिताब जीतने से महज एक कदम दूर है। ट्राफी और यश ढुल की टीम के बीच इंग्लैण्ड की टीम खड़ी है। आज आइसीसी अंडर-19 क्रिकेट वर्ल्ड कप 2022 का फाइनल मैच टीम इंडिया और इंग्लैंड के बीच एंटिगुआ में होना है। महामुकाबले पहले नजर डालते हैं टीम इंडिया के उन खिलाडियों पर, जिनपर आज ट्राफी दिलाने कि जिम्मेदारी होगी। कप्तान यश ढुल ने पूरे टूर्नामेंट में टीम इंडिया के लिए लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। कोरोना के कारण वह दो ग्रुप मैच में नहीं खेल पाए। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ फिफ्टी और आस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल में शतक लगाया। उन्होंने आगे से टीम का नेतृत्व किया है। आस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल मैच में उन्होंने शेख रशीद के साथ मिलकर टीम इंडिया को न सिर्फ मुश्किल उबारा बल्कि टीम को काफी मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया था। शेख रशीद नंबर 3 पर बल्लेबाज करते हैं। हैं। पूरे विश्व कप में उन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया है। ढुल की तरह इन्हें भी कोरोना के कारण कुछ मुकाबलों में बाहर बैठना पड़ा।

जस्टिन लैंगर के इस्तीफे पर हेडन ने आस्ट्रेलियाई खिलाडियों पर साधा निशाना, जानसन ने भी जताई नाराजगी

मेलबर्न। आस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के मुख्य कोच के पद से जस्टिन लैंगर के इस्तीफा देने पर भावुक हुए मैथ्यू हेडन ने सार्वजनिक रूप से लैंगर का समर्थन नहीं करने के लिए खिलाडियों की आलोचना की है। पूर्व तेज गेंदबाज मिशेल जानसन ने भी नाराजगी जताई है। लैंगर की कोचिंग में आस्ट्रेलिया ने टी 20 विश्व कप और एशेज सीरीज

4-0 से जीती। उनकी कोचिंग शैली को लेकर खिलाडियों की लगातार शिकायत की खबरों के बीच उन्होंने शनिवार को पद छोड़ दिया। लैंगर के इस कदम से हेडन भावुक हो गए और उन्होंने खिलाडियों की जमकर आलोचना की। हेडन ने एबीसी स्पोर्ट से कहा कि यह बिल्कुल स्पष्ट है कि उन्हें किसी का समर्थन नहीं मिला। उन्होंने कप्तान पैट कमिंस की आलोचना की, जो उन खिलाडियों में से एक थे जिन्होंने पिछले साल लैंगर की कोचिंग शैली के बारे में चिंता जताई थी और पूरी मूल्यांकन प्रक्रिया को अस्वस्थ बताया था। पूर्व ओपनर ने क्रिकेट आस्ट्रेलिया की आलोचना करते हुए कहा कि जिस तरह से लैंगर की कोचिंग के बारे में असंतोष की खबरें सार्वजनिक हुईं, उसके लिए खिलाडियों के साथ-साथ बोर्ड को भी दोषी ठहराया जाना चाहिए। 2018 में बाल टैंपरिंग कांड के बाद लैंगर को आस्ट्रेलियाई क्रिकेट की बागडोर सौंपी गई थी, लेकिन हेडन ने कहा कि सीए ने इस बात का कोई सम्मान नहीं किया कि लैंगर ने उस विवाद के बाद टीम को कैसे संभाला। लैंगर ने 2019 में एक साल के निलंबन की समाप्ति के बाद स्टीव स्मिथ और डेविड वार्नर का टीम में वापस स्वागत किया था। पूर्व आस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिशेल जानसन भी लैंगर के इस्तीफे नाराजगी जाहिर की। उन्होंने कहा, 'आपको कुछ तथ्यों पर गौर करना होगा और तथ्य यह है कि लैंगर ने बहुत अच्छा काम किया है। उन्होंने टीम को एक बहुत ही मुश्किल वक्त से बाहर निकाला है। मुझे ऐसा लग रहा है कि उन्हें इसके लिए मजबूर किया गया है। मै उन्हें दोष नहीं देता। मुझे लगता है कि इस पूरे प्रकरण के दौरान जो गड़बड़ी हुई है वह घटिया है और मुझे लगता है कि इससे उन्हें बुरा लगा है।'

त्रिकोणीय सीरीज पर बोर्ड लेता है फैसला, खिलाड़ी कुछ नहीं कर सकते- सचिन तेंदुलकर

नई दिल्ली । भारत और वेस्टइंडीज के बीच रविवार को अहमदाबाद के नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में होने वाला पहला वनडे मुकाबला भारत के इतिहास का 1000वां वनडे मैच होगा। भारत के पूर्व बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्होंने इस दौरान टीम के लिए ज्यादातर मैच खेले हैं। इस अवसर पर अभिषेक त्रिपाठी ने सचिन तेंदुलकर से खास बातचीत की। पेश हैं मुख्य अंश : - यह बहुत बड़ी उपलब्धि है। मुझे पता है जब भारत ने 1974 में पहली बार वनडे मैच खेला था और इस बात को अब 47 साल हो चुके हैं। इन पांच दशकों में पुराने और कई मौजूदा खिलाडियों ने भारतीय क्रिकेट में बहुत योगदान दिए हैं। पूर्व और मौजूदा बीसीसीआइ सदस्यों की भी भूमिका रही है। यह पहले और

अब के प्रशंसकों के समर्थन के बिना संभव नहीं था। भारतीय टीम के विश्व में करोड़ों चाहने वाले हैं। इन सभी के बिना यह पल नहीं आता। यह ऐसा पल है जिसका जश्न मनाना चाहिए और यह एक संयुक्त प्रयास के जरिए हुआ है। आपने वनडे में बहुत सारे मैच खेले जहां सबसे ज्यादा रन बनाए, सबसे ज्यादा शतक भी आपके नाम है। अब भारत भी 1000 वनडे खेलने जा रहा है जो कि एक रिकार्ड है। आप इसे लेकर क्या कहेंगे? मैं यही कहूंगा कि 1974 में भारत ने अपना पहला वनडे खेला था। अभी करीब 47 वर्ष हुए है और हम हमारा 1000 मैच खेलने जा रहे हैं। जैसा कि मैंने कहा कि पुराने और सभी नए लोगों ने जो समर्थन किया है वैसे ही समर्थन की हमें जरूरत है। जब खिलाड़ी मैदान पर जाता है तो सभी प्रशंसक जो आपका समर्थन करते हैं तो इसका अलग प्रभाव पड़ता है, जो काम में आता है। खिलाड़ी भी सोचता कि हम और मेहनत करें और टीम के लिए बेहतर करने के लिए अधिक जान लगाएं। यह चीजें नहीं होती तो शायद हमें यह दिन देखने को नहीं मिलता। भारत ने 1983 और 2011 विश्व कप जीते लेकिन 83 का विश्व कप विशेष है क्योंकि यह आपके और हमारे लिए एक प्रेरणा है। अपना सपना सच करने के लिए आप पर इसका प्रभाव किस तरह पड़ा। क्रकेट खेलता था लेकिन इससे पहले फुटबाल, टेनिस जैसे खेल भी थे लेकिन जब भारत ने 83 में विश्व कप जीता उस वक्त मेरे दिमाग में खयाल आया कि एक दिन मैं भी ऐसा करना चाहूंगा। जब मैंने क्रिकेट खेलना शुरू किया तो मेरा ध्यान और सपना सिर्फ भारत के लिए खेलना था। हालांकि, मैं इस बात पर स्पष्ट नहीं था कि मैं पहले वनडे खेलूं या टेस्ट। लेकिन अब जब मैं पीछे मुड़कर देखता हूं तो मुझे लगता है कि टेस्ट ही बेहतर है। मुझे पता था कि अगर मैं टेस्ट में बेहतर करूंगा तो मुझे वनडे में अपने आप मौका मिलेगा। ऐसा मानना था कि वनडे में खेलने के लिए मुझे गेंद को तेजी से हिट करना होगा। टेस्ट सीरीज खेलने के बाद हमें वनडे खेलना था और एक मैच पेशावर में था जो बारिश के कारण रद हो गया था। दोनों टीमों ने एक दोस्ताना मैच खेलने का फैसला किया। यह मैच 20 ओवर का था जो मेरे करियर का पहला गैरआधिकारिक टी-20 मैच था।

राशिफल

मेष-: उल्लेखनीय प्रयासों को गति देने का समय है। उत्तरोत्तर शुभता के संकेत बढ़ेंगे। साथियों के सहयोग से लाभार्जन में मदद मिलेगी।

वृष-: भाग्य की प्रबलता बनी रहेगी। करियर-कारोबार में देंगे। महत्वपूर्ण मामलों को तेजी से पूरा करने का करेंगे। जिम्मेदारों का सहयोग मिलेगा।

मिथुन-: उत्तरोत्तर शुभता के संकेत बने हुए हैं। भाग्य की प्रबलता बढ़ेगी। कार्य अवरोध स्वतः दूर होंगे। लाभ और विश्वास में वृद्धि होगी।

कर्क-: कामकाजी मामलों को लंबित न छोड़ें। कार्य क्षेत्र में मेहनत से सफलता बढ़ेगी। स्मार्ट वर्किंग पर जोर देंगे। लापरवाही से बचें।

सिंह-: श्रेष्ठ समय बना हुआ है। कार्य व्यापार में करीबियों के सहयोग से सफलता पाएंगे। पेशेवरों से नजदीकियां बढ़ेंगी।

कन्या-: निजी और कामकाजी मामलों में तालमेल बनाकर चलें। लाभ और प्रभाव बढ़त पर रहेंगे। अवसरों का लाभ उठाएंगे।

तुला-: कार्य व्यापार की अपेक्षा निजी मामलों पर फोकस रह सकता है। अवसर भुनाने पर जोर रहेगा। आशंका से बचें।

वृश्चिक-: करियर कारोबार के मामले पक्ष में रहेंगे। आर्थिक सक्षमता बढ़ेगी। यात्रा संभव। धन धान्य की वृद्धि होगी। महत्वपूर्ण प्रयासों को गति मिल सकती है।

धनु-: कामकाज संवरेगा। चहुंओर सफलता प्राप्ति के संकेत हैं। शुभ सूचना प्राप्त हो सकती है।

मकर-: खर्च में वृद्धि होगी। बजट बनाकर आगे बढ़ें। पेशेवर रिश्तों को बल मिलेगा। दिखावे से दूर रहें। महत्वपूर्ण कार्यों में धैर्य रखें।

कुंभ-: खर्च और निवेश के प्रति सतर्कता रखें। तेजी से आगे आने का प्रयास करेंगे। आर्थिक मामलों में स्मार्ट डिले की नीति अपनाएं। नियम पालन बनाए रखें।

मीन-: पेशेवर अच्छा करेंगे। सफलता मेहनत पर निर्भर करेगी। आत्मविश्वास बढ़ा रहेगा। नए लोगों पर जल्द भरोसा न करें। सहकर्मियों से तालमेल बढ़ेगा।

सम्पादकीय

मोदी विरोधी इस सच को स्वीकार करने को तैयार नहीं कि देश की राजनीति मंडल और कमंडल के विमर्श से आगे निकल चुकी है

ऐसा लगता है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गीता के इस उपदेश को जीवन में उतार लिया है कि कर्म करो, फल की इच्छा मत करो। शायद फल की इच्छा किए बिना काम में लगे रहने की प्रवृत्ति ही है, जो उन्हें लीक से हटकर चलाती है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का चौथा आम बजट यही कहता है। मोदी सरकार ने तात्कालिक राजनीतिक लाभ के प्रलोभन से परहेज किया। सरकार चाहती तो चुनावी फायदे के लिए लोकलुभावन घोषणाएं कर सकती थी, लेकिन देश और अर्थव्यवस्था के व्यापक हित को तरजीह देना बेहतर समझा गया। मोदी सरकार के इस बजट में पूंजी निवेश को प्राथमिकता दी गई है। पूंजी निवेश से विकास दर को बढ़ाना और रोजगार के नए अवसर जुटाना सरकार की प्राथमिकता है, पर जैसा कि पिछले करीब सात साल का चलन है, विरोध के लिए विरोध विपक्ष का एकमात्र हथियार है। विपक्ष की नजर में मोदी और उनकी सरकार की कोई विश्वसनीयता नहीं है। इसके उलट जनता की नजरों में मोदी से ज्यादा कोई विश्वसनीय नेता देश में नहीं है। वास्तव में यह संघर्ष मोदी-भाजपा बनाम विपक्ष नहीं है। यह देश के आम लोगों और विपक्ष के बीच का संघर्ष है। मोदी को तो लड़ने की जरूरत ही नहीं पड़ रही है। मोदी पर हर हमले का जवाब तो जनता ही दे रही है। जवाब जनता दे रही है, इसका मतलब यह नहीं कि भाजपा हर चुनाव जीत रही है या जीतेगी। राज्यों में चुनावी हार-जीत कोई बड़ी बात नहीं है। उससे मोदी का विजय रथ रुकता नहीं। यह युद्ध के बीच में लड़ी जाने वाली छोटी लड़ाइयां है, जिनमें हार-जीत की अहमियत महज तात्कालिक है। बंगाल के चुनाव को ही देख लीजिए। सारे मोदी विरोधियों की जबान पर एक ही बात है। मोदी-भाजपा चुनाव हार गए। हारता वह है, जो अपना राज्य और ऐतिहासिक संदर्भ में कहें तो राजपाट हार जाता है। बंगाल में भाजपा का कभी राज था ही नहीं। जिन दो पार्टियों का करीब तीस-तीस साल तक राज रहा, उनकी हार पर आपको एक शब्द सुनने को नहीं मिलेगा। तो पिछले लगभग सात साल में हार-जीत की परिभाषा बदल गई है। इस अवधि में मोदी सरकार ने आर्थिक सामाजिक क्षेत्र में इतने बड़े-बड़े काम किए है, जो आम लोगों को तो दिखाई देते हैं, लेकिन एक वर्ग को दिखता ही नहीं। हालत यह है कि यदि मोदी कह दें सूरज पूरब से उगता है तो उनके विरोधी कहेंगे, प्रमाण दो। हम कैसे मान लें? वे मान कर चलते हैं कि मोदी कह रहे हैं तो गलत ही होगा। भला मोदी कोई सही बात या काम कर कैसे सकते हैं जिस सरकार ने जीएसटी, दीवालिया कानून, रेरा, बेनामी संपत्ति, अर्थव्यवस्था का बड़े पैमाने पर डिजिटलीकरण, जनधन आधार, मोबाइल यानी जैम के जरिये गरीबों को खाते में सीधे पैसे भेजने जैसे तमाम सुधार किए हो और आजादी के बाद से सामाजिक सुरक्षा के सबसे अधिक कदम उठाएं हों, उसकी निंदा करने में थोड़ा तो संकोच होना चाहिए, लेकिन नहीं है। मोदी सरकार ने कश्मीर का नासूर अनुच्छेद 370 हटा दिया, तीन पड़ोसी इस्लामी देशों में रहने वाले वहां के अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के लिए नागरिकता कानून में संशोधन किया, तीन तलाक के खिलाफ कानून बनाया। विपक्ष ने इन सबका विरोध किया। सेंट्रल विस्टा का भी हर स्तर पर और हर तरीके से विरोध हुआ। हालांकि इस पर आम सहमति है कि विभिन्न मंत्रालय जिन भवनों से चलते है और मौजूदा संसद भवन की जगह नए निर्माण की जरूरत है, फिर भी विरोध केवल इसलिए हुआ कि यह काम मोदी कर रहे है। मोदी समर्थकों को इस पर हैरत होती है कि आखिर प्रधानमंत्री अपने विरोधियों को जवाब क्यों नहीं देते? नेपोलियन बोनापार्ट ने कहा था कि जब आपका दुश्मन गलती कर रहा हो तो आपको खामोश रहना चाहिए मोदी की यह खामोशी उनकी ताकत और विश्वसनीयता, दोनों बढ़ाते है। उनके विरोधी नफरत के इस दलदल में जितना जोर-जोर से कूदते है, उतना ही गहरे धंसते जाते है। हाल में एक अंग्रेजी पत्रिका ने अपने सर्वेक्षण में बताया कि मोदी की लोकप्रियता अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी नेता से करीब आठ गुना अधिक है। मोदी देश के इतिहास में अकेले ऐसे नेता हैं, जो 20 साल से लगातार सत्ता में हैं। इतने लंबे अर्से में लोगों का भरोसा कभी डिगा नहीं। राष्ट्रीय राजनीति में आने के बाद से वह अपने विरोधियों को करीब सात साल का समय दे चुके हैं, पर अभी तक जिसने भी उन्हें गिराने की कोशिश की, वह औंधे मुंह गिरा है।

सुरों की साधना से भारत को संजीवनी प्रदान करने वालीं स्वर कोकिला लताजी राष्ट्रीय एकता की भी सशक्त मूर्ति थीं

सरस्वती पूजा के अगले ही दिन गंधर्व लोक को और भी सुंदर बनाने के लिए लताजी देवलोक को प्रस्थान कर गईं। ऐसा लगता है जैसे मां सरस्वती इस बार अपनी सबसे प्रिय पुत्री को ले जाने स्वयं आई थीं। मेरे जैसे प्रत्येक भारतीय का सुर से पहला परिचय लता मंगेशकर जी की दैवीय आवाज ही थी। उनकी संगीतमय सुरीली आवाज का जादू हर भारतीय के अवचेतन मानस पटल पर सदा के लिए अंकित हो गया और आगे भी रहेगा। रेडियो सिलोन, विविध भारती, आकाशवाणी और दूरदर्शन आदि से गूंजते लताजी के गीत हम सबके वजूद का हिस्सा बन गए है। गीतों में प्राण फूंकने का जादू उन्हें ही आता था। हर गीत को अपना बना लेने में उन्हें महारत हासिल थी। वह कंठ से नहीं, आत्मा से गाती थीं और इसीलिए उनके गीत लोगों के दिल को छू जाते थे। उन्होंने संगीत के कठिन शास्त्र को तीन मिनट का मंत्र बनाकर ऐसा सिद्ध किया कि बड़े-बड़े गवैये, साधक उनकी इस दैवीय सिद्धि को नमन करते थे और यह तय है कि आगे भी सदा करते रहेंगे। लता जी ने 92 वर्ष का ऐसा सुंदर और सार्थक जीवन जिया, जिसका एक-एक पल सुरों के रचना संसार के निर्माण में व्यतीत हुआ। लगभग पांच पीढ़ियों ने उन्हें मंत्रमुग्ध होकर सुना और आने वाली पीढ़ियां भी उन्हें इसी तरह सुनती रहेंगी, क्योंकि उनकी आवाज में जो जादू था, उसका कोई सानी नहीं था। यही कारण है कि लाखों संगीत साधकों ने उन्हें अपने हृदय में सरस्वती की भांति प्रतिष्ठित किया हुआ है। लताजी माता-पिता की भक्त थीं। वह अपनी सफलता में उनके ही आशीर्वाद का उल्लेख करती थीं। अपने गुणी पिता पंडित दीनानाथ मंगेशकर जी से संगीत की शिक्षा लेने वाली लताजी ने जैसा संघर्ष किया और फिर उपलब्धियों के जैसे शिखर को छुआ, उसकी कल्पना करना कठिन है। पिता के असामयिक निधन ने उनके जीवन में तमाम अवरोध खड़े कर दिए। छोटी सी उम्र में उनके ऊपर अपने परिवार के पालन-पोषण का दायित्व आ गया। उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और खुद को संभालने के साथ परिवार को भी सहारा दिया। उस समय मुंबई सिने जगत पर नूरजहां, शमशाद बेगम, राजकुमारी, अमीर बाई कर्नाटकी आदि की आवाज गूंजा करती थी। धीरे-धीरे अपने कठिन परिश्रम और लगन से उन्होंने चित्रपट संगीत पर अपनी प्रतिभा का ऐसा लोहा मनवाया कि उनके शानदार आगाज के साथ ही हिंदी चित्रपट की आवाज लताजी की आवाज बन गई। इसी के साथ लता मंगेशकर युग का प्रारंभ हो गया, जो कभी खत्म नहीं हुआ। इस युग के बगैर गीत-संगीत जगत की कल्पना करना कठिन है। कहते हैं कि 2013 में जब हिंदी फिल्म जगत ने अपने सौ साल पूरे किए थे तो लताजी ने कहा था कि इसमें से सात दशक मेरे हैं। लताजी को सुनिए तो ऐसा लगता है, जैसे मां सरस्वती ने उन्हें स्वयं बैठकर संवारा और सिखाया था। मुझे लगता है कि स्त्री के जीवन का कौन

सा ऐसा रूप था, कौन सा ऐसा तेवर था, कौन सा ऐसा भाव था, जो लताजी ने न गाकर दिखाए हों। बच्चे को सुलाती मां की ममतामयी लोरी हो या भक्ति भाव में डूबी प्रार्थना, प्रेम में आकंठ डूबी अल्हड़ किशोरी हो या वियोग में तड़पती बिरहन, दस वर्ष की बच्ची की आवाज हो या सोलह बरस की चंचला, लताजी सबकी आवाज थीं। ऐसी प्रतिभा विरले लोगों को ही मिलती है और यही कारण है कि उनके सुनने और सराहने वाले दुनिया भर में है। लताजी कठिन से कठिन गीत पानी की सहजता से गाकर निकल जाती थीं। एक गायिका होने के नाते मैं यह कह सकती हूं कि उन्होंने भारत में चित्रपट संगीत और सुगम संगीत में गायन शैली का व्याकरण सजाया, गीत-संगीत को नई परिभाषा दी। इतना ही नहीं, उन्होंने ही गायकों को मान-सम्मान दिलाने का भी काम किया। यह उनके ही संघर्ष का परिणाम था कि गायकों को नाम और सम्मान मिलना शुरू हुआ। वह सच्चे अर्थों में सुर की साम्राज्ञी थीं, तभी तो गाते हुए सांस की आवाज भी न आने देना, शब्दों का सटीक उच्चारण करना और हर धुन पर शास्त्रीयता को सहज कर पिरो देना, वह बहुत सुगमता से कर लेती थीं। ऐसा वही कर सकता है, जिसने सुरों की सच्ची साधना बहुत लगन से की हो। लताजी का कैसा तो अद्भुत व्यक्तित्व था। वह तपस्विनी थीं। वह राष्ट्र को समर्पित एक मननशील व्यक्तित्व की स्वामिनी थीं।1962 में चीन के साथ हुए युद्ध में बलिदान हुए भारतीय सैनिकों के सम्मान में लताजी द्वारा गाया गीत-ए मेरे वतन के लोगों.. आज भी लोगों की आंखों को नम कर देता है। लताजी वीर सावरकर से प्रभावित थीं। उन्होंने सावरकर से मिलकर देश सेवा की अभिलाषा भी प्रकट की थी। तब सावरकर ने लताजी को संगीत सेवा करने की सलाह देते हुए कहा था कि वह इसी के लिए आई हैं। लता मंगेशकर जी ने अपने गीतों से भारत को जैसी संजीवनी प्रदान की, वह अलौकिक है-अद्भुत है। उनके लिए ईश्वर की पूजा की तरह था। विगत अनेक दशकों से भारत लता दीदी के उन गीतों के साथ जी रहा है, जो हर्ष में, पीड़ा में, प्रेम में, परिहास में, भक्ति में, राष्ट्रप्रेम में गुंथे थे। हम भाग्यशाली है कि उस कालखंड के साक्षी है जिस समय लताजी इस सृष्टि को सुरों से रच रही थीं।मृत्यु जीवन की पूर्णता है। लताजी अपने जीवनकाल में अमरत्व प्राप्त कर चुकी थीं। वह अमर है और अमर रहेंगी। उनके गीत सदियों गूंजेंगे। वह इकलौती थीं। न भूतों न भविष्यति। उनकी स्मृति को वंदन-नमन।

राष्ट्र पर राहुल की लचर दलील, संविधान का अनुच्छेद एक तो पढ़ लिया लेकिन वो प्रस्तावना पढ़ना भूल गए

राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा में हिस्सा लेते हुए कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने संसद में कुछ ऐसी बातें कहीं जिस पर, उनको लगता है कि चर्चा की जानी चाहिए। पहली बात तो उन्होंने ये कही कि भारत राष्ट्र नहीं है और ये राज्यों का संघ है। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी के सदस्यों को भारतीय संविधान पढ़ने की भी सलाह दी और कहा कि संविधान में लिखा है कि भारत राज्यों का संघ है और वो राष्ट्र नहीं है। संविधान के अनुच्छेद एक में ये अवश्य लिखा है कि भारत राज्यों का संघ होगा लेकिन पूरे संविधान में ये कहीं नहीं लिखा है कि भारत एक राष्ट्र नहीं है। दरअसल राहुल गांधी ने संविधान का अनुच्छेद एक तो पढ़ लिया लेकिन वो संविधान की प्रस्तावना पढ़ना भूल गए, प्रतीत होता है। संविधान की मूल प्रस्तावना और इमरजेंसी के समय हुए संशोधन के बाद की प्रस्तावना में भारत के लिए राष्ट्र शब्द का उल्लेख है। प्रस्तवाना में लिखा है कि ...उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता और अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए...। ये तो स्पष्ट कि संविधान भारत को एक राष्ट्र के तौर पर देखता है। अगर संविधान की प्रस्तावना और संविधान सभा की बहस को देखें तो ये अधिक स्पष्ट होता है। संविधान सभा की बहस में राज्यों के यूनियन आफ स्टेट्स और फेडरल शब्द के उपयोग को लेकर लंबी बहस हुई थी। उस बहस में बाबा साहब अंबेडकर, प्रो के टी शाह, एच वी कामथ आदि ने हिस्सा लिया था। भारत औप भारत वर्ष नाम पर भी लंबी चर्चा हुई थी। तमाम दलीलों के बाद भारत को राज्यों के संघ के तौर पर स्वीकृत किया गया था। फेडरल स्टेट की

मांग को खारिज कर दिया था। दरअसल राजनीतिक भाषणों में जब अकादमिक पुट दिया जाता है तो इस तरह की त्रुटियां हो जाती हैं, क्योंकि राजनीतिक भाषणों में समग्रता में अपनी बात कहने का अवसर नहीं होता है जबकि अकादमिक बहसों या लेखन में अपनी बात समग्रता में कही जा सकती है। राहुल गांधी की चिंता राज्यों के अधिकारों को लेकर है। सविंधान के अलग अलग अनुच्छेद में राज्यों के अधिकारों की चिंता की गई है। ये बात संविधान सभा की बहस में बाबा साहेब अंबेडकर ने भी कई बार दोहराई है। दरअसल जब राहुल गांधी भारत के राष्ट्र होने की अवधारणा का निषेध करते है तो वो जाने अनजाने कम्युनिस्टों के सोच को आगे बढ़ाते प्रतीत होते हैं। देश की स्वाधीनता के बाद कम्युनिस्टों ने भी राष्ट्र की अवधारणा को, लोकतंत्र की अवधारणा को, लोक कल्याणकारी राज्य का निषेध किया था। कम्युनिस्ट हमेशा से अंतराष्ट्रीयता को मानते रहे। यह अनायस नहीं है कि उनकी पार्टी का नाम भारत की कम्युनिस्ट पार्टी है, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी नहीं। कम्युनिस्ट विचारधारा लोक कल्याणकारी सबल राष्ट्र की पक्षधर नहीं रही है। कम्युनिस्ट पाटिर्यों में ये बहस चलती रही है कि सरकार की नीतियों को गरीबों तक पहुंचने दिया जाए या नहीं। आप अगर ध्यान से देखेंगे तो नक्सली हमेशा से स्कूल और अस्पतालों पर हमला करते हैं और उनको नष्ट करने की फिराक में रहते हैं। उनका मानना है कि अगर सभी वर्गों तक सरकारी सुविधाओं या योजनाओं का लाभ पहुंच गया तो वर्ग संघर्ष के माध्यम से मजदूरों का राज कायम नहीं हो सकेगा। कम्युनिस्ट पार्टी में विभाजन के आधार को देखेंगे तो वहां भी भारत से अधिक रूस और चीन में व्याप्त विचारधारा का असर दिखता है। भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई) में जब विभाजन हुआ और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी बनी तो वैचारिक भिनन्ता का आधार रूस और चीन की साम्यवादी विचारधारा थी। एक गुट रूस तो दूसरा चीन की विचारधारा को लेकर आगे बढ़ना चाहता था। जब देश आजाद हुआ था तो जवाहरलाल नेहरू रूस के अधिक करीब थे। रूस की कम्युनिस्ट पार्टी चाहती थी कि भारत की कम्युनिस्ट पार्टी नेहरू को लेकर उदार रहे। जबकि सीपीआई का एक गुट इसके खिलाफ था। 1962 में चीन के साथ युद्ध होने के बाद भी सीपीआई का एक गुट चीन की पैरोकारी में लगा रहा। माओ को लेकर नारा भी लगता था उनका चेयरमैन हमारा चेयरमैन। चीन के साथ युद्ध के दो वर्ष बाद पार्टी में विभाजन हुआ। जब राष्ट्र के निषेध की बात होती है तो कम्युनिस्टों की पुरानी वैचारिकी जीवंत हो उठती है। आज जब पूरा देश स्वाधीनता का अमृत महोत्सव मना रहा है तो राहुल गांधी का राष्ट्र की अवधारणा का निषेध चौंकाता है। उन्होंने कहा कि भारत में हमेशा संवाद से शासन चला है और इस संबंध में उन्होंने अशोक, मौर्य और गुप्तवंश की चर्चा की। शायद राहुल गांधी जोश में बिंदुसार के शासन काल के युद्धों को भूल गए, भूल तो वो कलिंग युद्ध को भी गए। दूसरी बात राहुल गांधी ने कही कि भारत मे हर राज्य का अपना इतिहास है, अपनी भाषा है और अपनी संस्कृति है। इतिहास और भाषा तक तो बात समझ आती है लेकिन अलग अलग संस्कृति की बात गले नहीं उतरती है। पूरे भारत की संस्कृति एक ही है जहां हम विविधता का उत्सव मनाते हैं। ये बात हमारे पौराणिक ग्रंथों से भी सिद्ध होती है और वासुदेश शरण अग्रवाल, कुबेरनाथ राय और रामधारी सिंह दिनकर के लेखन से भी स्पष्ट होता है। जब हम संस्कृति की बात करते हैं तो हमें उसके मूल तत्वों को समझना होगा। दिनकर ने स्पष्ट किया है कि संस्कृति ऐसी चीज है जिसे लक्षणों से तो हम जान सकते हैं किंतु उसकी परिभाषा नहीं दे सकते। कुछ अशीं में वो सभ्यता से भिनन् गुण है। सभ्यता वो चीज है जो हमारे पास है, संस्कृति वह गुण है जो हममें व्याप्त है। दिनकर के अलावा अगर हम राजनीतिशास्त्र के विद्वानों की तरफ से दिए गए आयडिया आफ इंडिया की बात भी करें तो वहां भी स्पष्ट है कि भारत की संस्कृति तो एक ही है। कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक और कच्छ से लेकर कोलकाता तक भाषा, पहनावे, और खान-पान में विविधता दिखाई देती है लेकिन पूरे देश की संस्कृति में भारत की व्याप्ति नजर आती है। इस वजह से स्वाधीनता के बाद अपने एक लेख में वासुदेव शरण अग्रवाल कहते हैं कि 'राष्ट्र संवर्धन का सबसे प्रबल कार्य संस्कृति की साधना है। उसके लिए बुद्धिपूर्वक यतन् करना होगा। इस देश की संस्कृति की धारा अति प्राचीन काल से बहती आई है उसके प्राणवंत तत्व को अपनाकर ही हम आगे बढ़ सकते है।' जब हम राष्ट्र को ही निगेट करेंगे तो हमको संस्कृतियां भी अलग अलग नजर आएंगी । राहुल गांधी के भाषण के इस बिंदुओं पर अगर हम समग्रता में देखें तो लगता है कि वो किस तरह से कम्युनिस्ट विचारधारा के प्रभाव में आकर अपनी ही पार्टी की विरासत को भूल रहे हैं। बाबा साहेब अंबेडकर के संविधान की मूल भावना और सरदार पटेल की राष्ट्र निर्माण के अथक परिश्रम की भी अनदेखी कर रहे हैं। स्वाधीनता आंदोलन में अपना सर्वस्व होम करनेवाले सेनानियों के योगदान को भूल रहे हैं।

चौरी चौरा जनाक्रोश के घटनाक्रम के सही स्वरूप को समझने का समय

भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन और स्वाधीनता के लिए भारतीयों का भगीरथ प्रयास अंतर्निहित इतिहास ही माने जा सकते हैं। इस संपूर्ण घटनाक्रम का चित्रफलक इतना व्यापक है कि वैश्विक इतिहास लेखन में भारतीय स्वाधीनता की गाथा सर्वाधिक लोकप्रिय है, परंतु विभिनन् प्रकार के इतिहास लेखनों की प्रवृत्तियों ने स्वाधीनता की गाथा की जो पटकथा प्रस्तुत की, उसके फलस्वरूप देश की स्वाधीनता में जिन्होंने सर्वस्व न्यौछावर कर दिया, उन्हें और उनकी भागीदारी को न्याय नहीं मिला। निश्चित ही इतिहास और इतिहासकार न्याय व न्यायाधीश की भूमिका में नहीं हो सकता, परंतु न्यायप्रिय होना उसका मौलिक धर्म है। चौरी चौरा को शायद इसी पथ की आवश्यकता है। यदि इस घटना के विभिनन्-पक्षों को देखा जाए तो यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि यह एक ऐसी स्थानीय घटना थी जिसने राष्ट्रीय आंदोलन के इतिहास पर व्यापक प्रभाव डाले।वर्ष 1857 के प्रयास के पश्चात भारतीयों ने निरंतर अपनी मातृभूमि को मुक्त कराने के लिए अनेक आहुतियां दीं। साम्राज्यवादी इन बलिदानों को अपने दस्तावेजों में उग्रवादी या भारतीय हत्यारा कहें तो अचंभा नहीं। पश्चिमी विद्या से उपजा भारतीय इतिहास लेखन इनके प्रयासों और समर्पण को अनदेखा करे तो उनकी ही दृष्टि और लेखनी में ऐसा क्यों? समझने की आवश्यकता है। जैसे इनके अनुसार जार्ज वाशिंगटन के साथ रहे क्रांतिकारी महान थे, परंतु भारतीय जन का मुखर प्रतिरोध आतंकवाद था। स्वतंत्रता उपरांत की मार्क्सवादी अवधारणा ऐसे बलिदानों को व्यक्तिवादी नायकवाद कहते हुए आगे बढ़ जाएं और उपाश्रयी इतिहास लेखन इन घटनाओं का जातिगत विभाजन कर भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन के कैंब्रिज स्कूल की विचारधारा को संतुष्ट कर जाएं, वस्तुतः चौरी चौरा और ऐसी अन्यान्य घटनाएं इस हेतु अभिशप्त हैं।जनाक्रोश का आधार : चौरी चौरा को यदि राष्ट्रीय फलक

पर समझना है तो जलियांवाला बाग जाना होगा। एक तथाकथित सुसंस्कृत राष्ट्र ने निहत्थे भारतीयों का कत्लेआम किया। जनाक्रोश राष्ट्रीय हुआ और असहयोग आंदोलन को इसके कारण आधार मिला। चौरी चौरा का आक्रोश जलियांवाला बाग की घटना का प्रत्युत्तर था, परंतु दुर्भाग्यवश घटना ने असहयोग आंदोलन को ही समाप्त कर दिया। विवेचना का प्रश्न है कि यह दुर्भाग्यवश था या एक सिद्धांत की अवसरवादिता। समकालीन प्रतिक्रिया जो हुई, शायद उसने चौरी चौरा की घटना के इतिहास लेखन को प्रभावित किया। बारदोली प्रस्ताव के पूर्व ही गोरखपुर खिलाफत कांग्रेस समिति ने चौरी चौरा पर निंदा प्रस्ताव पारित करते हुए घटना से स्वयं को असंबद्ध किया। परंतु वास्तविकता यह थी कि घटना में अधिकांशतः असहयोग से जुड़े हुए स्वयंसेवक थे जो ग्रामीण अंचल पर मदिरा और मांस के बहिष्कार को आगे बढ़ा रहे थे। एक फरवरी 1922 को ऐसे ही एक स्वयंसेवक भगवान अहीर की चौरी चौरा के तत्कालीन दारोगा गुप्तेश्वर सिंह के द्वारा पिटाई कर दी गई थी, क्योंकि वह बाजार में मांस की बिक्री का विरोध कर रहा था। अर्थात मूल रूप से गांधी जी के आह्वान पर चौरी चौरा में यह असहयोग का एक रूप था। तीन फरवरी, 1922 तक के इस घटनाक्रम को चौरी चौरा का प्रथम समय खंड काल यानी फर्स्ट टाइम लाइन माना जा सकता है।चौरी चौरा का द्वितीय समय खंड काल यानी सेकेंड टाइम लाइन चार फरवरी, 1922 से प्रारंभ माना जा सकता है, जब स्वयंसेवकों के दल ने भगवान अहीर की पिटाई के खिलाफ थाने तक जुलूस ले जाने का कार्य किया। यह सर्वमान्य है कि जुलूस के स्वयंसेवक न ही किसी को मारने की योजना से गए थे और न ही उनकी मंशा थाना को जलाने की थी। घटनाक्रम कुछ जलियांवाला बाग की तरह ही हुआ। निहत्थों पर प्रशासन द्वारा पहले लाठीचार्ज किया गया, तत्पश्चात उन पर गोलीबारी की गई। वाचिक इतिहास के तथ्यों से पता चलता है कि इस गोलीबारी में तीन स्वयंसेवक मारे गए, जिनका जिक्र सरकारी रिकार्डों में नहीं किया गया। तदुपरांत भीड़ उग्र हुई और चौरी चौरा के थाने और सिपाहियों को जलाने की घटना घटी। परंतु उग्र हुए भारतीयों ने अपने विवेक का परिचय दिया और थानाध्यक्ष गुप्तेश्वर सिंह की गर्भवती पतने को सुरक्षित जाने का मार्ग दिया।चौरी चौरा का तीसरा समय खंड काल यानी थर्ड टाइम लाइन गोरखपुर सत्र न्यायालय में दाखिल वाद से प्रारंभ माना जा सकता है, जिस समय चौरी चौरा की घटना से जुड़े जनों के साथ न ही कांग्रेस संगठन के रूप में खड़ी थी, न ही अन्य कोई। यह आश्चर्य का विषय इसलिए नहीं, क्योंकि कांग्रेस प्रारंभ से ही बलिदानियों की इस प्रकृति के औपनिवेशिक विरोध का कभी पक्षधर नहीं रही थी। चापेकर बंधुओं की शहादत से, भगत सिंह की शहादत तक, उसने स्वयं को असंबद्ध ही रखा। यहां पर उद्धृत करना आवश्यक है कि चापेकर बंधु के पक्ष में एकमात्र समकालीन समाचार पत्र 'कालऽ के संपादक एसवी परांजपे ने चापेकर बंधुओं के पक्ष में लिखा, परिणामस्वरूप परांजपे को कांग्रेस के अधिवेशनों में आने से दादा भाई नौरोजी द्वारा रोक दिया गया। ऐसे अनेक तथ्य हैं जिनके आधार पर यह समझा जा सकता है कि आखिर चौरी चौरा जनाक्रोश की प्रस्तुति इतिहास में सही अर्थों में नहीं की गई।चौरी चौरा के इस तृतीय समय खंड काल में शहीदों के साथ भावनात्मक समर्थन और संगठनों का समर्थन नहीं दिखाई पड़ता। सत्र न्यायालय गोरखपुर से 172 भारतीयों को फांसी की सजा सुनाई गई।इसके पश्चात प्रारंभ होता है चौरी चौरा का चतुर्थ समय खंड काल, वह इसलिए कि 172 लोग फांसी नहीं चढ़े, शहादत की यह संख्या 19 ही रह गई। सत्र न्यायालय के निणऱ्य उपरांत एक व्यक्ति जो इन जनों के समर्थन में प्रत्यक्ष रूप से आते हैं, वह हैं बाबा राघवदास। मूलतः महाराष्ट्र के निवासी और एक संत के रूप में पूर्वांचल द्वारा अपनाए गए। शायद यही भारतीयता का मूल तत्व है, आप कहां के हैं यह मायने नहीं, आपके कार्य एवं आप समाज के लिए समर्पित है तो भारतीय समाज आपको बिना किसी भेदभाव के स्वीकार करता है। बाबा राघवदास ने चौरी चौरा के सत्र अदालत के निणऱ्य का खुला विरोध किया एवं चंदा एकत्रित कर महामना से संपर्क कर इलाहाबाद उच्च न्यायालय में वाद दाखिल कराया। महामना द्वारा चौरी चौरा का मुकदमा लड़ा गया और 172 जनों को हुई फांसी की सजा को 19 जनों में उच्च न्यायालय ने परिवर्तित किया।प्रशन् यह उठता है कि जिस प्रकार से औपनिवेशिक तंत्र कार्य करता था और चौरी चौरा की घटना को लेकर बाबा राघवदास एवं महामना जैसे देशभक्त भी उसी प्रकार की प्रतिक्रिया करके मौन रहते, जैसे अन्य के द्वारा की गई थी तो वस्तुतः आज चौरी चौरा में इन बलिदानियों की सूची 19 की न होकर 172 की होती। इतिहास के इस सत्य और 'शायदऽ को चिन्हित कर पाना चौरी चौरा के संदर्भ में लगभग असंभव है। समझने की आवश्यकता है कि चौरी चौरा का कथानक किन स्तंभों पर खड़ा किया गया? उत्तर स्पष्ट है- अधिकांशतः इस प्रकार की घटनाएं भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन के घटनाक्रम में आंदोलन की मर्यादा को क्षीण करने वाली घटनाओं के रूप में दर्शाई गई है।क्या यह जलियांवाला बाग का प्रतिरोध नहीं था? क्या राष्ट्रीय आंदोलन का खंड काल जलियांवाला बाग से प्रारंभ हो चौरी चौरा तक एक नया अध्याय नहीं लिख रहा था? आवश्यकता है इतिहास के इस क्रम को जोड़कर देखने की। जलियांवाला बाग एक तथाकथित सुसंस्कृत राज्य का हत्याकांड था और चौरी चौरा उस तथाकथित सुसंस्कृत राज्य को प्रत्युत्तर। यदि 1922 की घटना न्यायिक और नैतिक अपराध की श्रेणी में मात्र इसलिए आती है कि यह अहिंसा के सिद्धांतों को एक सीमा के पश्चात अस्वीकार कर देती है, क्योंकि यहां राज्य अपनी बर्बरता का निरंतर परिचय देता रहता है।

संक्षिप्त समाचार

पंजाब कांग्रेस में सीएम चेहरे का मसला हल लेकिन अब नवजोत सिद्धू के रुख पर नजर, चनी की चुनौतियां बढ़ीं

लुधियाना। पंजाब में कांग्रेस के सीएम चेहरे को लेकर कई दिनों से चल रही खींचतान और अटकलबाजी रविवार को खत्म हो गई। लंबी जद्दोजहद और मान-मनौव्वल के बाद आखिरकार चेहरे का मसला हल हो गया। कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी ने अपनी वर्चुअल रैली में मंच से मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार के लिए चरणजीत सिंह चनने का नाम घोषित किया। लेकिन, अब पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू के रुख पर नजरें हैं। इसके साथ ही चरणजीत सिंह चन्नी की चुनौतियां बढ़ गई हैं। राहुल गांधी ने साफ किया कि 'हमने पंजाब के लोगों, पार्टी के कार्यकर्ताओं, वर्किंग कमेटी के नेताओं और युवाओं की राय लेने के बाद ही चेहरा तय किया है। पंजाब के लोगों की मांग थी कि किसी गरीब को ही चेहरा बनाया जाए।' उनकी घोषणा के बाद सीएम चेहरे के लिए दावेदारी जता रहे पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू ने चनने का हाथ ऊपर उठाकर उन्हें बधाई दी। वहीं, चनने ने घोषणा के बाद सबका धन्यवाद करते हुए कहा, 'मैं मुख्यमंत्री बनने के बाद सिद्धू का पंजाब माडल लागू करूंगा।'

लुधियाना के तीन हलकों के हर बूथ पर लगेंगी 2-2 ईवीएम, प्रत्याशियों की संख्या से जुड़ा है मामला

लुधियाना। लुधियाना में इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) प्रयोग को लेकर यूनीक स्थिति उत्पन्न हो गई है। क्या आप जानते हैं किईवीएम के कंट्रोल यूनिट में केवल 16 उम्मीदवारों के नाम व चुनाव चिन्ह रखे जा सकते हैं। इससे अधिक प्रत्याशी होने पर मतदान स्थल पर दो ईवीएम का प्रयोग करना पड़ता है। प्रशासन को इस बार लुधियाना के तीन विधानसभा क्षेत्रों में ऐसा ही करना पड़ेगा। लुधियाना जिले की 14 सीटों में से साहनेवाल, पायल और लुधियाना दक्षिण (साउथ) विधानसभा सीटों से चुनावी रण में 16 से अधिक उम्मीदवार उतरे हैं। उम्मीदवारों की संख्या अधिक होने के कारण तीनों सीटों पर मतदान के लिए हर बूथ पर दो-दो ईवीएम का प्रयोग किया जाएगा। रविवार को बचन भवन में तीनों हलकों की ईवीएम रैंडमाइजेशन उम्मीदवारों और आब्जर्वर उपस्थिति में किया गया। आठ फरवरी को फिर से रैंडमाइजेशन होगी। इन तीनों विस क्षेत्रों के लिए 814 ईवीएम जारी की गई हैं। लुधियाना जिले के तहत 14 विधानसभा क्षेत्र आते हैं। इस बार चुनाव मैदान में कुल 175 उम्मीदवार डटे हुए हैं। बता दें कि के लिए 20 फरवरी को मतदान निश्चित किया गया है। उत्तर प्रदेश और तीन अन्य राज्यों के साथ परिणाम एक साथ 10 मार्च को घोषित किए जाएंगे।

महिला मोर्चा द्वारा जन सम्पर्क अभियान

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा । भाजपा महिला मोर्चा ने आज योगी और मोदी जी के कायी को जो महिलाओं के उत्थान एवं विकास के लिए किए गए है उनको

जनसंपर्क अभियान के माध्यम से जन जन तक पहुंचाया और सभी को बताया। सभी से आग्रह किया कि 10 फ़रवरी को बाहर निकल कर बडी संख्या मे वोट डालने जाए और भाजपा प्रत्याशी पंकज सिंह को पुनः भारी मतो से विजयी बनाए।इस मौके पर महिला मोर्चा अध्यक्ष श्रीमती शारदा चतुर्वेदी, मधुमेहरा, नीता बाजपेई, भारती नेगी, रेनूबाला, ममता तिवारी, दीपाली दीक्षित, पुष्पा भट्ट, शरद पुष्प, सुनीता सिंह, इंदु यादव, आदि बहने उपस्थित रही भाजपा नोएडा विधानसभा प्रत्याशी एवं वर्तमान विधायक पंकज सिंह उनकी धर्मपतने श्रीमती सुषमा सिंह तथा अनुज नीरज सिंह ने जनसंपर्क कर नोएडा वासियों से आशीर्वाद मांगा आज नोएडा के ग्राम वासियों से जनसंपर्क कर पंकज सिंह ने प्रदेश सरकार की उपलब्धियों की चर्चा करें उन्होंने बताया।

नोएडा की है यही पुकार, पंकज भैया बारंबार : रामनिवास यादव

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा । आज भारतीय जनता युवा मोर्चा नोएडा महानगर के जिला अध्यक्ष रामनिवास यादव के नेतृत्व में एवं भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष प्रांशु दत्त द्विवेदी के निर्देश पर तथा युवा

मोर्चा प्रभारी एवं वरिष्ठ भाजपा जिला उपाध्यक्ष मनीष शर्मा के मार्गदर्शन में संपूर्ण नोएडा में प्रमुख स्थानों एवं सेक्टर 37,62,34,52,50,71 पर स्टीकर अभियान चलाया तथा जनसंपर्क कर जनता को भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी एवं वर्तमान विधायक पंकज सिंह द्वारा किए गए विकास कार्यों से भी अवगत कराया, अभियान के दौरान जनता में भारतीय जनता पार्टी के प्रति जो विश्वास दिखा वह अप्रतिम है और वही यह बताने के लिए पर्याप्त है कि भारतीय जनता पार्टी नोएडा विधानसभा ऐतिहासिक मतों से जीत रही है नोएडा में रहने वाले सभी वर्गों का नोएडा प्रत्याशी एवं वर्तमान विधायक पंकज सिंह को आशीर्वाद प्राप्त हो रहा है? अभियान के सफल क्रियान्वयन में अनुज प्रधान अर्पित मिश्रा, प्रदीप मुखिया विनय मोनू जोगी साहिल अंकित अवाना प्रवीण चौहान, अजय,अमित दीक्षित करुणेश शुक्ला इत्यादि कार्यकर्ताओं ने भरपूर सहयोग किया।

भारतीय जनता पार्टी ओबीसी मोर्चा जिला महानगर नोएडा के नेतृत्व में जनसभा का आयोजन

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा । विधानसभा के प्रत्याशी पंकज सिंह के लिए आज भाजपा ओबीसी मोर्चा ने ग्राम बसई एवं हरौला सेक्टर 5 जनसभा का आयोजन किया । जिसमें मुख्य

अतिथि उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष ओबीसी मोर्चा नरेंद्र कश्यप उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महानगर अध्यक्ष उमेश पहलवान ने की संचालन महामंत्री भगत भाटी ने किया विशिष्ट अतिथि के रूप में अवध पाल यादव पूर्व मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार श्री प्रमोद कुमार प्रजापति प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य ओबीसी मोर्चा उत्तर प्रदेश सहित बैठक में लोग उपस्थित रहे श्रीमती मंजू दिनेश जी ने भी आज नोएडा विधानसभा में भाजपा प्रत्याशी एवं वर्तमान विधायक पंकज सिंह के लिए जनसंपर्क कर नोएडा के सलारपुर तिगड़ी छलेरा अगाहपुर सेक्टर 37 सेक्टर 8 में आने वाली 10 फरवरी को कमल के फूल का बटन दबाकर भारतीय जनता पार्टी को भारी मतों से विजयी बनाने का अनुरोध किया उन्होंने कहा कि पिछले 5 वर्षों में उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी की सरकार द्वारा कानून व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए अनेक कदम उठाए गए जिसमें नोएडा में कमिशनरी सिस्टम लागू करना भी प्रमुख है, उन्होंने कहा कि सुधार कानून व्यवस्था के कारण आज महिलाएं उत्तर प्रदेश में स्वयं को सुरक्षित महसूस करती हैं और आत्मनिर्भर भारत में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं, उन्होंने महिला शक्ति से आवाहन किया कि वह आगामी 10 फरवरी को पहले मतदान फिर जलपान का नियम अपने-अपने घरों में लागू करें तथा यह सुनिश्चित करें कि उनके परिवार एवं सभी परिचित 10 फरवरी को कमल के फूल पर मतदान कर पंकज सिंह को भारी मतों से विजयी बनाएं कार्यक्रम में सुखबीर सिंह, उमेश यादव, अजय मटोनिया इंद्रजीत जाटव अजय गौतम गणेश जाटव रोहित चौधरी इत्यादि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सीएम नीतीश कुमार इसी माह निकल सकते हैं समाज सुधार यात्रा पर, फिर शुरू होगा जनता दरबार

पटना। कोरोना की तीसरी लहर की वजह से बंद हुए जनता के दरबार में मुख्यमंत्री कार्यक्रम को इसी महीने फिर से शुरू किया जा सकता है। आधिकारिक तौर पर वैसे तो अभी इस बारे में कुछ नहीं कहा गया है, पर ऐसी चर्चा है

कि अगले सोमवार यानी 14 फरवरी से जनता के दरबार में मुख्यमंत्री कार्यक्रम को फिर से आरंभ किया जा सकता है। इसकी तैयारी चल रही है। साथ ही चर्चा यह भी है कि इसी महीने सीएम नीतीश कुमार समाज सुधार यात्रा पर भी निकल सकते हैं। राज?य में कोरोना की तीसरी लहर की शुरुआत हो गई थी। इसी दौरान तीन जनवरी को जब जनता के दरबार में मुख्यमंत्री कार्यक्रम में आए फरियादियों की एंटीजन जांच की गई थी, तब लगभग आधा दर्जन फरियादी कोरोना संक्रमित पाए गए थे। इसके अतिरिक्त भोजन तैयार करने वाले कर्मी और तीन सिपाही भी संक्रमित निकले थे। इससे हड़कंप मच गया था। इसके बाद मंगलवार को जनता के दरबार में मुख्यमंत्री कार्यक्रम को कोरोना की वजह से स्थगित कर दिया गया था। यह कहा गया था कि कोरोना के मामलों की संख्या कम होने के बाद जनता के दरबार में मुख्यमंत्री कार्यक्रम को पुनः शुरू किया जाएगा। बाद के दिनों में सीएम आवास के कई स्टाफ कोरोना संक्रमित हो गए थे। फिर नीतीश कुमार स्वयं कोरोना संक्रमित हो गए थे। अब कोरोना की रफ्तार थम गई है। संक्रमितों की संख्या काफी कम हो गई है तो जनजीवन पुराने ढर्रे पर लाने का प्रयास शुरू कर दिया गया है।

बसंत पंचमी के पावन पर्व पर श्री राम चरित मानस का अखंड पाठ

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा । सेक्टर 82के पाकेट 7 के शिव मंदिर पर बसंत पंचमी

के पावन पर्व पर श्री राम चरित मानस का अखंड पाठ प्रारंभ हुआ । बसंत पंचमी के पावन पर्व पर आज सुबह श्री राम चरित मानस का अखंड पाठ मंदिर के पुजारी पं विनोद मिश्र ने विधि विधान से पूजन कराकर शुरू कराया। श्री राम चरित मानस अखंड पाठ के पश्चात हवन आरती एवं महा प्रसाद वितरण किया जाएगा ।यह कार्यक्रम सोसायटी के सभी सम्मानित भक्त गण के सहयोग से हो रहा है । इस कार्यक्रम के मुख्य लोग संजय पाण्डेया,गोरे लाल,रवि राघव,एस के तिवारी,अमितेश सिंह,राजेश गुप्ता,रवीन्द्र कुमार (सिया राम),संजय मग्गू,हरि शंकर सिंह,रमेश चंद्र दास,संगम प्रसाद मिश्र,हंस मणि शुक्ल,दीपक तिवारी,संजय शुक्ला,सुभाष शर्मा,चंदन चौबे, रतन भारद्वाज, रमेश चंद्र शर्मा, श्रीमती भावना पाण्डेय,पुष्पा दास,सीमा सिंह,रश्मि राघव,विनीता रानी,सरिता सिंह,प्रियंका सिंह आदि हैं।

बाबा साहब भीमराव अंबेडकर जी के नाम से पुस्तकालय को आधुनिक बनाएंगे पंकज सिंह

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा । विधानसभा में भारतीय जनता पार्टी ने अपनी विजय को सुनिश्चित करने के लिए भाजपा

ने मजबूत किलेबंदी कर रखा है। आज नोएडा में वर्तमान विधायक एवं प्रत्याशी पंकज सिंह कार्यकर्ताओं ने नोएडा के गांवों एवं शहरों में जनसंपर्क कार्यक्रम किया। आज नोएडा विधायक अपना जनसंपर्क की शुरुआत सेक्टर 27 स्थित जैन मंदिर में दर्शन करके की। वहा से वे सेक्टर 27, छलेरा, सदरपुर, सेक्टर 37, सेक्टर 30 सहित अनेकों जगहों पर जनसंपर्क किया। अंबेडकर बिहार सैक्टर 37 स्थित अंबेडकर पुस्तकालय पर दलित समाज के सामाजिक लोगों से संवाद करते हुए विधायक पंकज सिंह ने कहा कि मैं सदैव आपके समाज के साथ हूं आपको जब भी मेरी आवश्यकता पड़ेगी मै आपके हक की लड़ाई लड़ूगा । आने वाले समय में इसे हम एक आधुनिक पुस्तकालय का रूप देंगे यहां पर गरीब शोषित वंचित सभी लोग अगर इसका लाभ लेंगे और बाबा साहब के सपनों को साकार करेंगे एंव अपने सपनों को साकार करेंगे। कि कैसे आदरणीय मोदी जी एवं योगी जी द्वारा किए जा रहे कार्य एवं उनके दीर्घकालिक परिणामों कि लाभ प्रदेश को मिल रहा है। उन्होंने बताया कि आज भारत विश्व गुरु बनने की ओर अग्रसर है और भारत विश्व गुरु बने इसके लिए आदरणीय मोदी जी और योगी जी को सतत जन आशीर्वाद और युवाओं के सहयोग की आवश्यकता है उन्होंने लोगों से अपील की 10 तारीख को ज्यादा से ज्यादा संख्या में जाकर कमल के निशान पर वोट करे दूसरी तरफ़ नीरज सिंह जी ने भी नोएडा विधानसभा के पुराना अलवरदीपुर, शक्ति एनक्लेव सालारपुर, सेक्टर 48, धन्य निकेतन सोसायटी सेक्टर 41,सेक्टर 45 सहित विभिन्न जगहों पर डोर टू डोर जाकर करके भाजपा के पक्ष में वोट देने की अपील किया,लोगो को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि मोदी जी एवं योगी जी के हाथों को और सशक्त बनाने के लिए नोएडा से भाजपा प्रत्याशी पंकज सिंह को भारी मतों से विजयी बनाने का अनुरोध भी किया। इस मौके पर दलित उत्थान संघर्ष महासभा के अध्यक्ष भीमराज जाटव, महामंत्री गणेश जाटव, लोकेश कश्यप, हर्ष चतुर्वेदी आदि उपस्थित रहे ।

मैहर पुलिस के टीआई द्वारा आज जमकर किया गया बवाल, सब्जी मंडी में बच्चों और महिलाओं से की धक्का-मुक्की

(आधुनिक समाचार सेवा)
दिनेश यादव

मैहर । टीआई के कारनामे आए शहर की सुखिर्यों में बने रहते हैं आज ऐसा एक नजारा सब्जी मंडी में देखने को मिला जहां अतिक्रमण हटाने गई थी मेहर पुलिस वहीं महिलाओं और बच्चों से धक्का और पुरुषों की पिटाई कर दी लेकिन कुछ वीडियो हाथ लगे और कुछ बच गए कई लोगों ने तो टीआई का वीडियो बनाने की कोशिश करी तो टीआई बाल पकड़कर मारे और मोबाइल छीनने की कोशिश की, एक व्यक्ति का सिर पर मामूली चोट आई जिसे पुलिस द्वारा अस्पताल पहुंचाया गया बवाल इतना तेज हो गया कि पुलिस के साथ आम जनमानस की धक्का-मुक्की हो गई और पुलिस को मजबूरन घायल व्यक्ति को अस्पताल ले जाना पड़ा सवाल ये उठता है कि मैहर की टी आई के कारनामे मेहर और समूचे राज्य में फेमस है और आधे से ज्यादा बवाल टी आई के द्वारा ही शुरू किया गया जाता है लेकिन न जाने क्यों सतना एसपी उन पर मेहरबान हैं

उद्यान विभाग द्वारा संचालित नर्सरी मऊ का कलेक्टर ने किया निरीक्षण

(आधुनिक समाचार सेवा)
दुर्गेश कुमार गुप्ता

शहडोल । 2021- जनपद पंचायत ब्यौहारी के भ्रमण के दौरान कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्रीमती वंदना वैद्य ने आज उद्यान

विभाग के अंतर्गत संचालित मऊ नर्सरी का अवलोकन किया। अवलोकन के दौरान कलेक्टर ने विभिनन प्रकार के फलदार पौधों की जानकारी प्राप्त की कलेक्टर को उद्यान विभाग के अधिकारियों ने जानकारी दी कि उद्यान में आम, अमरूद, नींबू, करौंदा चीकू इत्यादि के पेड़ विशेष रूप से रोपित किए गए हैं। जो समय समय पर फल देते हैं। नर्सरी का रखरखाव उद्यान विभाग द्वारा किया जाता है तथा यहां के स्थानीय माली द्वारा पौधों को पानी इत्यादि प्रदान किया जाता है। इस दौरान कलेक्टर ने चीकू तथा नींबू के फल को चखा तथा उनका स्वाद लिया और माली द्वारा नर्सरी की की गई रखरखाव कार्य की प्रशंसा भी की। निरीक्षण के दौरान तहसीलदार ब्यौहारी श्री अभयानंद शर्मा एवं लोकसेवा प्रबंधक श्री अवनीश दुबे सहित उद्यान विभाग के विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

भाजपा का सब का साथ-सब का विकास का नारा झूठा

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा । सपा नोएडा से गठबंधन के प्रत्याशी सुनील चौधरी ने सपा महानगर और ग्रामीण अध्यक्ष महेंद्र यादव की टीम के साथ शनिवार को अक्षरधाम

जमीन को बेचने की तैयारी है। कोरोना काल में सपा ने अपनी सेविंग से पैसा निकाला। देश के कुछ उद्योगपति कहां पहुंच गए। सबसे नकली नारा सबका साथ-सबका विकास है। सपा सरकार में संस्कृत विद्यालयों और मदरसों में पढ़ने वाले बच्चों को लैपटॉप दिया गया था। सपा प्रोग्रेसिव सोच वाली है। भाजपा शमसान और कब्रिस्तान की राजनीति करती है। गरीब आदमी अपनी आवाज उठाए और अपना हक मांगे तो भाजपा नेता को यह नागवार गुजरता है। निर्देषों के फर्जी एनकाउण्टर की कई घटनाएं घट चुकी है। भाजपा ने सिर्फ झूठ बोला है।लोकतांत्रिक व्यवस्था को नेस्तनाबूत किया।महंगाई बढ़ाकर हर वर्ग को परेशान किया। सपा सरकार आने पर जनता से किए गए सभी वादों को पूरा किया जाएगा। साइकिल और हैडपंप के साथ आने से बीजेपी का दरवाजा बंद हो गया है। सपा सरकार ने गरीब महिलाओं को पैंशन देने का काम किया। इस बार सरकार बनने पर पेंशन की राशि को तीन गुना बढ़ाकर पंद्रह सौ रुपए प्रति माह दिया जाएगा। किसान आंदोलन में 700 किसान शहीद हुए है। लेकिन सरकार ने कुछ नहीं किया। सरसपा सरकार बनने पर 64 प्रतिशत मुआवजा, आबादी निस्तारण, कच्ची कॉलोनी, झुग्गी-झोपडी के विकास का मुद्दा हल किया जाएगा। जो जहां है उसे वहीं घर दिया जाएगा। बिल्डर बायर्स के मुद्दों को हल करके फ्लैटों की रजिस्ट्री कराई जाएगी। रेहड़ी-पटरी का मुद्दा हल करके किराया कम किया जाएगा। शहर के पानी की गुणवत्ता खराब है। सरकार बनने पर गंगा जल की आपूर्ति की जाएगी। स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत किया जाएगा। पानी, बिजली, सड़क जैसी मूलभूत सुविधाओं का हल प्राथमिकता है। एम्स की स्थापना की जाएगी। डिग्री कॉलेज बनाया जाएगा ।

सपा कार्यकर्ताओं ने निठारी गांव में घर घर मांगे वोट

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा । समाजवादी पार्टी नोएडा ग्रामीण के महासचिव एवं प्रवक्ता राघवेंद्र दुबे के नेतृत्व में सपा कार्यकर्ताओं ने सेक्टर 31 स्थित निठारी गांव में घर घर जाकर सपा प्रत्याशी सुनील चौधरी के लिए

वोट और समर्थन मांगा। इस दौरान सभी ने पूरा समर्थन देने का आश्वासन दिया।इस अवसर पर जिला महासचिव एवं प्रवक्ता राघवेंद्र दुबे ने कहा कि सपा गठबंधन की पूरे उत्तरप्रदेश में लहर चल रही है। अबकी बार नोएडा में जनता ने परिवर्तन का मन बना लिया है और सुनील चौधरी ऐतिहासिक मतों से जीतने जा रहे हैं। सपा शासनकाल में नोएडा में विकास की नई इबारत लिखी गई थी। मेट्रो लाना, एलिवेटेड रोड, अंडर पास, शिल्पहाट, नारी निकेतन, सेक्टर 39 में हॉस्पिटल, होशियार पुर में कन्या इंटर कॉलेज, सर्फाबाद में मिनी स्टेडियम, मल्टीलेवल पार्किंग जैसे तमाम ऐतिहासिक विकास के कार्य किये। सपा सरकार आने पर तीन सौ यूनिट बिजली फ्री, किसानों की सिंचाई के लिए बिजली फ्री, छात्रों को दोबारा लेपटॉप वितरण, महिलाओं व वृद्धों को पेंशन, किसानों की समस्याओं का निराकरण सहित तमाम कार्य किये जायेंगे। भाजपा का सफाया उत्तरप्रदेश से होना तय है। इस अवसर पर मज़दूरसभा अध्यक्ष अर्जुन प्रजापति, मनोज प्रजापति, जसराम चौधरी, दिनेश सहित कई सपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

दिल्ली के एजेंटों ने गुजरात में दंपती के घर की फायरिंग, एक गिरफ्तार

अहमदाबाद। गुजरात में गांधीनगर कलोल के एक दंपती को गैरकानूनी तरीके से अमेरिका भेजने वाले दिल्ली के चार एजेंटों (कबूतरबाजों) ने लेन-देन को लेकर शुक्रवार शामें फायरिंग की। पुलिस ने एक आरोपित रुत्विक परीख को दबोच लिया है।` के प्रयास में अपनी जान गंवा चुके हैं। एक बार फिर कलोल का एक परिवार अमेरिका जाने के लिए दिल्ली के एजेंटों के चंगुल में फंस गया।

डीडीए हाउसिंग स्कीम में घर खरीदने का मौका, घर बैठे सिर्फ 15 मिनट में करें आवेदन

नई दिल्ली। देश की राजधानी में फ्लैट खरीदना चाहते हैं तो दिल्ली विकास प्राधिकरण की आवासीय योजना 2021 में सोमवार को जरूर आवेदन कर दें। डीडीए की इस योजना में आवेदन का सोमवार को अंतिम दिन है। इस योजना में आवेदन करने से चूक गए तो आपको छह महीने से लेकर एक साल तक का इंतजार करना पड़ सकता है। दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने दिसंबर, 2021 में आनलाइन विशेष आवासीय योजना- 2021 लांच की थी। इस योजना में पिछली योजनाओं में बिकने से रह गए 18335 फ्लैट शामिल किए गए हैं। डीडीए की इस आवासीय योजना की विशेषता यह है कि इसमें सबसे अधिक एलआइजी के फ्लैट हैं, जिनकी संख्या 11452 है। इसके अलावा, ईडब्लूएस, एमआइजी और एचआइजी श्रेणी के फ्लैट भी योजना में शामिल किए गए हैं हैं। इनकी कीमत 10 लाख रुपये से लेकर 2.14 करोड़ रुपये तक है। योजना में शामिल होने के लिए सोमवार शाम तक आवेदन किया जा सकेगा। आवेदन से लेकर अन्य सभी प्रक्रिया आनलाइन है। डीडीए की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर लोग अपनी क्षमता के हिसाब से आवेदन कर सकेंगे। डीडीएडाटओआरजी पर आवेदन करना होगा। ईडब्लूएस श्रेणी के लिए पंजीकरण राशि 25 हजार है। एलआइजी के लिए एक लाख और एमआइजी व एचआइजी के लिए दो लाख रुपये पंजीकरण राशि रखी गई है।

इस राज्य में आने वाले 15 दिनों तक बजेंगे लता मंगेशकर के गाने, मुख्यमंत्री ने ऐसे जताया शोक

नई दिल्ली। भारत की स्वर कोकिला लता मंगेशकर के निधन से देशभर में शोक का माहौल है। उन्होंने रविवार को आखिरी सांस ली। लता मंगेशकर के निधन के

बाद फिल्मी हस्तियों के अलावा देश की अन्य बड़ी हस्तियों ने शोक व्यक्त किया। इतना ही नहीं देश के कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने भी अपने यहां लता मंगेशकर के निधन शोक की घोषणा की है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी दिग्गज गायिका के लिए अपने राज्य में अलग तरह से शोक व्यक्त करने का फैसला किया है। उन्होंने घोषणा की है कि 15 दिनों तक पूरे राज्य में लता मंगेशकर के गाने बजाए जाएंगे। अंग्रेजी वेबसाइट हिंदुस्तान टाइम्स की खबर के अनुसार पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने लता मंगेशकर के निधन पर पूरे राज्य ने शोक की घोषणा की है। साथ ही सोमवार यानी 7 फरवरी को राज्य में हाफ डे की भी घोषणा की है। ममता बनर्जी ने अपना एक बयान जारी करते हुए कहा, 'पश्चिम बंगाल में अगले 15 दिनों तक सार्वजनिक जगहों, सरकारी इमारतों और ट्रैफिक सिगन्ल्स पर लता मंगेशकर के गाने बजाए जाएंगे।' सोशल मीडिया पर ममता बनर्जी ने लता मंगेशकर ने निधन को शोक भी जताया है। ममता बनर्जी ने अपने ट्वीट में लिखा,'मैं देश की महान शख्सियत भारत रतन लता मंगेशकर को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करती हूं। उनके परिवार और दुनिया भर में उनके अरबों प्रशंसकों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करती हूं। वह सचमुच भारत की सुर कोकिला थीं।' ममता बनर्जी ने ट्वीट में आगे लिखा, 'दुनिया भर में उनके सभी फैंस और शुभचिंतकों की तरह, मैं भी उनकी आवाज और प्रस्तुतिकरण से मंत्रमुग्ध थी और मैं आभारी महसूस करती हूं कि उन्होंने बंगाल और पूर्वी भारत के कलाकारों को स्नेह और संगीत की अपनी शानदार दुनिया के लिए अभिन्न माना।' सोशल मीडिया पर ममता बनर्जी के ट्वीट्स वायरल हो रहे हैं।

कंगना रनोट के 'लॉक अप' में इस तारीख से शुरू होगा अत्याचारों का सिलसिला, लाइव स्ट्रीमिंग में दर्शक निभाएंगे यह भूमिका

नई दिल्ली। कंगना रनोट लॉक अप- बेडऐस जेल, अत्याचारी खेल के साथ रिएलिटी शोज और होस्टिंग की दुनिया में कदम रख रही हैं। एकता कपूर निर्मित यह शो ऑल्ट बालाजी और एमएक्स

प्लेयर पर स्ट्रीम किया जाने वाला है। गुरुवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के जरिए शो का आधिकारिक एलान किया गया और इसके फॉर्मेट के बारे में जानकारी दी गयी थी। अब इसकी प्रीमियर डेट सामने आयी है। लॉक अप 27 फरवरी से ऑल्ट बालाजी और एमएक्स प्लेयर पर स्ट्रीम किया जाएगा। जानकारी के मुताबिक, यह कैप्टिव रिएलिटी शो 24 घंटे और सातों दिनों लाइव स्ट्रीम होगा। कंगना के साथ सभी सेलेब्रिटी कंटेस्टेंट्स को लॉक अप में बंद कर दिया जाएगा। इस शो के फॉर्मेट और होस्ट कंगना के व्यक्तित्व को देखते हुए माना जा रहा है कि लॉक अप में बॉलीवुड को लेकर कई सनसनीखेज खुलासे हो सकते हैं। कंगना अपनी बेबाकी के लिए जानी जाती हैं और अक्सर मुद्दों पर खुलकर बोलती रही हैं। सोशल मीडिया में भी उनकी यही छवि निकलकर आती है। शो में कंगना के जरिए हर रोज नये हंगामों के कयास लगाये जा रहे हैं। कयास यह भी है कि कंगना इस शो में बॉलीवुड सेलेब्रिटीज के साथ अपनी समीकरणों पर भी कुछ खुलासे कर सकती हैं।

जन्नत जुबैर ने डीप नेक बिकिनी में करवाया बोल्ड फोटोशूट, तस्वीरें देख फैंस ने कहा, 'जो जन्नत से जले, जरा साइड से चले'

नई दिल्ली। टीवी एक्ट्रेस जनन्त जुबैर ने अपनी हालिया बोल्ड फोटोशूट इंस्टाग्राम पर शेयर की हैत् इसमें उन्हें ब्लैक कलर की डीप नेक बिकिनी पहने देखा जा सकता है इसके अलावा उन्होंने स्किन

टाइट पैंट भी पहन रखी है पहली फोटो में वह दुबई के समुद्र तट से फोटो लेती नजर आ रही है वहीं दूसरी फोटो में वह क्लोजअप लेकर मुस्कुराती हुई नजर आ रही हैं उन्होंने मेकअप कर रखा हैत् उन्होंने लिपस्टिक लगा रखी है और वह फोटो में बहुत कूल लग रही है वहीं तीसरी फोटो में वह एक बोट पर है और वह स्किन टाइट ड्रेस पहनकर बोल्ड अंदाज में पोज करती हुई नजर आ रही है जनन्त जुबैर टीवी एक्ट्रेस है उन्होंने कई टीवी शो में काम किया है वह सोशल मीडिया पर भी काफी सक्रिय हैं वह अक्सर अपनी हॉट और बोल्ड तस्वीरें और वीडियो शेयर करती हैत् लिखा है जनन्त जुबैर ने कई लोगों को टैग किया है जनन्त जुबैर की फोटो इंस्टाग्राम पर वायरल हो गई है इसे 40 मिनट में 140000 से ज्यादा लाइक्स मिल चुके है वहीं इसपर 2000 से ज्यादा कमेंट किए हैं एक फैन ने लिखा है, 'वाह' वहीं एक अन्य ने लिखा है, 'अमेजिंग वहीं एक अन्य ने लिखा कई लोगों ने दिल और आग की इमोजी भी शेयर की है जनन्त जुबैर अक्सर अपने फैंस से बातचीत करती है इसके चलते उनके फैंस भी काफी उत्साहित रहते हैंत् जनन्त जुबैर ने हाल ही में अपनी डीप नेक ड्रेस में तस्वीरें शेयर की थी, जिसे काफी पसंद किया गया था। जनन्त जुबैर को फोटो को लेकर फैंस भी काफी उत्साहित रहते है।

अमृत महोत्सवः चौरी चौरा कांड नहीं संग्राम था, फिल्म '1922 प्रतिकार चौरी चौरा' से सामने आएगी सच्चाई

मुंबई । आज ही के दिन वर्ष 1922 में अंग्रेजी शासन के जुल्म के विरुद्ध उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जिले के चौरी चौरा गांव में आम लोग एकजुट होकर मुखर हुए थे। उनकी तीक्ष्ण प्रतिक्रिया को चौरी चौरा कांड के रूप में उल्लेखित किया गया, जबकि इतिहासकारों का मत है कि वह दलित, पिछड़े और गरीब किसानों की क्रांतिकारी बगावत थी। इस घटना पर आधारित फिल्म '1922 प्रतिकार चौरी चौरा' का निर्देशन अभिक भानु ने किया है। फिल्म में रवि किशन मुख्य भूमिका में हैं चौरी चौरा की घटना के सौ साल पूरे होने पर फिल्म बनाने को लेकर अभिक भानु बताते हैं कि लखनऊ में एक दिन बातचीत के दौरान भारतेंदु नाट्य अकादमी के अध्यक्ष ने कहा कि आप अलग तरह की फिल्में बनाते हैं। आप चौरी चौरा घटना पर फिल्म क्यों नहीं बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस घटना में बहुत सारे तथ्यों को छुपाया गया है। फिर हमने गहन रिसर्च की। रिसर्च के दौरान बहुत सारे दस्तावेज मेरे हाथ लगे। उनमें कई अनसुने और दिलचस्प तथ्य सामने आए। इस घटना पर शाहिद अमीन ने अपनी किताब 'इवेंट, मेटाफर, मेमोरी चौरी चौरा 1922-1992' में घटना के पीछे आमजन में स्थानीय जमींदारों और ब्रिटिश सत्ता के खिलाफ असंतोष-आक्रोश को रेखांकित करने की कोशिश की है। अविस्मरणीय घटना पर दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के मध्यकालीन एवं आधुनिक इतिहास विभाग के प्रमुख प्रो. हिमांशु चतुर्वेदी ने 'चौरी चौरा- एक पुनरावलोकन, राष्ट्रीय आयाम की स्थानीय घटना' किताब लिखी है।

भोजपुरी फिल्म 'रोटी' का ट्रेलर हुआ लॉन्च

नई दिल्ली। मधु मंजुल आर्ट्स और गीता तिवारी प्रोडक्शन के बैनर तले बनी भोजपुरी फिल्म 'रोटी' का ट्रेलर वर्ल्डवाइड रिकार्ड्स भोजपुरी के ऑफिसियल यूट्यूब चैनल से जारी हो चुका हैं। फिल्म में लीड रोल में कुणाल तिवारी और काजल यादव एक निर्धन दंपत्ति हैं, जोकि अपना और अपने बच्चों की भूख मिटाने के लिए भरपेट रोटी के लिए तरसते हैं। उनका किरदार बहुत ही मार्मिक और दिल को झकझोर देना वाला है। फिल्म का ट्रेलर दिल को छू लेने वाला है। फिल्म के निर्माता धीरेंद्र कुमार झा और गीता तिवारी हैं। वही इसके निर्देशन की कमान खुद धीरेंद्र कुमार झा ने संभाली है। फिल्म में कुणाल तिवारी, काजल यादव, सोनालिका प्रसाद, अमित शुक्ला, प्रकाश जैस, सोनिया मिश्रा, देवेंद्र पाठक, उमाकांत राय सहित कई कलाकार है। गौरतलब है फिल्म रोटी का ट्रेलर लोगों को को काफी पसंद आया है। जिसमें अभिनेता कुणाल तिवारी और अभिनेत्री काजल यादव को पति-पत्नी के रूप में दिखाया गया है, जो रोटी के

लिए जद्दोजहद करते हुए नजर आ रहे हैं। गांव देहात के परिवेश बनी फिल्म रोटी की कहानी एकदम हटकर बहुत मार्मिक है। ट्रेलर में दिखाया गया है कि कुणाल तिवारी का परिवार बहुत गरीब है। वह अपने बच्चों को पढ़ाई लिखाई करने की बात तो दूर की है, उनके पास शाम को भूख मिटाने के लिए रोटी खाने भी दिक्कत है। ट्रेलर में कुछ ऐसे मुद्दों को दिखाया है जो दर्शकों को सोचने पर मजबूर कर देगा। वर्ल्डवाइड रिकार्ड्स के एमडी रतनकर कुमार ने कहा कि ट्रेलर बहुत ही शानदार है। इसमें कुणाल तिवारी और काजल यादव के साथ सोनालिका प्रसाद का किरदार बहुत ही शानदार है।ट्रेलर बहुत ही बढ़िया है। फ़िल्म के गाने और म्यूजिक भी बहुत ही जबरदस्त है। निर्देशक धीरेंद्र कुमार झा ने कहा कि 'यह भोजपुरी भाषी लोगों और फिल्म जगत के लिए गर्व की बात है। इंडस्ट्री में फिल्मों का ग्राफ तो बढ़ा लिया है, लेकिन बिना नेशनल और इंटरनेशनल सम्मान के कुछ अधूरापन सा लगता है। ऐसे सम्मान आपको हमेशा अच्छी फिल्में करने के लिए प्रेरित करते है।

'लव हॉस्टल' में नेगेटिव किरदार में दिखेंगे बॉबी देओल, इस तारीख को OTT पर रिलीज होगी फिल्म, देखें फर्स्ट लुक

नई दिल्ली। आश्रम वेब सीरीज और क्लास ऑफ 83 के बाद बॉबी देओल एक बार फिर ओटीटी प्लेटफॉर्म पर अपना दमखम दिखाने के लिए तैयार है। बॉबी की अगली फिल्म लव हॉस्टल जी5 पर रिलीज होगी। इस फिल्म में बॉबी नेगेटिव किरदार में दिखायी देंगे। बॉबी ने अपना लुक सोशल मीडिया में शेयर किया है, जिसे काफी पसंद किया जा रहा है। फिल्म का निर्देशन शंकर रमन ने किया है। शंकर इससे पहले पंकज त्रिपाठी के साथ गुड़गांव बना चुके हैं। फिल्म का निर्माण शाह रुख खान की कम्पनी रेड चिलीज एंटरटेनमेंट ने किया है। लव हॉस्टल की कहानी उत्तर भारत में दिखायी गयी है। बॉबी फिल्म में एक मर्सिनरी के किरदार में है, जो विक्रांत मैसी और सान्या मल्होत्रा के पीछे पड़ा है। विक्रांत और सान्या लवर्स के किरदार में है। बॉबी ने इंस्टाग्राम पर दो तस्वीरें साझा की हैं। एक में उनका लुक दिखाया गया है, जबकि दूसरी में विक्रांत मैसी, सान्या मल्होत्रा और शंकर रमन हैं। इन तस्वीरों के साथ बॉबी ने लिखा- क्या प्यार नफरत से बच पाएगा क्या प्यार सभी मुश्किलों से जीत सकेगा लव हॉस्टल 25 फरवरी को जी5 पर रिलीज होगी।रेड चिलीज के साथ बॉबी का यह दूसरे एसोसिएशन है।

श्वेता तिवारी ने थाई हाई स्लिट गाउन में कराया बोल्ड फोटोशूट

नई दिल्ली। पलक तिवारी की मां श्वेता तिवारी ने इंस्टाग्राम पर अपनी हालिया बोल्ड फोटोशूट की तस्वीरें शेयर की है इसमें उन्हें थाई हाई स्लिट गाउन पहने देखा जा सकता है वह काफी खूबसूरत लग रही है उन्होंने अपने बाल खोल रखे है और वह मेकअप कर काउच पर बैठकर पोज देती नजर आ रही है उन्होंने लिपस्टिक भी लगा रखी है पहली फोटो में वह काउच पर बैठकर कॉफी का मग हाथ में लेकर बोल्ड पोज दे रही है वहीं दूसरी फोटो में वह अलग अंदाज में पोज दे रही है तीसरी फोटो में वह खिड़की पर पास खड़ी होकर पोज दे रही है श्वेता तिवारी ने तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा है, 'सिर्फ एक कप ऑफ कॉफी श्वेता तिवारी की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो गई है इसे 3 घंटे में 62 हजार से ज्यादा लाइक्स मिले है वहीं इसपर 510 से ज्यादा कमेंट किए गए हैंत् एक ट्रोलर ने लिखा है, 'एक कॉफी पीने के लिए इतना सारा मेकअप वहीं एक फैन ने लिखा है, 'इस मुस्कान से जिंदगी का दर्द नहीं छुपा रहा फिर भी जज्बे और अकेलेपन को सलाम वहीं एक फैन ने लिखा है, 'बहुत खूबसूरत तस्वीर है वहीं एक अन्य ने लिखा है, 'सो हॉट श्वेता तिवारी टीवी एक्ट्रेस है उन्होंने कई टीवी शो में काम किया है वह टीवी की चर्चित कलाकार है उन्होंने बिग बॉस में भी भाग लिया है वह अक्सर अपनी हॉट और बोल्ड तस्वीरें और वीडियो इंस्टाग्राम पर शेयर करती है, जिन्हें काफी पसंद किया जाता हैंत् हाल ही में वह अपने बयान को लेकर विवादों में भी थी हालांकि बाद में उन्होंने सफाई दी।श्वेता तिवारी ने कई कलाकारों के साथ काम किया है।

रवि तेजा के दिवानों के लिए खुशखबरी, फिल्म 'खिलाड़ी' 11 फरवरी को अब हिंदी में भी होगी रिलीज

नई दिल्ली। साउथ फिल्मों का डंका पूरे देश में बज रहा है। लोगों को साउथ फिल्मों की कहानी और उनका जबरदस्त एक्शन बहुत पसंद आ रहा है। यहां तक के फिल्मों के

डायलॉग और गानें इतने बेहतरीन होते है कि लोगों के जहन में बस जाते हैं। वसंत पंचमी के मौके पर साउथ फिल्मों के फैंस के लिए एक बड़ी खुशखबरी आई है। साउथ फिल्म इंडस्ट्री के जाने-माने एक्टर रवि तेजा की बहुप्रतीक्षित एक्शन एंटरटेनर फिल्म 'खिलाड़ी' 11 फरवरी को सिनेमाघरों में हिंदी में रिलीज होने जा रही है तीन दशकों से भी ज्यादा समय से फिल्मों में सक्रिय रवि तेजा की लोकप्रियता को देखकर उनकी फिल्म 'खिलाड़ी' को अब हिंदी भाषा में रिलीज करने का फैसला किया गया है। पेन स्टूडियो द्वारा निर्मित फिल्म में रवि तेजा पूरी तरह से अलग भूमिका में दिखाई देंगे। फिल्म में उनके साथ मीनाक्षी चौधरी और डिंपल हयाती मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म को जयंतीलाल गड़ा (पेन स्टूडियो) और ए स्टूडियोज के सहयोग से निर्मित किया गया है। यह यूनिवर्सल स्टोरी के साथ एक एक्शन से भरपूर थ्रिलर फिल्म है, जिसमें रवि तेजा का डबल रोल होग फिल्म को हिंदी में रिलीज करने पर जयंतीलाल गडा कहते है,जैसे-जैसे समय बदला है, लोगों में ओरिजनल कंटेट की मांग बढ़ी है, क्योंकि दर्शक फिल्म को उसके प्योर फार्म में देखना पसंद करते है। भारत भर में रवि तेजा की लोकप्रियता के साथ फिल्म 'खिलाड़ी' की कहानी बेहद मनोरंजक है। इसलिए पेन स्टूडियोज को लगा कि उनकी फिल्म को हिंदी भाषा में भी सिनेमाघरों में रिलीज किया जाना चाहिए।' रवि तेजा ने साउथ फिल्मों में एक अलग पहचान बनाई है, उनकी पॉपुलैरिटी इतनी है कि उनकी फिल्म आते ही छा जाती है। फिर भी अब तक रवि तेजा की कोई फिल्म हिंदी भाषा में रिलीज नहीं की गई है। लेकिन हिंदी में डब उनकी कई मूवी टेलीविजन और यूट्यूब पर दिखती रही है। ये पहला मौका होगा जब रवि तेजा की कोई फिल्म हिंदी भाषा में रिलीज होने जा रही है। लिहाजा इसे रवि तेजा का हिंदी डेब्यू कहा जा रहा है रवि तेजा की फिल्में 'किक', 'बंगाल टाइगर', 'विक्रमारकुडु' जैसी फिल्में जनता के बीच बेहद लोकप्रिय है। इसलिए उम्मीद की जा रही है कि खिलाड़ी भी सिंगल स्क्रीन्स पर ऑडियंस को खूब पसंद आएगी। 'खिलाड़ी' के बाद रवि तेजा 'रामाराव ऑन ड्यूटी' में दिखाई देंगे।

सुनील ग्रोवर के इलाज को लेकर सलमान खान हुए फिक्रमंद, कॉमेडियन को दी अपने पर्सनल डॉक्टरों की टीम

नई दिल्ली। टीवी की दुनिया में 'गुत्थी' और 'डॉ मशहूर गुलाटी' के नाम से लोकप्रिय सुनील ग्रोवर हाल ही में हेल्थ कारणों से चर्चाओं में आए हैं। सुनील ग्रोवर को हार्ट अटैक आया था, इसके चलते उनकी सर्जरी की गई और अब वे पहले से काफी बेहतर हैं। एक्टर को ब्लॉकेज के कारण हार्ट अटैक

आया था। उनकी सर्जरी मुंबई के एशियन हार्ट इंस्टिट्यूट में हुई थी और अब उन्हें डिस्चार्ज कर दिया गया है। इंडस्ट्री के कई सेलिब्रिटीज ने सुनील ग्रोवर की हालत पर चिंता व्यक्त की है और अब खबर आ रही है कि बॉलीवुड के भाईजान सलमान खान भी सुनील ग्रोवर की हेल्थ को लेकर फिक्रमंद हैं। सुनील ग्रोवर के हेल्थ पर 'मैन ऑफ गोल्डन हार्ट' कहे जाने वाले सलमान खान ने ना सिर्फ चिंता व्यक्त की ब्लकि उन्होंने अपने डॉक्टरों की टीम से सुनील की हेल्थ पर नजर रखने के लिए भी कहा है। आपको बता दें कि सुनील ग्रोवर और सलमान खान ने फिल्म भारत में साथ काम किया था और तभी से दोनों की पक्की दोस्ती है। इंडिया टुडे' की रिपोर्ट के अनुसार, सलमान ने बीइंग ह्यूमन के साथ काम करने वाले डॉक्टरों की अपनी टीम से कहा है कि वह सुनील ग्रोवर की हेल्थ पर बारीक से नजर रखें और यह सुनिश्चित करें कि कॉमेडियन ठीक हैं। सलमान की टीम ने सुनील की हार्ट सर्जरी पर भी नजर रखी थी। सुनील ग्रोवर के हार्ट सर्जरी की जानकारी लोगो को सोशल मीडिया के जरिए हुई और फैंस उनकी सर्जरी के बारे में सुनकर शॉक्ड रह गए। यहां तक के सुनील के साथ काम कर चुके कपिल शर्मा और एक्टर अली असगर को भी इस बात की खबर नही थी। अली असगर ने तो यह तक कहा कि जब उन्हें कॉमेडियन की सर्जरी के बारे में पता लगा तो पहले तो उन्हें यह खबर फेक लगी। हिन्दुस्तान टाइम्स संग बातचीत में अली असगर ने कहा, 'यह बेहद चौंकाने वाली खबर थी। इस उम्र में, वह काफी फिट और ऐक्टिव है, इसलिए यह बेहद डराने वाली खबर भी थी। शुरू में मुझे लगा कि यह एक फेक न्यूज है। मुझे अभी भी विश्वास नहीं हो रहा था कि यह हार्ट अटैक था। लेकिन अब यह कन्फर्म हो गया है कि यह एक हार्ट अटैक ही था। सुनील एक ऐसे आदमी है जो दूसरों को हंसाते हैं, उनके साथ ऐसा नहीं होना चाहिए था। हर आदमी की दुआएं उनके साथ हैं।

Shehnaaz Gille का 'बार्बी डॉल' लुक चर्चा में, फ्रेंट नेटेड ड्रेस पहन कराया ग्लैमरस फोटोशूट

नई दिल्ली। पंजाब की जानी मानी एक्ट्रेस और 'बिग बॉस 13' फेम शहनाज कौर गिल धीरे धीरे

खुद को एक्टर सिद्धार्थ शुक्ला की यादों से बाहर निकाल रही हैं। सिद्धार्थ के निधन ने शहनाज को बुरी तरह से टोड़कर रख दिया था। शहनाज और सिद्धार्थ शुक्ला के बीच की गहरी दोस्ती किसी से छिपी नहीं है। सिद्धार्थ के निधन के करीब तीन महीने बाद शहनाज ने खुद को काम में बिजी रखना शुरू कर दिया है। हाल ही में शहनाज बिग बॉस के सीजन 15 के ग्रैंड फिनाले में नजर आई थीं। ग्रैंड फिनाले में शहनाज के धमाकेदार परफॉर्मेंस ने हर किसी को हैरान किया था। इसी बीच अब शहनाज के लेटेस्ट फोटोशूट ने फैंस का दिल जीत लिया है। यहां देखें तस्वीरें शहनाज कौर गिल ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर अपनी कई सारी लेटेस्ट तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों में बेहद ही ग्लैरस अंदाज में नजर आ रही हैं। तस्वीरों में आप देख सकते हैं कि शहनाज ने क्रीम कलर की फ्रिल वाली फ्रॉक पहनी हुई है जिसका नेक आगे से नेटेड है। इस दौरान उनके बाल ओपन हैं। वहीं उनकी ये तस्वीरें देखकर ऐसा लग रहा है जैसे उन्होंने अपने किसी नए म्यूजिक वीडियो के लिए फोटोशूट कराया है। इन तस्वीरों को देखकर कोई भी अपना दिल हार सकता है। फोटोशूट में शहनाज के बाल ओपन हैं। वहीं वह अलग-अलग अंदाज में पोज देती दिख रही हैं। आपको बता दें कि इससे पहले शहनाज गिल ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ तस्वीरें शेयर की थीं। कि रोजी चिक्स और मैट लिप्स के साथ स्टेटमेंट आईब्रो में वो काफी ग्लैमरस दिख रही हैं। इस पूरे लुक के साथ शहनाज ने डायमंड सेट कैरी किया है और स्ट्रेट खुले बालों में बेहद गॉर्जियस दिख रही हैं। सभी तस्वीरों में वह अलग-अलग पोज करती नजर आ रही है और उनका हर अंदाज जुदा है।

हिना खान ने स्किन टाइट क्रॉप टॉप पहनकर दिए बोल्ड पोज

नई दिल्ली। हिना खान ने इन्स्टाग्राम पर अपनी हालिया बोल्ड फोटोशूट की तस्वीरें शेयर की है इसमें उन्होंने स्किन टाइट क्रॉप टॉप और लेगिंग्स पहन रखी है हिना खान योगा मेट पर बैठकर बोल्ड पोज देती नजर आ रही हैं हिना खान तस्वीरों में काफी बोल्ड लग रही है हिना खान ने तस्वीरें एक कोट के साथ पोस्ट की है उन्होंने लिखा है, 'स्वास्थ्य ही संपत्ति है' उनकी तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो गई है इसे 50 मिनट में 65000 से ज्यादा लाइक्स मिले हैं वहीं इसपर 600 से ज्यादा कमेंट किए गए हैं हिना खान के बाल तस्वीरों में खुले हुए हैं और वह बोल्ड अंदाज में पोज देती हुई नजर आ रही हैं उन्होंने लाल कलर के जूते पहन रखे हैं पहली फोटो में वह योगा मैट पर बैठकर पोज दे रही है वहीं दूसरी फोटो में वह पालथी मारकर बैठने का प्रयास कर रही है तीसरी फोटो में अलग अंदाज में पोज दे रही हैत् वहीं चौथी फोटो में वह अपने बालों को पकड़े अलग अंदाज में पोज दे रही है पांचवी तस्वीर में वह कहीं और देख रही हैं हिना खान की हॉट तस्वीरें इंस्टाग्राम पर वायरल हो गई है एक्ट्रेस मोनालिसा ने तस्वीरों पर कमेंट करते हुए लिखा, 'सही बात है वहीं कई लोगों ने आग और दिल की इमोजी भी कमेंट की है वहीं कई लोगों ने ब्यूटीफुल और नाइस भी लिखा है हिना खान इन दिनों रॉकी जयसवाल को डेट कर रही है दोनों ने अपने रिश्ते को सार्वजनिक कर दिया है दोनों एक-दूसरे के साथ अक्सर नजर आते हैं दोनों की केमिस्ट्री फैंस को भी काफी पसंद आती है दोनों जल्द शादी करने वाले हैं।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
डा0 दीपक अरोरा द्वारा
रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए
बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज
(उ.प्र.) 211002 से मुद्रित
एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी
औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
(उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।